हिन्दी दैनिक
पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com
सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 10 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 40 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजना गलत है: केंद्रीय मंत्री आठवले

एजेंसी

दिल्ली : केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भारत भेजना सही नहीं है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय बजट का ब्यौरा साझा करते हुए यह टिप्पणी की और उन्होंने बजट को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है ।इस सप्ताह की शुरूआत में अमेरिका से भारत भेजे गए अवैध प्रवासियों के साथ किए गए व्यवहार के बारे में आठवले ने कहा कि उन्हें बेड़ियों में जकड़ कर भेजना गलत है। अमेरिकी सेना का एक विमान 104 अवैध प्रवासियों के साथ बुधवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा था ।अवैध प्रवासियों के साथ किए गए व्यवहार के बारे में आठवले ने कहा कि उन्हें बेड़ियों में जकड़ कर भेजना गलत है। अमेरिकी सेना का एक विमान 104 अवैध प्रवासियों के साथ बुधवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा था।

AI शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे पीएम मोदी, फ्रांस दौरे पर आज होंगे रवाना

पीएम नरेंद्र मोदी 10 फरवरी को फ्रांस की यात्रा पर रवाना होंगे। यहां वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य फ्रांस द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) शिखर सम्मेलन में भाग लेना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। साथ ही वह इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे ।यात्रा के पहले दिन यानी 10 फरवरी की शाम को प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य देशों के प्रमुखों और अन्य प्रमुख नेताओं के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में हिस्सा लेंगे। इस रात्रिभोज का उद्देश्य देशों के प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करना है ।10 फरवरी की शाम पेरिस पहुंचेंगे पीएम मोदीविदेश सचिव विक्रम मिस्त्र ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

10 फरवरी की शाम को पेरिस पहुंचेंगे। उसी शाम विशेष रात्रिभोज का आयोजन है। यह रात्रिभोज मशहूर एलिसी पैलेस में होगा, जहां टेक क्षेत्र के कई मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी मौजूद होंगे ।तीसरा उच्च-स्तरीय अक शिखर सम्मेलनविदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि यह तीसरा उच्च-स्तरीय अकशिखर सम्मेलन है। इससे पहले 2023 में यूके और 2024 में दक्षिण कोरिया में इसी तरह के सम्मेलन आयोजित किए गए थे। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत और फ्रांस के बीच टेक्नोलॉजी क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती मिलेगी ।प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 12 और 13 फरवरी को अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। कल दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 48 सीटें जीती हैं। अब दिल्ली के नए सीएम और उनके मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दिल्ली के नए सीएम चेहरे को लेकर बीजेपी में बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इन सबके बीच सूत्रों ने बताया है कि दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा ?

भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस सप्ताह अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह एक भव्य कार्यक्रम होगा

दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के चयन की कवायद तेज, जेपी नड्डा ने अमित शाह से मुलाकात की

एजेंसी

नईदिल्ली: दिल्ली विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी में नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर कवायद तेज हो गई है। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इससे पहले दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ शनिवार को भाजपा मुख्यालय में विचार-विमर्श किया था ।भाजपा ने चुनावों में हर क्षेत्र और अधिकतर समुदायों के बीच प्रभावशाली बढ़त हासिल की है, इसलिए उसके पास मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों की एक विस्तृत सूची है। विभिन्न राज्यों में अपने मुख्यमंत्रियों को चुनने में पार्टी के विकल्पों को अक्सर बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाता है, ऐसे में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना ?है कि दिल्ली कोई अपवाद नहीं होगा ।आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले जाट समुदाय के नेता प्रवेश वर्मा जैसे प्रमुख चेहरे और सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, आशीष सूद एवं पवन शर्मा जैसे संगठन के अनुभवी नेताओं की चर्चा हो रही है, लेकिन भाजपा का इतिहास अपेक्षाकृत कम चर्चित नेताओं को आगे बढ़ाने का रहा है ।भाजपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राजनीतिक समीकरणों के आधार पर पूर्वांचल की पृष्ठभूमि वाले किसी विधायक, सिख या महिला पर भी विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि 2023 में मध्यप्रदेश और राजस्थान तथा पिछले साल ओडिशा समेत पिछले अनुभव के मद्देनजर ऐसे मामलों पर अटकलों के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है ।भाजपा ने मध्यप्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा और ओडिशा में मोहन चरण माझी को चुना, ।

मुख्यमंत्री नीतीश ने लॉन बॉल में स्वर्ण जीतने पर बिहार की महिला टीम को बधाई दी

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों की लॉन बॉल महिला ट्रिपल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर बिहार की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं ।मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में नीतीश ने कहा, 25 वर्षों के बाद राष्ट्रीय खेलों में बिहार के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर बिहार की बेटियों ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।मुख्यमंत्री ने कहा, इस ऐतिहासिक जीत में बिहार की महिला टीम की खिलाड़ियों पायल प्रीति, खुशबू कुमारी और निखत खातून ने असाधारण कौशल, धैर्य और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए लॉन बॉल में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे बिहार को उन पर गर्व है। सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना है ।मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में नीतीश ने कहा, 25 वर्षों के बाद राष्ट्रीय खेलों में बिहार के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर बिहार की बेटियों ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का इस्तीफा: गृहमंत्री से मुलाकात के बाद राज्यपाल को सौंपा त्यागपत्र; राष्ट्रपति शासन की सिफारिश

एजेंसी

मणिपुर: मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने हाल के दिनों में गृहमंत्री अमित शाह को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का प्रस्ताव दिया था। रविवार को ही उन्होंने गृहमंत्री से मुलाकात की थी। मणिपुर में पिछले सालभर से जारी तनाव के बीच मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इंफाल में राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात करके अपना त्यागपत्र उन्हें सौंप दिया। इसके साथ एन बीरेन सिंह ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने का प्रस्ताव भी सौंपा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा- क्रोनोलॉजी समझने की जरूरत है... कल कांग्रेस

पार्टी मणिपुर विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने वाली थी... मणिपुर के सीएम को एहसास हुआ कि उनके पास बहुमत नहीं है... इसलिए उन्होंने आज अपना इस्तीफा दे दिया। यह उनकी मजबूरी थी... मणिपुर में डर का माहौल है... मुख्यमंत्री के इस्तीफे में देरी हुई है। एन बीरेन सिंह सिर्फ कठपुतली हैं, यह केंद्रीय गृह की जिम्मेदारी है। जयराम रमेश ने कहा- केंद्रीय गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए...पीएम मोदी ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया ?...नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति से स्थिति नहीं बदलेगी...पीएम मोदी को तुरंत मणिपुर का दौरा करना चाहिए। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने मणिपुर में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से इस्तीफे की मांग की थी। सहयोगी दल जेडीयू विधायकों ने भी पिछले दिनों सरकार से समर्थन वापस ले लिया था ।एन बीरेन सिंह ने आज (रविवार) सुबह दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, करीब 12 विधायक नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने बंगाल के सिस्टम में सड़न को उजागर किया: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

कोलकाता । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में गुंडों को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है। उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस

तरह की घटना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंता का विषय है ।उन्होंने कहा, जो कुछ आर. जी. कर में हुआ, वह गंभीर चिंता का विषय है। समाज की सुरक्षा के लिए बनाए गए तंत्र में गुंडों की भर्ती इस बात का संकेत है कि यह व्यवस्था सड़ चुकी है। यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। प्रधान का इशारा कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलंटियर संजय रॉय की ओर था। संजय राय को नौ अगस्त 2023 को प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना में दोषी ठहराया गया था। पीड़िता के परिवार और प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का दावा है कि इस अपराध में अकेला संजय रॉय शामिल नहीं था। यह एक बड़ी साजिश थी।

दिल्ली चुनावों में करारी हार के बाद आतिशी ने पद से दिया इस्तीफा, उप राज्यपाल ने भंग की विधानसभा

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की करारी हार के एक दिन बाद रविवार को सीएम आतिशी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सौंप दिया। आतिशी के इस्तीफे के बाद उपराज्यपाल ने दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग कर दिया। इसके लिए उन्होंने अधिसूचना जारी की ।बता दें, कल आए नतीजों में 70 विधानसभा सीटों में से बीजेपी ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की है। अरविंद केजरीवाल की

अगुवाई वाली आप सिर्फ 22 सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस को चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली ।उपराज्यपाल ने दिल्ली विधानसभा भंग कीरविवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991, 1 की धारा 6 की उपधारा (2) (बी) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, 08 फरवरी, 2025 से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सातवीं विधानसभा को भंग करते हैं ।आतिशी ने इस्तीफा दियादिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार के बाद रविवार को सीएम आतिशी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज निवास पहुंचकर दिल्ली के उपराज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

2026 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा, बीजापुर मुठभेड़ पर आया अमित शाह का बयान

एजेंसी

छत्तीसगढ़ी: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा। शाह ने बीजापुर मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के कारण देश के किसी भी नागरिक को अपनी जान नहीं गंवानी पड़ेगी ।अमित शाह ने रविवार को अपने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गयी है।'शाह ने आगे कहा, 'मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। शहीद जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुनः यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।'बीजापुर मुठभेड़ में मारे गए 31 नक्सली।

बीजापुर नेशनल पार्क में मुठभेड़ : 31 नक्सली ढेर, दो जवान शहीद, सीएम साय बोले- नक्सलियों की मांद में घुसकर उनका कर रहे खात्मा

एजेंसी

बीजापुर । छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव से पहले बीजापुर नेशनल पार्क इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। जवानों ने अब तक 31 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए हैं। घटनास्थल से घायलों को निकालने के लिए जगदलपुर से टक17 हेलिकॉप्टर रवाना हो चुका है। बता दें कि, रविवार सुबह से ही बीजापुर नेशनल पार्क इलाके में मुठभेड़ जारी है। डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर के जवानों ने नक्सलियों को घेरा है। दोनो घायल जवान डीआरजी कांस्टेबल जग्गू कलमू और एसटीएफ

कांस्टेबल गुलाब मंडावी की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रवाना कर दिया गया है। वहीं डीआरजी हेड कांस्टेबल नरेश ध्रुव, भाटापारा, बालोद और एसटीएफ कांस्टेबल वासित रावटे, डोंडी बालोद शहीद हो गए। मुठभेड़ स्थल से अब तक 31 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जिनकी शिनाख्त की जा रही है। मारे गए नक्सलियों के पास अङ 47, रछफ क्ठरअर ११ी, . 303, इत्र्छ ''४ल्लॉं१ हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। वहीं अतिरिक्त जवानों को री- इन्स्फोरमेंट के लिए भेजा गया है। पूरे इलाके में सर्च अभियान जारी है। इस पूरे मामले को लेकर बस्तर क्क्ष्सुंदरराज पी ने बताया कि, माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद फोर्स को मौके के लिए निकाला गया था। बीजापुर उ्रक्क रळत्र और बस्तर फाइटर्स के जवानों ने नक्सलियों को घेरा ।नक्सलियों को हुआ बड़ा नुकसान-

11वां इजलास,जामिया आएशा सिद्दिका नूर चक बिस्फी मधुबनी में एक दिवसीय खतमें बुखारी शरीफ का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के जामिया आएशा सिद्दिका नूर चक बिस्फी मधुबनी में एक दिवसीय खतमें बुखारी शरीफ का आयोजन किया गया

इस विशाल जलसा की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद शिबली अल कासमी नाजिम इमारतें शरिया पटना बिहार ने किया इस जलसा के चीफ गेस्ट मौलाना अयूब उस्ताद दारुल हदीस जामिया अशरफिया सूरत गुजरात, मुफ्ती मोहम्मद हसनैन कासमी बानी व जामिया आयशा सिद्दीका नूर चक बिस्फी मधुबनी मुफ्ती मोहम्मद हसनैन कासमी ने कहा कि 11वां इजलास खतमें बुखारी शरीफ पढ़कर मुकम्मल किया जो 2014 से लेकर 2025 तक 135 लड़कियां फारीग हुई है ' हमारा मकसद यही है की बच्चियों को तालीम से जोड़ना यही वजह है इस इलाके से अबतक 135 बच्चियों ने

बुखारी शरीफ पढ़कर फारिग हुई हैं 2014 से अभी 2025 में अल्हम्दुलिल्लाह और इस साल भी 10 बच्चियों ने 2014 से लेकर 25 तक में 135 बच्चे यहां से अल्हम्दुलिल्लाह फारिग हो रही हैं यह जानकर खुशी होगी कि बच्चियों को लिखने और पढ़ने का स्वरूप और अभी बच्चियों को भी लिखने और पढ़ने के साथ-साथ कंप्यूटर की भी तालीम दी जाएगी इंशाल्लाह जामिया आयशा सिद्दीका में दीनी तालीम के साथ अंग्रेजी हिंदी और कंप्यूटर की भी तालीम का भी पूरा इंतजाम है यहां की 135 बच्चियों ने फ्रागत के बाद मैट्रिक और इंटर और बी. ए.और एम एड की भी पढ़ाई कर रही है अल्हम्दुलिल्लाह यहां पढ़ने और लिखने का भी एक बहुत ही अच्छा माहौल है इसके लिए आज शषमा ही एक रिसालह का विमोचन भी किया गया जो हर 6 मा पर एक रिसाला निकल करेगा ' जामिया आयशा में सिलाई कटाई की हुनर के साथ अब कंप्यूटर की भी तालीम दी जाएगी जो रमजान के बाद बहुत जल्द इसकी भी शुरूआत किया जाएगा ताकि न्यू टेक्नोलॉजी के दौर में यहाँ की बच्चियों को भी अच्छे ढंग से कंप्यूटर और दिगर उलूम पर भी महारत हासिल हो सके इसके लिए जामिया आयशा हमेशा कोशा है इस जलसे को खेताब करते हुए मौलाना अयूब सैदपुरी ने कहा जिस तरह से जामिया आयशा में बच्चियों की तालीम के लिए बहुत ही अच्छे इंतजाम और जमाने के हिसाब से तालीम दी जा रही है यह वक्त की जरूरत है जो जामिया आयशा अल्हम्दुलिल्लाह पूरा कर रहा है इस इलाके लोगों को इस ए दारे पर यहां के दानिश्वरों को भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की भी जरूरत है इस एदारे ने एक मिसाल काएम किया है इस अवसर पर आए हुए तमाम मेहमान एवं सभी लोगों का मौलाना हसनैन अहमद कासमी नाजिम जामिया आयशा सिद्दीका नूर चक बिस्फी मधुबनी ने सभी का शुक्रिया अदा किया. इस अवसर पर पूर्व मुखिया व समाजसेवी मोहम्मद शाकिर हुसैन उर्फ अब्बू बाबू, उप प्रमुख मोहम्मद इसराइल, राजद नेता अब्दुल हयय, मोहम्मद तमन्ना, मोहम्मद रब्बानी, मौलाना एजाज, मोहम्मद सआदत हसन मंटू,मो.नजरे आलम, मोहम्मद खुर्शीद, मोहम्मद कमाल, समेत

एक दिवसीय प्रोग्राम में इस इलाके के दानिश्वर एवं उल्माया दिन ने एंव आम जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे

तामिरे मस्जिद व मदरसा इकराएं बसैठा का आज संगे बुनियाद रखा गया

संगे बुनियाद हजरत मौलाना इजहारूल हक के हाथों रखा गया

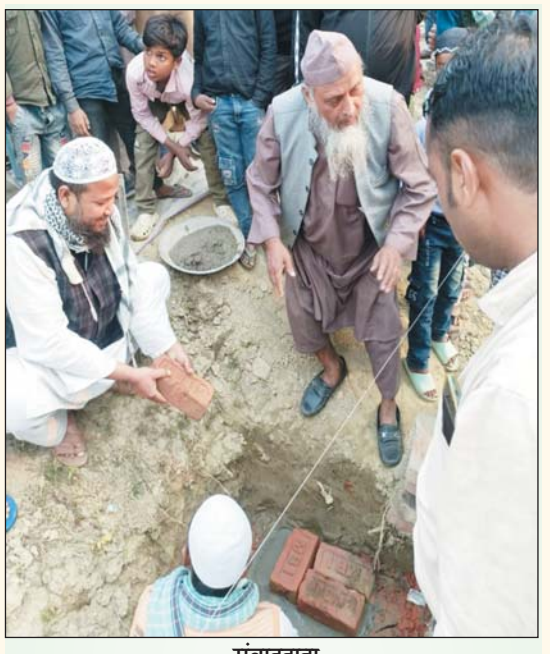

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बेनीपट्टी अनुमंडल क्षेत्र के बसैठा तामिरे मस्जिद व मदरसा इकराएं बसैठा का आज संगे बुनियाद रखा गया संगे बुनियाद हजरत मौलाना इजहारूल हक के हाथों रखा गया बानी वनाजीम व सिक्रेटरी हाफिज एजाज अहमद हुसैनी ने बताया कि हजरत मौलाना के हाथों आज संगे बुनियाद मस्जिद का रखा गया जिसका बरसों से इंतजार था मधुबनी जिला के बेनीपट्टी अनुमंडल क्षेत्र के बसैठा में तमिरे मस्जिद व मदरसा इकराएं बसैठा का बाद नमाज असर रखा गया मौके पर डॉक्टर मोहम्मद अबु बकर, डॉ मोहम्मद जिलानी, डॉ मोहम्मद हीरा, मोहम्मद साबिर,मोहम्मद हिरा, मोहम्मद मिनहाज उर्फ गुलाब बाबू, डॉ मोहम्मद, मोहम्मद नियाज अहमद मोहम्मद कमरुज्जमा, मास्टर मोहम्मद जमाल, मोहम्मद परवेज, मोहम्मद नूर आलम,मोहम्मद खुर्शीद आलम, मोहम्मद हीरा, हाफिज मोहम्मद अमानुल्लाह मौलाना मोहम्मद गुलाब, मोहम्मद इफ्तिखार, मोहम्मद इफ्तिखार, मोहम्मद जफर हसन समेत इलाके के धनेश्वरण हजरत बड़ी संख्या में उपस्थित थे ओके पर हजरत मौलाना ने दुआ में इस्लाम और हिंदुस्तान के लिए और मस्जिद मदारिस के लिए खुसुसी दुआ की गई.

रहमानी 30 का परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर(रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) : - - जिले के ताजपुर प्रखंड एवं नगर परिषद क्षेत्र के एलकेवीडी कॉलेज रोड स्थित डॉ ताहा मेमोरियल एकेडमी में रविवार को रहमानी 30 सेंटर कोड 154112 परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इस सेंटर पर कुल 85 छात्र - छात्राओं में छात्रों की संख्या 46 एवं 39 छात्राओं परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा सफल कराने में मुख्य रूप से अब्दुल अहद अंसारी, मो0 अजहर, अकबर असलम, नाजिया मुश्ताक, नाजिया सैफी, फरहत सुल्ताना, फरजाना खातुन, तलत बखसी, खालदा तसलीम एवं हाफि ज समी अहमद की अहम भूमिका रही है। वहीं स्कूल के डायरेक्टर एवं प्रोफेसर बशीर अहमद का महत्वपूर्ण खास अहम रोल रहा कि काफी सहूलियत के साथ इमानदारी के साथ परीक्षा को सम्पन्न कराया।

जनता के आम बजट के खिलाफ सीपीएम का राष्ट्रव्यापी आंदोलन होगा - ललन चौधरी

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीएम जिला कमिटि मधुबनी का बैठक जयनगर बस्ती पंचायत में दो दिवसीय आयोजित है,जिस बैठक की अध्यक्षता रामजी यादव ने किया, बैठक में सीपीएम बिहार राज्य सचिव ललन चौधरी, सीपीएम राज्य सचिव मंडल सदस्य रामपरी देवी के दिशा निर्देश में हो रहा है, बैठक में विस्तृत रिपोर्ट सीपीएम जिला सचिव मनोज कुमार यादव ने रखें, पार्टी ने सर्वप्रथम शशिभूषण यादव , मौजे लाल राम के निधन पर शोक व्यक्त किया। बैठक में सीपीएम पार्टी नेताओं का नवीकरण, ब्रांच, लोकल कमिटी को सक्रिय करने, आंदोलन सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सीपीएम बिहार राज्य सचिव ललन चौधरी ने कहा कि आम बजट जनता, गरीब विरोधी बजट है, सीपीएम जनता के बीच जाकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन को खड़ा कर संघर्ष तेज करेगा जिसमें सभी वामपंथी दल रहेंगे, किसान मजदूर, नौजवान महिलाओं के खिलाफ बजट है, किसान, मध्यम वर्ग लोगों को ठगा गया है,यह बजट एक छलावा है, मोदी सरकार बड़े पूंजीपतियों के लिए बजट बना रहे हैं जबकि देश में किसान आत्महत्याएं कर रहा है, किसानों का कर्ज माफ करने का बजट में कोई चर्चा नहीं हुई, नया रोजगार पैदा करने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है, मजदूरों के खिलाफ कड़े फैसले लिया गया है,आशा, ममता, आंगनबाड़ी, रसोईया,ठेका प्रथा पर बहाली बंद करने जैसे विषयों को नजरंदाज किया गया है, खेती को बचाने का कोई ठोस नीति निर्धारण नहीं करना, महंगाई कम करने के लिए, बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, मनरेगा में भारी कटौती किया जा रहा है जो चिंताजनक है,इस तमाम सवालों को लेकर लाल झंडा जोरदार आंदोलन चलाएंगे। बैठक में विजय नाथ मिश्र, राम नरेश यादव,सुनील मिश्र, दिलीप झा, शशिभूषण प्रसाद,सोनधारी यादव, राजेन्द्र यादव,विजय पासवान, बाबूलाल महतो, उपेन्द्र यादव,सत्यनारायण यादव,राणा प्रताप सिंह,विन्दु यादव ,उमेश घोष,राम लखन यादव, सुमित्रा देवी,राम कृष्ण यादव राजेश मिश्र,शशि सलहैता। सहित कई नेता मौजूद थे।

गला दबाकर युवक की हत्या, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम, मृतक हलवाई का काम करता था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खेसराहा पंचायत स्थित सुनसान इलाके में अवस्थित मधुपाकर चौर के एक खेत से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। रविवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के पास से ही उसकी पल्सर बाइक व क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है। शव बरामद होने की खबर मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई वहीं सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ घटना स्थल पर मृतक का शव देखने पहुंची। मृतक की पहचान सिमरी पंचायत के वार्ड संख्या 9 निवासी जय नारायण साह के 26 वर्षीय पुत्र सुरेश साह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी विवेक कुमार शर्मा व थानाध्यक्ष फिरोज आलम ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वहीं एफएसएल टीम ने घटनास्थल से संबंधित नमूने जांच पड़ताल हेतु एकत्रित किए हैं। मृतक के गर्दन पर गहरे जख्म के निशान व दाहिना पैर पर घुटने के उपर टूटा हुआ पाया गया है। उधर घटना से आक्रोशित लोगों ने हत्यारे की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर मृतक के शव को सिमरी चौक पर रखकर गढ़सिसई - कल्याणपुर बस्ती पथ को जामकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे बाद अंचल पुलिस निरीक्षक पिंकी प्रसाद के आश्वासन के बाद जाम हटा। घटना के संबंध में मृतक के पिता सिमरी पंचायत के वार्ड संख्या 9 निवासी जय नारायण साह ने बताया कि मेरा पुत्र सुरेश कुमार हलवाई का काम करता था। शनिवार की शाम करीब 4 बजे उसके ग्रामीण मित्रों ने हलई में आयोजित एक भोज में काम करने की बात कह कर उसे घर से बुलाकर ले गये। बाद में शाम होने पर जानकारी दी कि सुरेश की मौत एक सड़क दुर्घटना में हो गई है, जिसके बाद उन्होंने खोजबीन शुरू की परंतु सुरेश का मोबाइल बंद रहने के कारण संपर्क नहीं हो सका। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। रविवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा खेसराहा पंचायत स्थित मधुपाकर चौर में एक युवक का शव फेंके होने की खबर पर जाकर देखा तो वह सुरेश का ही शव था। हत्या की खबर मिलते ही स्वजनों के करुण कंद्रण से माहौल गमगीन हो गया। डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होता है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापमारी कर रही है। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। उधर पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने बताया कि मृतक के परिजनों के अनुसार शनिवार को 4:00 बजे संध्या मृतक सुरेश साह अपने साथी अनिल कुमार राय पिता रामनन्दन राय उर्फ कारी राय तथा रामविनय महतो पिता धर्मेश महतो दोनों साकिन सिमरी थाना विद्यापतिनगर जिला समस्तीपुर के साथ मिठाई बनाने हेतु घर से निकले थे। परन्तु रविवार को समय 09:30 बजे मृतक सुरेश साह का शव ग्राम खेसराहा स्थित मधुपाकर चौर में मिला है। मृतक के दोनों साथी अनिल कुमार राय एवं रामनन्दन राय अभी फरार है। पुलिस के द्वारा दोनों फरार को खोजा जा रहा है। मृतक का शव उनके दाहिना पैर का घुटना के उपर टुटा तथा गर्दन पर निशान का चिन्ह पाया गया है। घटना की सूचना पर एसडीपीओ, दलसिंहसराय एवं थानाध्यक्ष विद्यापतिनगर घटनास्थल पर पहुँचकर मामले की छानबीन कर रहे हैं। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है।

मशरक में सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल , सीएचसी में भर्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सीएचसी में सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ संजय कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। पहले में मशरक छपरा मुख्य पथ एस एच 90 पर मशरक प्रखंड कार्यालय के पास दो बाइकों की आमने सामने टक्कर में एक बाइक सवार को गंभीर हालत में इलाज के लिए 112 की टीम ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल यूपी के इटावा का हीरालाल बताया गया। जो बाइक से गांवों में घूम घूम कर कपड़ा बेचने का काम करता है। घायल ने बताया कि वह गांव में कपड़ा बेच बाइक से वापस मशरक बाजार में अपने किराए के कमरें में आ रहा था कि बाइक की टक्कर हो गई। दूसरे में लखनपुर में स्कूटी सवार दिव्यांग को अनियंत्रित ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी जिसमें सिवान जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के माघर गांव निवासी मोहम्मद इस्लाम मियां का 44 वर्षीय पुत्र महफूज आलम घायल हो गया। वह सतरघाट से मशरक होकर अपने गांव जा रहा था। तीसरे मामले में मशरक से गुजर रही एस एच 73 पर गलिमापुर गांव में बाइक दुर्घटना में एक शख्स को घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मशरक पूरब टोला गांव निवासी स्व शिव पूजन प्रसाद का 47 वर्षीय पुत्र टुनटुन प्रसाद हैं।

एस एस बी के द्वारा 5 दिवसीय निशुल्क मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

■ मधुमक्खी पालन एक लाभप्रद व्यवसाय : कार्यवाहक कमांडेंट अशोक कुमार ओला

मधुबनी जिला के भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 18 वीं बटालियन मुख्यालय राजनगर के कार्यवाहक कमांडेंट अशोक कुमार ओला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मधुमक्खी पालन एक ऐसा कृषि आधारित उद्योग है जिसकी जानकारी अत्यन्त सरल है। विकसित कृषि में मधुमक्खियों का स्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है एवं मधुमक्खीपालन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विभिन्न फसलों की पैदावार में वृद्धि के लिए काफी महत्वपूर्ण माना गया है। इसमें लागत कम है एवं आमदनी अधिक एवं कम समय में आय प्राप्त होने लगती है। इस राज्य में लगभग 80 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है। जिनमें लगभग 80 प्रतिशत लोग या तो छोटे व मझोले किसान हैं या भूमिहीन मजदूर हैं। इनको स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय का साधन चाहिए। गांवों के विकास के लिए मधुमक्खी पालन से बेहतर कोई दूसरा घरेलू रोजगार नहीं हैं। जानकारी सरल होने के कारण अशिक्षित व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब एवं भूमिहीन भी इस व्यवसाय को 3 से 5 बक्सों से, कम पूंजी से शुरू कर 3 वर्षों के अन्दर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकते हैं। और प्रतिवर्ष मुधमक्खी, मोम एवं मधु बेचकर लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। इस व्यवसाय में बड़े भूखण्ड, बिजली या इमारत की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें अन्य उद्योगों की तरह कच्चे माल की भी जरूरत नहीं है क्योंकि मधुमक्खी के बक्सों को खेत की मेड़, सड़क के किनारे, बगीचा या कहीं भी रखा जा सकता है और मधुमक्खी लगभग 3 किलोमीटर त्रिज्या क्षेत्र से अपना भोजन (पुष्परस एवं पराग) लेती है। इसमें शिक्षा, लिंग, उम्र, धन, धर्म एवं जाति का बन्धन भी नहीं है। महिलाएँ अपने घर के आसपास आंगनबाड़ी में 5-10 बक्से रखकर मधुमक्खी की देखभाल अपने खाली समय में कर सकती हैं। इस प्रकार से शहर को उत्पादित कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं एवं समाज में सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत सकती हैं। किसान, नौकरी पेशा वाले इसे अपनी अतिरिक्त आय का साधन बनाकर समृद्धि को मजबूत बना सकते हैं। गांवो के लोग मधुमक्खी में काम आनेवाले औजार, बक्से, मधु निष्कासन यंत्र इत्यादि बनाकर कुटीर उद्योग का रूप दे सकते हैं।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में रेडियो स्नेही निभा रहा अहम भूमिका

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान: फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की शुरूआत जिले में 10 फरवरी से की जा रही है, जिसकी औपचारिक शुरूआत जिला सिविल सर्जन ने की। यह अभियान जिले भर में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, ताकि फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सके। इस महाअभियान में सिवान का सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही तथा स्मार्ट नई दिल्ली के साथ मिलकर सेहत सही लाभ कई कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने सशक्त प्रसारण, संवाद कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों के माध्यम से रेडियो स्नेही इस जनस्वास्थ्य पहल को सफल बनाने में जुटा है।

उल्लेखनीय हो कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो मच्छरों के काटने से फैलती है और शरीर के विभिन्न अंगों में असामान्य सूजन पैदा कर सकती है, जिससे व्यक्ति दिव्यांगता का शिकार हो सकता है। इसे आमतौर पर हाथी पांव (एलिफेंटियासिस) भी कहा जाता है। इस बीमारी को रोकने के लिए सरकार ने सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरूआत की है, जिसमें हर व्यक्ति को फाइलेरिया से बचाव की दवा अनिवार्य रूप से खानी होती है। हालांकि, अब भी समाज में इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां और डर मौजूद हैं। इसी चुनौती को देखते हुए रेडियो स्नेही ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का निर्णय लिया है।

रेडियो स्नेही का अनूठा प्रयास

रेडियो स्नेही के निदेशक मधुसूदन पंडित ने बताया कि रेडियो स्टेशन ने अपने विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान से जोड़ने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। रेडियो स्टेशन इस विषय पर विशेष रेडियो कार्यक्रमों, विशेषज्ञ चचाओं, जमीनी रिपोर्टिंग और इंटरव्यू के माध्यम से जनता को इस बीमारी और दवा सेवन की अनिवार्यता के प्रति जागरूक कर रहा है। रेडियो स्नेही के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नवीन सिंह परमार ने बताया कि रेडियो स्नेही ने सेहत सही लाभ कई नाम से एक विशेष रेडियो कार्यक्रम की शुरूआत की है, जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञ, डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में फाइलेरिया के कारण, लक्षण, बचाव और दवा के फायदों पर विस्तृत चर्चा हो रही है। वहीं रेडियो स्नेही की टीम विभिन्न गांवों में जाकर आम लोगों से बातचीत कर रही है, उनकी शंकाओं को दूर कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि अधिक से अधिक लोग दवा सेवन करें। गांवों के सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा दीदी, शिक्षकों और अन्य प्रमुख लोगों को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। यही नहीं रेडियो स्नेही की मोबाइल वैन गांव-गांव जाकर लाउडस्पीकर के माध्यम से फाइलेरिया दवा सेवन का संदेश प्रसारित कर रही है। इसके अलावा, नुक्कड़ नाटक, लोकगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी जागरूकता फैलाई जा रही है। रेडियो स्नेही की टीम विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब और इंस्टाग्राम के माध्यम से भी इस अभियान को बढ़ावा दे रहा है। इसमें लाइव सत्र, जागरूकता वीडियो, और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के इंटरव्यू शामिल हैं।

नीतीश कुमार का नलजल योजना हुआ टांय टांय फीस, ग्रामीण पानी के लिए इधर उधर भटकने पर मजबूर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिला के वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के सतमलपुर पंचायत के वार्ड संख्या 06 में नलजल का पानी ठप्प रहने से लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है की जब नल जल का पाईप लाईन लगाया गया उसके बाद मुश्किल से छः महीना पानी मिला उसके बाद आज तक पानी नही आया। पानी नही मिल पा रहा है और चापाकल भी सुख गया है। इस के वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी या तो मन से लाकर कपड़ा धोते हैं या फिर नदी जाना पड़ता है। पानी नही मिलने की शिकायत हमलोगों ने मिलकर ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नही हुई, यहां तक के मुख्यमंत्री के द्वारा जो अखबार में नलजल में कमी होने पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जो टोल फ्री नम्बर दिया जाता है उस पर भी ग्रामीणों ने शिकायत की, लेकिन आज तक कोई इनक्वायरी नही हुई।

मिथिलांचल के दरभंगा में एनडीए के नेताओं ने दिखाया दम

एनडीए के घटक दलों के अध्यक्षों ने मोदी और नीतीश की जोड़ी को बताया सर्वश्रेष्ठ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- एनडीए कार्यकताओं के जोश और उत्साह से जीत की बन रही राह आसान: डॉ. दिलीप जायसवाल
- पीएम मोदी और सीएम नीतीश की जोड़ी से बिहार के विकास को मिल रही नई दिशा: डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए गठबंधन सच्चाई और विकास का गठबंधन: डॉ. दिलीप जायसवाल
- *दिल्ली की आप-दा की तरह बिहार के विपदा को घर बैठाएगी जनता - डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकताओं के जोश और जुनून ने विधानसभा चुनाव के परिणाम के दे दिए संकेत, एनडीए की जीत तय: उमेश सिंह कुशवाहा
- परजीवी बन चुकी है कांग्रेस: राजू तिवारी

- बिहार की जनता 'जंगलराज' के दौर को कभी नहीं भूल सकती: अनिल सिंह
- बिहार को डबल इंजन से मिल रही 'डबल' ताकत: मदन चौधरी

पटना, 9 फरवरी। भाजपा सहित एनडीए घटक दलों के नेता आज एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में मिथिलांचल के दरभंगा में इकट्ठा हुए और अपना दम दिखाया। सभी घटक दलों ने एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बिहार के नीतीश कुमार की जोड़ी को राजनीति की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी बताया। सभी ने एकजुटता का संदेश देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का दावा किया।

दरभंगा के लहेरियासराय के कपूरी ग्राउंड मेडिकल मैदान में आयोजित भव्य और विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।इस सम्मेलन में विभिन्न विधानसभाओं से जुटे हजारों कार्यकताओं ने सम्मेलन में खड़े होकर एकजुट रहने का संकल्प लेते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर से सरकार बनाने को लेकर एलान किया।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निष्ठावान कार्यकर्ता ही हमारे संगठन की पहचान है। उन्होंने कहा कि एनडीए सम्मेलन के तीसरे चरण के क्रम में हमलोग आज दरभंगा पहुंचे हैं। अभी तक जिन जिलों में पहुंचे हैं, वहां के कार्यकर्ता जोश और उत्साह से लबरेज हैं। और कार्यकताओं का यही जोश और उत्साह अगले विधानसभा चुनाव की जीत की राह को आसान बना रही है।उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली की जनता भी अब बिहार की राह पर चलते हुए डबल इंजन की सरकार पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश की जोड़ी से बिहार के विकास को नई दिशा मिल रही है। आज किसी भी क्षेत्र में बिहार आगे बढ़ रहा है।भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने एनडीए गठबंधन को सच्चाई और विकास का गठबंधन बताते हुए कहा कि इस गठबंधन के सामने कई गठबंधन आए लेकिन स्वार्थ और सत्ता के कारण वे टिक नहीं पाए जबकि एनडीए को जनता पसंद कर रही है।जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने अगले विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का दावा करते हुए कहा कि हमारे पास न केवल कुशल नेतृत्व है बल्कि हमारे पास कार्यकताओं की बड़ी फौज है जिनके पास जोश भी है, जुनून भी है और उत्साह भी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का यह जोश और उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत होगी।उन्होंने कहा कि आज एनडीए पूरी ताकत से एकजुट है।

लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज बिहार ही नहीं देश की जनता का विश्वास एनडीए सरकार के प्रति बढ़ा है।

आन्दर में माले ने बदलो बिहार महाजुटान की तैयारी में किया प्रखण्ड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सत्ता हड़प की भाजपाई साजिश को परास्त करें ,न्यायपूर्ण नया बिहार के लिए संघर्ष तेज करें ।02 मार्च को पटना चलो

आन्दर,सिवान 02 फरवरी 2025भाकपा-माले ने बदलो बिहार महाजुटान 2 मार्च पटना के गाँधी मैदान की तैयारी को लेकर ग्राम जयजोर में प्रखण्ड स्तरीय कैडर कन्वेंशन किया। कन्वेंशन के अध्यक्षता करते हुए भाकपा माले के प्रखण्ड सचिव का.युगल किशोर ठाकुर ने कहा पिछले कई महीनों से भाकपा माले के द्वारा बिहार में हक दो वादा निभाओ अभियान चलाया जा रहा है,छह हजार से कम मासिक आय वाले 94 लाख गरीब परिवारो को दो लाख रुपए आर्थिक सहायता देने,हर भूमिहीन परिवार 5 डिसमिल जमीन पक्का मकान के मांग के लिए अभियान चलाया गया,जो मांग अबतक खोखले वादे ही साबित हुए।

वही कैडर कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले के जिलासचिव का.हंसनाथ राम ने कहा तीन वादों को पूरा करने की मांग को लेकर दिल्ली और पटना की डबल इंजन की सरकार से बार बार दुहराई गई ये मांग प्री-पेड मीटर योजना वापस लेने,गरीब व किसानों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की भी मांग,सर्वे के नाम पर बेदखली, जातीय उत्पीड़ित, धार्मिक हिंसा का सामना कर रहे दलित एव अल्पसंख्यक समुदाय,बुनियादी अधिकारों और मजदूरी के लड़ रहे स्किम वर्कर,माइक्रो फाइनेंस कम्पनियो के कर्ज मुक्ति के लिए लड़ रही जीविका, रोजगार के लिए युवाओ पर बर्बता ढंग से लाठी बरसाई गई,इन सब को लेकर भाकपा-माले ने 02 मार्च को पटना में बदलो बिहार महाजुटान का आह्वान किया गया।सभी लोग सकल्प ले तन मन धन से जनता की भारी गोलबंदी का ताकत का प्रतीक बने।

वही कैडर कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए स्थानीय विधायक का.सत्यदेव राम ने कहा डबल इंजन की सरकार लूट-झूठ धार्मिक उन्माद,अन्याय की ताकत से चल रही है,सरकार को हटाये बिना बिहार को बदला नहीं जा सकता,दो दशको से राज कर रही भाजपा आपसी भाईचारे को खत्म,धार्मिक उन्माद,राज्य बढ़ते पलायन,बढ़ते अपराध दिन दहाड़े गोलीबारी आम बात हो गई अपराध अपराधी को गठजोड़ की सरकार चल रही है,गरीबो की मांग को भटकाया जा रहा है,बुनियादी सुविधाओं बिजली,पानी, शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार सबको सिर्फ वादों से पूरा करने का दिखावा किया है,बिहार गरीबी ,पिछड़े पन और सामाजिक उत्पीड़न की बेड़ियों से मुक्ति की पुकार कर रहा है ,इसी मोड़ पर हमारी पार्टी ने बदलो बिहार महाजुटान 2 मार्च गाँधी मैदान पटना में चलने का आह्वान किया,और इसकी सफलता बिहार ही नही पूरे देश मे बदलाव का मजबूत संदेश देगा।

वही कैडर कन्वेंशन में पूर्व जिलापार्षद शीतल पासवान,पूर्व जिलापार्षद योगेन्द्र यादव,मंजिता कौर,कृष्णा राम,प्रेम राम,बीडीसी मुन्ना साह, ललन यादव,पूर्व प्रमुख मिना देवी,जिलापार्षद मंजू देवी,चन्द्रभान ठाकुर,मुखिया शारदा देवी,पूर्व मुखिया उधव यादव,दिनानाथ राम,श्रीराम मांझी,रामउद्वार दुबे आदि मौजूद थे।

रहमानिया होमियो केयर सेंटर में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर ,315 मरीजों ने उठाया लाभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को आदर्श मध्य विद्यालय नागरबस्ती नवीन के समीप रहमानियां होमियो केयर सेंटर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सैकड़ों मरीजों ने अपना अपना स्वास्थ्य जांच कराकर दवा ली। इधर पूछे जाने पर डॉक्टर मो नूर हसन ने बताया कि आज के शिविर में किडनी स्टोन, गठिया वात, सायटिका, थाईराइड, डायबिटीज, गैस की समस्या, बवासीर, फिस्चुला, त्वचा रोग में दाद, खाज और खुजली आदि बीमारियों का जांच पड़ताल कर 315 मरीजों को दवा दी गई। वहीं पूछे जाने पर डॉक्टर मो नूर हसन ने बताया कि यहां साल में दो बार राष्ट्रीय त्योहार गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्र दिवस के अवसर पर निःशुल्क शिविर लगाया जाता है। शिविर के अवसर पर डॉक्टर मो नूर हसन के अलावा डॉक्टर कहकशां जबीं, डॉक्टर सुजीत कुमार के साथ साथ सहयोगियों में मोहित कुमार, मो जीनियस, मो सैफुद्दीन, मो जियाउद्दीन, रोहित कुमार आदि का नाम शामिल है।

अप्रवासी भारतीयों के साथ अन्याय पर चुप क्यों है मोदी जयशंकर: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अप्रवासी भारतीयों की ससम्मान घर वापसी सुनिश्चित करें मोदी सरकार: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- अमेरिकी अप्रवासन नीतियों के आगे मोदी सरकार का आत्मसमर्पण: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- केंद्र सरकार ने अमेरिकी नीतियों के सामने देश की अस्मिता को रखा गिरवी: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- अप्रवासी भारतीयों के मुद्दे पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कांग्रेस ने किया पुतला दहन

पटना. रविवार, 9 फरवरी, 2025

अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिकी सरकार के अमानवीय व्यवहार और उन्हें जबरन बेड़ियों में जकड़कर मालवाहक विमानों से भारत लाने की प्रक्रिया पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में इनकम टैक्स चौराहे पर कांग्रेसजनों ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया।

विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि देश के कमजोर नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी के द्वारा अमेरिका से अप्रवासी भारतीयों के अमानवीय तरीके से भारत भेजे जाने के मुद्दे पर मौन साध लेना और हर बात पर मुखर होकर बयानवीर बनने वाले विदेश मंत्री एस जयशंकर की अनदेखी बताने के लिए काफी है कि देश के अंदर खुद को विश्वगुरु कहने वाली केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने भारतीयों का सम्मान अपने अमेरिकी मित्र डोनाल्ड ट्रंप के आगे गिरवी रख दिया है। देश के नागरिकों को जिस अमानवीय तरीके से मालवाहक विमानों में पैरों और हाथों में जंजीर बांध कर इतनी लंबी हवाई यात्रा के तहत भारत डिपोर्ट किया जा रहा है वो कतई स्वीकार्य नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री विश्व भर में घूमकर और करोड़ों के उपहार देकर इवेंट मैनेजमेंट कर डंका बजाते फिरते हैं लेकिन हकीकत यह है कि पड़ोसियों के बाद अब अमेरिकी सरकार भी हमसे दोयम दर्जे से भी नीचे का व्यवहार करने लगी। भारतीयों के मेहनत की कमाई हुई करोड़ों रुपए नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी के नाम पर उड़ाने वाले लोग एक अदद यात्री विमान तक अपने भारतीयों के लिए उपलब्ध नहीं करा सकें और तो और विदेश मंत्री का बयान आता है कि ये अमेरिकी नीति है। मतलब साफ है कि यह सरकार विदेशों में इवेंट मैनेज करके देश के अंदर खुद को मजबूत साबित करती है और वैश्विक मामलों में फिसड्डी साबित हो रही है।

बाजार क्षेत्र में दिन में व्यवसायिक वाहनों पर रोक लगाने की मांग को लेकर भाकपा माले ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन-सभा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो० एजाज

- बदते सड़क हादसा एवं जाम से मुक्ति को बाजार क्षेत्र में सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक व्यवसायिक वाहनों के परिचालन पर रोक लगे- सुरेंद्र प्रसाद सिंह
- सड़क हादसे में लगातार हो रही मौत के खिलाफ भाकपा माले ने शुरू की मुहिम- आसिफ हौदा
- दुर्घटना मुक्त-अपराध मुक्त, जाम मुक्त ताजपुर बनाने को भाकपा माले कृत संकल्पित-

ताजपुर9 मार्च 2025 बढ़ते सड़क हादसा एवं जानलेवा जाम से बाजार को मुक्ति दिलाने की मांग को लेकर भाकपा माले ने रविवार को एलकेवीडी कालेज मैदान से जुलूस निकालकर थाना चौक पर सभा आयोजित किया। सभा को संबोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाकपा-माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि नगर-प्रखंड क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता है जब सड़क हादसा में हताहत की खबर न हो। उन्होंने कहा कि ताजपुर का जाम जानलेवा है। जाम के डर से लोग बाजार आने से कतराने लगे हैं। ताजपुर-बखियारपुर फोर लेन सड़क एवं भारत माला निमार्णाधीन सड़क परियोजना में सैकड़ों हाईवा, ट्रेक्टर आदि चांदनी चौक, राजधानी चौक होते हुए ताजपुर-पूसा रोड से गुजरने के कारण सड़क जाम के साथ ही सड़क हादसा में बेतहाशा वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि दरभंगा शहर एवं समस्तीपुर शहर में दिन में नो इंट्री लागू रहने के कारण दरभंगा से विरौली होते हुए पूसा-ताजपुर रोड से हजारों बड़े वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। कपूरी ग्राम रैंक पोआइंट से ताजपुर के रामदयाल चौक से होकर मोतीपुर बाईपास में गाड़ी प्रवेश कर नेशनल हाईवे पकड़ती है लेकिन यह बाईपास सड़क भी अत्यंत जर्जर एवं कम चौड़ी है। भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य आसिफ हौदा ने सभा को संबोधित करते हुए ताजपुर-पूसा रोड- रहीमाबाद होते हुए नेशनल हाईवे तक एवं मोतीपुर बाईपास को तत्काल बनाने, सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक बाजार क्षेत्र में व्यवसायिक वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्षेत्र में प्रसिद्ध संस्थान रहमानी-30 की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कमर शाज बिहारी

पुपरी सीतामढ़ी, बिहार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्षेत्र में प्रसिद्ध संस्थान रहमानी-30 की प्रवेश परीक्षा आज 9 फरवरी 2025, रविवार को आईडियल एजुकेशन पब्लिक स्कूल, शाजनगर, मदारीपुर, सीतामढ़ी (केंद्र संख्या 154511) कार्यालय/केंद्र/निकट (मदरसा अजीजिया जमा मस्जिद) में आयोजित की गई। यह परीक्षा पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण वातावरण में जिला संयोजक कमर आलम शाज के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस परीक्षा में सीतामढ़ी, शिवहर के साथ-साथ दरभंगा जिले के जाले प्रखंड और मधुबनी जिले के बेनीपट्टी प्रखंड से सातवीं, आठवीं और दसवीं कक्षा के 122 छात्र-छात्राओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

ज्ञात हो कि केंद्र 154511 चार जिलों से घिरा हुआ है, जो मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड, दरभंगा जिले के जाले प्रखंड और मधुबनी जिले के बेनीपट्टी प्रखंड के विद्यार्थियों के लिए काफी सुविधाजनक है। इस बार भी इन जिलों से दर्जनों विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इस संबंध में जानकारी सहायक संयोजक मास्टर रजा रहमान और हाफिज मोहम्मद सिराज ने संयुक्त रूप से दी।

उन्होंने कहा कि "रहमानी-30" मुफक्किर-ए-इस्लाम और अमीर-ए-शरीअत हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद वली रहमानी (रह.) की एक क्रांतिकारी और आदर्श पहल है, जिसने बड़े-बड़े शिक्षाविदों को चौंका दिया और समय के लिए एक मिसाल कायम की। आज भी यह संस्थान अमीर-ए-शरीअत मुफक्किर-ए-मिल्लत मौलाना सैयद अहमद वली फैसल रहमानी की सरपरस्ती और इंजीनियर फहद रहमानी के नेतृत्व में लगातार सफलता की नई कहानियाँ लिख रहा है।इस परीक्षा के सफल आयोजन में जिला संयोजक मास्टर मोहम्मद कमरे आलम शाज के सक्रिय नेतृत्व के साथ-साथ रहमानी-30 के पर्यवेक्षक रूपेश कुमार सर, स्थानीय विद्वान मौलाना बशीरुद्दीन (प्रधानाचार्य, मदरसा अजीजिया), मौलाना मोहम्मद यामीन अख्तर (महासचिव, जमीअतु उलेमा सीतामढ़ी), मोहम्मद सलाहुद्दीन (प्रधानाचार्य, लालचंद मदन हाई स्कूल, पुपरी) और पुपरी के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. कलीम अख्तर मौजूद रहे।

अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ की बैठक में आंदोलन करने का निर्णय लिया गया

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।जिला अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ सीतामढ़ी की बैठक ओरिएंटल म वि सीतामढ़ी में जिलाअध्यक्ष विनोद बिहारी मंडल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा जिले के 98 प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों को अपार आईडी के मामले में वेतन पर रोक लगाने एवं मध्यान भोजन योजना के संबंध में प्रतिदिन सभी शिक्षकों से प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने की बाध्यता तथा शिक्षकों के भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति पत्र निर्गत करने में शिथिलता , बीपीएससी से चयनित शिक्षकों का सेवा पुस्तिका संधारण, स्थानांतरण ,विशिष्ट शिक्षकों की सेवा निरंतरता एवं वेतन भुगतान, नियोजित शिक्षकों को स्नातक,प्रधानाध्यापक एवम कालबद्ध प्रोन्नति देने, पूर्व प्रशिक्षित नियोजित शिक्षकों को योगदान तिथि से प्रशिक्षित वेतनवान देने, नियोजित शिक्षकों तथा शिक्षकों के लंबित विभिन्न समस्याओं के निदान में देरी पर पर शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर आक्रोश व्यक्त किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से प्रारंभिक शिक्षकों के सभी लम्बित समस्याओं का समाधान 15 फरवरी तक नहीं किया गया तो , संघ 28 फरवरी 2025 को जिला मुख्यालय आंबेडकर स्थल, डुमरा में धरना प्रदर्शन तथा शहीद भगत सिंह जी के शहादत दिवस पर 23 मार्च को जिला मुख्यालय डुमरा में शिक्षा सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। मुकेश कुमार, जिला संयुक्त सचिव के संयोजकत्व में 25 सदस्यीय तैयारी समिति का गठन किया गया।

बैठक में द्विजेंद्र कुमार सुमन, संजय कुमार कर्ण, मुकेश कुमार, विनोद कुमार राय ,अजय कुमार ठाकुर, पंकज कुमार ,मनोज चौधरी ,शिव शंकर राय ,नारायण सहनी ,परशुराम सिंह, हरिवंश पासवान ,प्रेम प्रकाश मंडल, आशा कुमारी शहीद दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

रसोईया संघ का धरना प्रदर्शन एवं विधान सभा का घेराव करने का निर्णय

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।जिला मध्याह्न भोजन रसोईया संघ ,सीतामढ़ी की बैठक नगर उद्यान सीतामढ़ी में जिला अध्यक्ष श्याम नंदन चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक प्रदीप राय ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार रसोईया को जानवर से भी बदतर समझती है। 12 महीना में 10 महीने का ही 1650 रुपया प्रतिमा की दर से मानदेय मिलता है जो ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। जबकि केरल में 9000अरुणाचल प्रदेश में 13000,दिल्ली पंजाब इत्यादि राज्यों में 7000 रु प्रतिमाह वेतन मिलता है। बैठक में सर्वसम्मति से दिनांक 27 फरवरी को जिला मुख्यालय अंबेडकर स्थल डुमरा पर विशाल धरना तथा 3एवं 4 मार्च को बिहार विधानसभा , पटना का घेराव करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में नागेश्वर राय, राम कृत रावत, नवल मंडल,राम इकबाल कापर , रामचेला रावत, राजकिशोर महतो, हरेंद्र झा, वीरेंद्र शाह, मंजू देवी, प्रमिला देवी , गीता देवी ,फूलों देवी, शैल देवी, नगीना देवी, रेणु देवी, सीता देवी, जमीला खातून ,मालती देवी ,शोभा देवी ,सीमा देवी, इंदु देवी ,रीना देवी सहित दर्जनों रसोईया उपस्थित थे।

10 फरवरी से दो वर्ष से अधिक के बच्चों खिलाई जाएगी दवा , कर्मियों के बीच दवा वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीएचसी मशरक के इलाके में 10 फरवरी से दो वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को फाइलेरिया उन्मूलन के तहत दवा खिलाई जाएगी। जिसकी तैयारी प्रभारी डॉ संजय कुमार के नेतृत्व में कर्मचारियों ने तेजी से शुरू कर दी है। सीएचसी परिसर में बीसीएम लव कुश कुमार ने आशा कार्यकताओं को दवा का वितरण किया। वहीं प्रभारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के तहत कार्यक्रम के सफलता हेतु सभी पर्यवेक्षक एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ लगातार बैठक कर फाइलेरिया दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। फाइलेरिया उन्मूलन के तहत 10 फरवरी से अभियान चलाकर दो वर्ष अधिक उम्र के लोगों को दवा खिलाई जाएगी। सभी गांवों के योग्य लाभुकों दवा खिलाई जाएगी। 10 फरवरी को सभी आंगनबाड़ी केंद्र में योग्य लाभुकों को फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी एवं 11 से 25 फरवरी तक दवा स्वास्थ्य कर्मचारियों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा घर-घर जाकर दवा खिलाई जाएगी। फाइलेरिया पर चर्चा करते हुए कहा कि यह एक वेक्टर जनित बीमारी है। जिसकी वजह से प्रभावित अंगों जैसे हाथ, पांव का फूलना तथा हाइड्रोसील होता है।यदि किसी व्यक्ति के को फाइलेरिया की शिकायत है तो हल्का चक्कर आ सकता है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ समय बाद ठीक हो जाएगा। समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रैपिड रिस्पांस टीम बनाई गई है जो तुरंत प्रभावित व्यक्ति के यहां पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया से बचाव की दवा किसी भी परिस्थिति में खाली पेट नहीं खाना है। कुछ खाने के बाद हीं दवा को खाना है, उसके बाद एक ग्लास पानी पीना है। अल्बेंडाजोल की दवा को चबाकर खाना है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को फाइलेरिया कि दवा नहीं खिलाया जाता है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों की विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
,ताजपुर आज दिनांक 09/02/2025 को प्रा० वि० कसाब टोला, रहीमाबाद उर्दू में प्रखंड अंतर्गत सेवानिवृत्त शिक्षकों के विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानाध्यापिका अस्मत आरा के द्वारा किया गया।विदित हो कि प्रखंड अंतर्गत पदस्थापित शिक्षक मो० अंसार (उ० उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामापुर महेशपुर, एवं सुल्तान मोहम्मद चांद (उ०उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेरोखड़ा बढ ई टोल दिनांक 31/01/2025 को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। समारोह की अध्यक्षता जनाब परवेज अख्तर महबूबी एवं संचालन जनाब अबु मोहम्मद फखरूद्दीन ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक संगठन के वरीय उपाध्यक्ष पंकज कुमार वर्मा ने दोनों शिक्षकों के कार्यकाल एवं कार्यकलापों का अनुसरण करने की बात कही एवं उनके सफल कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घजीवी होने की कामना किया। मौके पर उपस्थित प्रधानाध्यापक शमशुल होदा ने भी दोनों शिक्षकों को धरती का चांद बताया साथ ही उनके सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गान द्वारा सभी अतिथियों का दिल जीत लिया। मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अस्मत आरा द्वारा सभी सम्मानित अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं चादर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका ज्योति कुमारी, कुमारी किरण, कादिरा बानो, एवं रूकसाना खातुन एवं विद्यालय के सभी बच्चे मौजूद थे।

जिला नियोजनालय, समस्तीपुर के द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर
आज दिनांक-09.02.2025 को श्रम संसाधन विभाग, बिहार पटना के तत्वाधान में जिला नियोजनालय, समस्तीपुर के द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया।मेला का उ?द्घाटन मुख्य अतिथि श्री संदीप शेखर प्रियदर्शी उप विकास आयुक्त समस्तीपुर महोदय के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर के किया गया इस मौके पर श्री नियाजुद्दीन, जिला मतस्य पदाधिकारी समस्तीपुर, श्री सुमित कुमार सिंह जिला नियोजन पदाधिकारी, समस्तीपुर, श्री मनोज कुमार जैल, कारखाना निरीक्षक, समस्तीपुर, श्री राजीव कुमार एवं राकेश कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि का स्वागत जिला नियोजन पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा पौधा दे कर किया गया। इसके बाद कुशल युवा के छात्राओं के द्वारा अतिथियों का स्वागत गान से स्वागत किया गया। साथ ही कुशल युवा केन्द्र के मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया एवं कुशल युवा केन्द्रों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। नियोजन मेला में कुल 28 नियोजकों ने भाग लिया। मेला में लगभग 2000 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 1588 अभ्यर्थियों का बायोडाटा प्राप्त कर कुल-423 अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु औपबंधित रूप से डल्ल रस्त्रङ्क३ चयन किया गया एवं अन्य नियोजकों का चयन प्रक्रियाधीन है। मेला में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा अभ्यर्थियों को नियोजन एवं कौशल विकास हेतु मार्गदर्शन दिया गया। मेला में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये थे। जिसके माध्यम से उक्त विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके में सरोज कुमार दास, उ०व० लिपिक, बसंत कुमार, नि०व० लिपिक, चन्द्राकन्त मंडल, जिला कौशल प्रबंधक, संतोष कुमार तथा विनोद कुमार सिंह, मनीष कुमार गुप्ता जिला कौशल विशेषज्ञ, क्लस्टर मैनेजर क्षमा कुमारी तथा रंजीत कुमार एवं कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

जन सुराज जिला पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद
सुभाष चौक बेगूसराय 09/02/2025 जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के निर्देश पर आज जन सुराज जिला मुख्यालय में जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।इस बैठक की अध्यक्षता जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ रजनीश कुमार सिंह ने की ,बैठक में पार्टी के जिला प्रभारी भुल्लू दास जी भी उपस्थित थे।इस बैठक में जन सुराज की सोच को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए चर्चा की गई।बैठक में जन सुराज के जिला अध्यक्ष डॉ रजनीश कुमार सिंह ने कहा, "हमारा उद्देश्य जन सुराज की सोच को हर गांव और हर घर तक पहुंचाना है। विगत 5 जनवरी को पटना के बिहार के सत्याग्रह आश्रम की बैठक में जन सुराज के सूत्रधार आदरणीय प्रशांत किशोर जी ने जिला पदाधिकारियों की बैठक में यह तय

किया कि आगामी 27 फरवरी तक जिला से लेकर पंचायत समिति तक का गठन कर लिया जाएगा।आज की बैठक का उद्देश्य यही है हम युद्ध स्तर पर इस काम में जुट जाएं।हमारे कुछ संगठन जिला पदाधिकारी इस काम में जुटे हुए हैं और हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।आज जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ रजनीश कुमार सिंह,संगठन जिला प्रभारी बुल्लू दास ,जन सुराज निर्वाचन समिति के सदस्य आर एन सिंह,कोर कमिटी सदस्य पूर्व डी एस पी राम चंद्र राम की उपस्थिति में कई लोगों ने जन सुराज की सदस्यता ग्रहण की।इसमें प्रमुख रूप से सिंदुरिया समाज के शशिभूषण दास,रघुनाथ दास,राजा दास, डॉ प्रकाश चंद्र,रौशन दास,संतोष कुमार,सरिता देवी प्रमुख रूप से शामिल रही।इसके साथ ही लाखो पंचायत से गुड़िया देवी,मधु कुमारी,गुंजन देवी,किरण देवी,कुल कुल देवी,सुनीता देवी,भारती कुमारी मुख्य रूप से शामिल रही।बैठक में जन सुराज के पदाधिकारियों ने भाग लिया जो निम्न लिखित हैं प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ रंजन कुमार चौधरी,जिला अभियान समिति संयोजक त्रिभुवन कुमार राय,उपाध्यक्ष अजय कुमार, डॉ आनंद कुमार,नगर अध्यक्ष रवि पोद्दार गांधी,महिला नगर अध्यक्ष रीता सिंह,बखरी संगठन जिला युवा अध्यक्ष संजीत कुमार महतो,सदर संगठन जिला महिला अध्यक्ष रूपम कुमारी,तेघड़ा संगठन जिला महासचिव मजहर अली जिला युवा अध्यक्ष राजीव कुमार पासवान,सदर प्रखंड युवा अध्यक्ष अगम कुमार, बेगूसराय संगठन जिला अभियान समिति संयोजक अम्बरीष कुमार,उपाध्यक्ष रंजीत कुमार,रिजवान उस्मानी,तेघड़ा संगठन जिला अभियान समिति संयोजक हीरालाल महतो,राज्य समिति सदस्य राम चंद्र राम,तेघड़ा प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंह,और जन सुराज की सोच को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार साझा किए।

खेत में दफनाई मिली डेढ़ साल की बच्ची की लाश, कुत्ते और सियार ने दफनाए लाश को निकाला, घर से मां गायब

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर
समस्तीपुर/विभूतिपुर :- विभूतिपुर थाना क्षेत्र के भुसवर वार्ड संख्या-4 में शनिवार शाम मक्का और आलू के खेत से डेढ़ साल की बच्ची की क्षत विक्षत लाश पुलिस ने बरामद की। मृत बच्ची के दोनों हाथ शरीर से अलग थे।इससे लोग उसकी हत्या होने की आशंका जता रहे हैं। मृत बच्ची विभूतिपुर पूरब पंचायत के वार्ड-8 की एक विधवा की बेटी बताई गयी है। बच्ची की मौत के बाद उसकी मां भी घर से गायब है।
लाश मिलने के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा है कि बच्ची की हत्या की गई है। इसके बाद लाश को दफनाया गया है।कुछ लोगों ने नाम न बताने की रिक्वेस्ट पर ये भी कहा कि बच्ची की तबीयत खराब थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। इसके बाद बच्ची की मां ने बेटी की लाश

को खेत में ही दफना दिया और लोक-लाज की वजह से फरार हो गई।जानकारी के मुताबिक, आशंका जताई जा रही है कि जब महिला ने बच्ची की लाश को दफनाया होगा, तो इलाके में घूमने वाले आवारा कुत्तों या फिर सियार ने बच्ची की लाश को जमीन से निकाल लिया होगा और खिंचकर खेत में ले गए होंगे। इसके बाद गांव के लोगों ने जब लाश को देखा तो पुलिस को जानकारी दी।विभूतिपुर के थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि मृतका की पहचान विभूतिपुर पूरब वार्ड-8 खैराज टोला के स्व. सागर पंडित की विधवा बेटी के रूप में की गई है। फिलहाल, बच्ची के मां की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दो पहलू हैं। एक बात सामने ये आ रही है कि बच्ची बीमार थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई और फिर बच्ची की मां ने उसे दफना दिया। रात को आवारा कुत्ते या फिर सियार बच्ची की लाश को खोदकर निकाल लिया और खेत तक ले आए। इसी दौरान किसी ने देखा तो पुलिस को सूचना दी।थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उठाने के बाद बच्ची के दोनों हाथ कंधा से कटा हुआ देखा गया। इससे जुटी भीड़ ने बच्ची को हत्या कर शव को फेंकने का कयास लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि घटना का दूसरा पहलू ये कि बच्ची की लाश मिलने के बाद से उसकी मां अचानक गायब हो गई है, जो संदेह पैदा कर रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि बच्ची की हत्या कर शव को दफनाया गया है। फिलहाल, दोनों पहलूओं पर जांच पड़ताल की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

होली मेरी इंटरनेशनल ने मनाया वार्षिकोत्सव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
सीतामढ़ी ।होली मेरी इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में स्कूल का वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ रेणु ठाकुर एवं ब्रजमोहन मंडल के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। स्कूल के चेयरमैन डॉ शिव किशोर रॉय और प्रेसीडेंट डॉ सीता रॉय ने अतिथि को बुके भेंट कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत ह्यगणेश वंदनाह्ण से हुई। वहीं छोटे-छोटे छात्रों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रचंड, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ मिथिला संस्कृति पर आधारित लोकनृत्य की प्रस्तुतियां पेश की गई। प्रस्तुति पेश कर बच्चों ने अभिभावक मंत्र मुग्ध किया। प्रधानाचार्य ने स्कूल के सभी शिक्षकों, शिक्षिकाओं और छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम में छात्रों की प्रस्तुति ने यह साबित कर दिया है कि स्कूल के छात्र शिक्षा के क्षेत्र के साथ साथ कला और संस्कृति में भी निपुण है।

बेजू वस्त्रालय व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान में दुकान का शटर तोड़कर जमकर चोरों ने हाथ साफ किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
(दरभंगा):- केवटी थाना क्षेत्र के पैगम्बरपुर में 2 सप्ताह पूर्व हुए भीषण डकैती कांड का उद्भेदन भी नहीं हुआ कि थाना क्षेत्र के बाढ़ पोखर स्थित बैजू वस्त्रालय व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान में दुकान का शटर तोड़कर पुलिस गश्ती दल को धत्ता देकर जमकर चोरों ने हाथ साफ किया। घटना को चार चोरों ने अंजाम दिया,इस चोरी में लाखों की सामग्री और नगदी चोरी हुई है। घटना के संदर्भ में स्थानीय दुकानदार और प्रभावित दुकान मालिक से मिली जानकारी के अनुसार केवटी थाना क्षेत्र के परसा निवासी बैजू साह पिछले 20 वर्ष से बाढ़ पोखर-हाजीपुर पथ के किनारे बाढ़ पोखर- गठठुली के पास दुकान चलाते हैं। बीती रात बैजू अन्य दिनों की भांति दुकान बंद कर अपने घर परसा लौट गए।रात 12 बजे के बाद चार चोरों ने दुकान के शटर के किनारे को रोड से उखाड़ कर दुकान प्रवेश किया और दुकान में रखे महंगे रेडीमेड वस्त्र,आर्टिफिशियल ज्वेलरी, नगदी, दुकान का,घर का महत्वपूर्ण कागजात,बच्चों का सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि

चुरा ले गए।
घटनास्थल पर मौजूद दुकान मालिक ने बताया कि दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरा रात में ऑन था। घटना में चार चोर साफ दिख रहा है।घटना की सूचना सुबह करीब 7 बजे दुकान के बगल का एक पान दुकानदार ने दिया।तब भागे- भागे आए। केवटी पुलिस को सूचना दिया।थानाध्यक्ष राहुल कुमार दलबल के संग पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। भीषण चोरी की जानकारी पर थानाध्यक्ष ने स्वान दस्ता और एफएसएल टीम को बुलाकर जांच करवाया।टीम ने जांच हेतु फिंगरप्रिंट वगैरह लिया। लेकिन स्वान दस्ता किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी।दुकान मालिक बैजू ने बताया कि कागजातों के अलावा ढाई लाख रुपए के कपड़े,50 हजार के आर्टिफिशियल ज्वेलरी और 80 हजार नगद चोर ले गए।उन्होंने बताया कि पैसा 65 लाख रुपए बैंक से कर्ज लेकर जीविका के लिए दुकान शुरू किए थे।चोरों ने दुर्दशा कर दिया। बैजू ने पुलिस प्रशासन से बाढ़ पोखर-गठठुली के बीच पुलिस की प्रतिनिधि की प्रतिनियुक्ति मांग किया।
थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर सभी स्तर से जांच पड़ताल चल रहा है।चोरी का सही से आकलन और आवेदन प्राप्त होने के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

बछवाड़ा प्रखंड अंतर्गत आर्मी हेल्थ क्लब के प्रांगण में प्रखंड राष्ट्रीय जनता दल का एक एकदिवसीय बैठक सदस्यता अभियान को लेकर

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ
बछवाड़ा प्रखंड राजद अध्यक्ष सुनील यादव के अध्यक्षता में बैठक के मुख्य अतिथि राजद जिला अध्यक्ष धरतीपुत्र मोहित यादव के उपस्थिति में संपन्न हुआ।बैठक मे सभी पंचायत प्रखंड कार्यकारिणी एवं जिला पार्टी के पदाधिकारी, पार्टी के शुभचिंतकों ने भाग लिए, सभी उपस्थित साथियों ने राज्य पार्टी के निर्देश के आलोक में सभी बूथों पर सदस्यता अभियान पर गति देने पर बल दिए, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद जिला अध्यक्ष धरतीपुत्र मोहित यादव ने कहा कार्यकताओं के बल पर दल का संगठन मजबूत और धारदार होता है।पार्टी का रीड है कार्यकर्ता। पूरे देश में जितने पार्टी है हम राजद परिवार सौभाग्यशाली हैं हमारा नेतृत्व करता युवा है और हमारा नेता जो वादा करता है उसे निभाता भी है हमारा नेता का वादा है 2025 में बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की सरकार बनेगी तो सभी माताओं बहनों को माई वहिन मान योजना के तहद प्रतिमाह ?2500 मिलेगा 200 यूनिट बिजली फ्री राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर ?1500 प्रतिमा दिया जाएगा खाद्यान्न योजना के तहत मिलने वाले 5 किलो राशन को बढ़कर 10 किलो दिया जाएगा ?500 में गैस सिलेंडर दिया जाएगा बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाएगा कार्यक्रम को संबोधित करने वाले में जिला प्रवक्ता श्याम प्रसाद दास,राज्य परिषद सदस्य मोहम्मद जाहिद अफसर,पिछड़ा

सिवान सदर अस्पताल में कुपोषित बच्चों के लिए पुनर्वास केंद्र बना माल गोदाम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ
सिवान 2 फरवरी रविवार। सिवान सदर अस्पताल में कुपोषित बच्चों के देखभाल के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र बनाया गया है, जिसमें पिछले छह महीने के अंदर एक भी बच्चा भर्ती नहीं हुआ है। पोषण पुनर्वास केंद्र की स्थिति यह है की इसमें कुपोषित बच्चों के भर्ती के इलावा इसमें माल गोदाम बना दिया गया जिसमें दवा के कार्टून और समानों के बोरा रखा गया है।

दोस्ताना क्रिकेट मैच में जन प्रतिनिधि एलेवन ने प्रशासन एलेवन को 38 रनों से पराजित किया

दोस्ताना क्रिकेट मैच में जन प्रतिनिधि एलेवन ने प्रशासन एलेवन को 38 रनों से पराजित किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद
समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित नर्सरी मैदान में चल रहे वारिसनगर प्रीमियम लीग टूनार्मेंट में रविवार को आयोजित दोस्ताना मैच में जनप्रतिनिधि एलेवन ने प्रशासन एलेवन को 38 रनो से पराजित कर कप पर कब्जा जमाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जनप्रतिनिधि इलेवन ने सोनू सिंह के 28 गेंद पर 2 छक्का व 7 चौका की मदद से बनाए गये 45 रन तथा प्रखंड प्रमुख राजू कुमार के 19 गेंद पर 2 छक्का व 7 चौका की मदद से बनाए गये 44 रन की मदद से निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट खोकर 175 रन बनाया। प्रशासन एलेवन की तरफ से थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार ने 3 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिया। जवाब मे खेलने उतरी प्रशासन एलेवन की टीम ने रविकांत रवि के 19 गेंद पर 2 छक्का व 8 चौका की मदद से बनाए गये 46 रन तथा अफरोज आलम के 12 गेंद पर 4 चौका की मदद से बनाए गये 20 रन की मदद के बावजूद 13.4 ओवर में 137 रनो पर ही सिमट गयी।

जनप्रतिनिधि एलेवन की तरफ से सोनू सिंह ने 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिया। मैच में हरफनमौला प्रदर्शन के लिए सोनू सिंह को मैन ऑफ द मैच, निरंजन कुमार को बेस्ट बॉलर तथा रविकांत कुमार रवि को बेस्ट बैट्स मैन का पुरस्कार दिया गया। मैच में प्रशासन एलेवन की ओर से बीडीओ अजमल परवेज, सीओ धर्मेंद्र पंडित, बीपीआरओ ऋषिकेश कुमार, अमित कुमार, निरज कुमार, उत्तम कुमार, धनंजय कुमार, डॉ अबु तुराम तथा जनप्रतिनिधि एलेवन की तरफ से मुखिया मनीष कुमार सिंह व पवन कुमार राय, पंचायत समिति सदस्य सम्स तबरेज, वसीम अकरम अंसारी, अमरेन्द्र कुमार, विश्वजीत कुमार, पैक्स अध्यक्ष अंकुर झा, अंकित सिंह, मो मुन्ना खिलाड़ी के रूप में मैदान पर रहे। पुरस्कार वितरण कुसैया पैक्स अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर, पूर्व सरपंच नागेश्वर राय, कर्मवीर कुमार राय, प्रभात कुमार के हाथो किया गया। मैच में स्कोरर की भूमिका रामाधीन कुमार, कमेंटेटर की भूमिका दीपक मिश्रा व राकेश मालाकार ने निभाया। टूनार्मेंट के सफल संचालन के लिए प्रमोद कुमार, ओमकांत, शिशु, मनीष चंद्रा, पिंटू, नीरज तथा दीपू झा जुटे रहे।

भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव ने 09 फरवरी,2025 को गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन परमहाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर तथा अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथगोरखपुर जं. स्टेशन के पुनर्विकास तथा पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की।

शकील हैदर, वरिष्ठ संवाददाता, छपरा

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने स्टेशन पर किये जा रहे पुनर्विकास के कार्यो तथा पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य विकास परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी रेल मंत्री को दिया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, प्रमुख मुख्य परिचालन

प्रबंधक श्री अनुप कुमार सतपथी, मंडल रेल प्रबंधक/लखनऊ श्री आदित्य कुमार सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने गोरखपुर जं. स्टेशन के वॉक थ्रू वीडियो, मास्टर प्लान तथा स्टेशन के 3डी मॉडल का गहनता से अवलोकन किया तथा स्टेशन पर किये जा रहे कार्यो के संबंध में उचित दिशा निर्देश दिया। मीडिया से वार्ता करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि स्टेशन की डिजाइन को गोरखपुर की संस्कृति एवं विरासत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गोरखपुर जं. स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य काफी अच्छा चल रहा है, और काम में तेजी आयी है। इसके पश्चात उन्होंने गोरखपुर से बेतिया तक विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण परियोजना की समीक्षा की तथा इसमें तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होनें पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रहे सभी कार्यों जैसे कि दोहरीकरण, तीसरी लाइन, नई लाइन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होनें ट्रेन संचालन को और सुगम्य बनाने के लिए बॉटल नेक्स (अवरोधों) को चिन्हित कर सामाप्त करने के निर्देश दिये। श्री वैष्णव ने अधिकारियों से बात करते हुए कहा कि ट्रैक एवं रोलिंग स्टॉक्स (कोच, लोकामकोटिव इत्यादि) के मेंटेनेन्स के लिए और बेहतर सिस्टम बनाया जाए तथा आधुनिक तरीके से इसकी मॉनिटरिंग की जाए, वर्क फोर्स को स्किल्ड बनाने पर फोकस किया जाये।

विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर, महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेलवे श्री छत्रसाल सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री अनुप कुमार सतपथी, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेसुब श्री तारिक अहमद, मंडल रेल प्रबंधक/समस्तीपुर श्री विनय श्रीवास्तव, मुख्य इंजीनियर/निर्माण (उत्तर) श्री अखिलेश त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आर. के. सिंह सहित मुख्यालय एवं वाराणसी मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादक/ब्यूरो प्रमुख, गोरखपुर।

फोटो परिचय - फोटो नम्बर - 01 एवं 02-गोरखपुर जं. स्टेशन के वॉक थ्रू वीडियो का अवलोकन करते हुए माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव।

संक्षिप्त डायरी

स्वास्थ्य और कृषि मंत्री से हुआ संवाद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगुसराय) ' बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडे के संवाद कार्यक्रम में नावकोठी पंचायत के मुखिया राष्ट्रपति कुमार शामिल हुए.मुखिया श्री कुमार ने संवाद कार्यक्रम में पंचायत और क्षेत्र की समस्या से मंत्री को अवगत कराया.उन्होंने आम किसान के फसल कोघोड़परास(नीलगाय)से होने वाले क्षति से अवगत कराया.घोड़ परास के मारे जाने की अनुमति को सुगम बनाने को कहा.मंत्री ने जंगली जानवर के उत्पात पर आश्वाशन दिया कि बिहार सरकार इस पर ध्यान दे रही है.जल्द प्रक्रिया सुगम बनायी जायेगी.मंत्री ने फिर जल्द बेगुसराय के सभी मुखिया से एक घंटे की वीडियो मीटिंग रखने की बात कही.और विस्तार से विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करने का आश्वाशन दिया.मुखिया श्री कुमार ने स्वास्थ्य मंत्री से अपने पंचायत में आरोग्य मंदिर (हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर) बनाने की मांग की.अगामी वर्चुअल बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नावकोठी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रोन्नत करने की मांग रखने का फैसला किया है.

दरवाजा तोड़ कर लाखों की चोरी अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 9 फरवरी रविवार। महाराजगंज थाना क्षेत्र के पिपरा कला गांव में दो फरवरी की रात में घर का मुख्य दरवाजा का ताला तोड़ कर चोरों ने लाखों की चोरी कर ली।जिसमें गृह स्वामी ने महाराजगंज थाने में आवेदन देकर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। बता दे की पिपरा कला गांव निवासी राजगीर पंडित के पुत्र राजू कुमार ने अपने दिए आवेदन में लिखा है की मैं सपरिवार बाहर रहता हु ।मेरे पड़ोसी तौफीक अंसारी ने मुझे फोन कर यह जानकारी दी की आपके घर का मुख्य दरवाजा तोड़ कर आपके घर मे चोरी कर ली है।इस सूचना पर मैं घर पहुंच कर देखा की मेरे घर मे मुख्य दरवाजा तोड़ कर चोरी की गई है घर में रखे आभूषण, टीवी, इनवर्टर, स्टेपलाइजर, नगद रुपया इत्यादि सहित लगभग आठ लाख रुपए का संपति का चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा की गई है। इस संबंध में थाना प्रभारी श्री उपेन्द्र कुमार सिंह ने अज्ञात के विरुद्ध महाराजगंज थाना कांड संख्या 50/25 दर्ज कर जांच शुरू कर दिया जिसे पहचान कर चोरी की घटना का उद्भेदन किया जाएगा।

बाबुबरही थानान्तर्गत कोर्ट से निर्गत 01 फरार अभियुक्त के विरूद्ध कुर्की जप्ती की कार्रवाई की गई

संवाददाता
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बाबुबरही थानान्तर्गत कोर्ट से निर्गत 01 फरार अभियुक्त के विरूद्ध कुर्की जप्ती की कार्रवाई की गई।

इस अवसर पर बाबूबरही थाना के आर के सिंह अन्य पुलिस बाल एवं पुलिस के जवान उपस्थित थे

सत्यम हत्याकांड का हुआ खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

जमुई। पुलिस ने खैरा थाना क्षेत्र के सागदाहा गांव में हुई सत्यम(14) की हत्या के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो देसी कट्टा बरामद किए हैं। एसपी मदन कुमार आनंद ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 7 फरवरी को सरस्वती प्रतिमा विसर्जन के दौरान सगदाहा निवासी परमानंद सिंह के बेटे सत्यम उर्फ छोटू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला कि हत्या से कुछ दिन पहले राजन कुमार उर्फ बबुआ और मृतक के पिता परमानंद सिंह के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में राजन कुमार उर्फ बबुआ, रोशन कुमार और बलराम सिंह उर्फ सोल्जर ने सरस्वती विसर्जन के दौरान मौके का फायदा उठाकर सत्यम को गोली मार दी और अपाची बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक रतनपुर गांव से बरामद की गई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश में हत्या करना स्वीकार किया है।

त्रिमूर्ति डेयरी ने चंदन एलेवन खजपुरा को 8 रनों से पराजित कर बनी रामलखन महतो मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 4 का विजेता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के स्थानीय बाजार समिति मैदान में चल रहे स्व राम लखन महतो क्रिकेट कप टूर्नामेंट सीजन 4 का फाइनल मैच चंदन एलेवन खजपुरा एवं त्रिमूर्ति डेयरी सकरा के बीच खेला गया। इस मैच का शुभारंभ बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव प्रशांत कुमार पंकज, जिला पार्षद सुनीता शर्मा, सब्जी मंडी अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण महतो, किसान संघ अध्यक्ष विजय यादव पहलवानजी, भाजपा उत्तरी मंडल जिलाध्यक्ष शशिकांत झा, भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, सतवंत चौधरी आदि अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर हुए उनका प्रोत्साहन करते हुए किया गया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल टूर्नामेंट होने से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ता है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। जिन्हें खेल का बड़ा प्लेटफॉर्म मिल रहा है। राज्य सरकार भी राज्य के खिलाड़ियों के हित में काम कर रही है। वहीं मुख्य अतिथि व टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक प्रशांत कुमार पंकज ने कहा कि इस टूर्नामेंट को आगे भी जारी रखा जाएगा, जिसमें राज्य की बड़ी टीम भी शामिल होगी। साथ ही पुरस्कारों का दायरा भी बढ़ाया जाएगा। इस फाइनल मैच में टॉस त्रिमूर्ति डेयरी ने जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर की समाप्ति पर 9 विकेट खोकर 239 रनों का लक्ष्य दिया। इस टीम के रवि ने सर्वाधिक 66 रन, सुप्रीम ने 43 एवं तनवीर ने 33 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में आशीष ने 3, अंकित व नवनीत ने 2-2 और हैप्पी व छोटू को 1-1 विकेट की कामयाबी मिली। जवाब में उतरे खजपुरा की टीम 20 ओवर की समाप्ति पर अपना अंतिम विकेट खोकर 230 रनों तक ही पहुँच सकी। इस प्रकार 8 विकेट से इस मैच को जीत कर त्रिमूर्ति डेयरी ने टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। इस मैच के बेस्ट प्लेयर सुप्रीम को घोषित किया गया। जिन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। वहीं मैन ऑफ द टूर्नामेंट हैप्पी यादव को घोषित किया गया। इन्हें अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं रेफ्रिजरेटर प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। वहीं विजेता टीम को चैंपियन ट्रॉफी के साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक, उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 41 हजार रुपये नकद प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। मैच के दौरान अंपायर के रूप में मो नफीस हैदर एवं पंकज कुमार थे। स्कोरिंग का कार्य रूपक ऋषभ ने किया, जबकि गुरुदेव कुमार पटेल, शशि सिंह, मनीष कुमार की कॉमेंट्री ने खेल की रोचकता एवं रोमांच को मनोरंजक रूप से बनाये रखा। मौके पर आयोजन कमिटी के विनय कुमार, मो चाँद, नवनीत कुमार, सुभाष कुमार, नीतीश कुमार, मनोज सिंह, रॉकी, बंटी के अलावे इमरान शकील, उत्सव जायसवाल, डॉ धर्मेंद्र कुमार, राजीव चौधरी, सुजीत भास्कर, प्रिंस सिंह, दयालु पटेल, प्रदीप कुमार समेत संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे।

मैन ऑफ द टूर्नामेंट हैप्पी यादव को घोषित किया गया। इन्हें अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं रेफ्रिजरेटर प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। वहीं विजेता टीम को चैंपियन ट्रॉफी के साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक, उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 41 हजार रुपये नकद प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

कुंभ स्नान से पहले परिवार हुआ हादसे का शिकार

पति-पत्नी और बहन की दर्दनाक मौत, कई गंभीर

गया। महाकुंभ जाने के दौरान फिर सड़क हादसा हुआ है, जिसमें बिहार के गया जिले के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी जख्मी लोगों का इलाज पास के अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि गया से प्रयागराज जाते समय उत्तर प्रदेश के भदोही के निकट उनकी गाड़ी पंचर हो गई। वाहन में सवार लोगों में पंचर बनवाने के लिए एक दुकान पर खड़े थे। ठीक उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने वाहन के पास खड़े लोगों को रौंद डाला।

उक्त वारदात में परिवार के तीन सदस्य जिसमें आशा पांडे (43), दिलीप कुमार पांडे (38) और अंजली पांडे की मौत मौके पर हो गई। वहीं, साथ रहे नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना में एक युवती की हालत गंभीर है। सभी घायलों को वाराणसी के बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना के बाद भी गया जिले के भाजपा समर्थित लोगों ने दिल्ली की जीत पर किसी प्रकार की खुशी का इजहार नहीं किया। जश्न की तैयारी को रद्द कर घटना की जानकारी लेने से जुट गए। घटना के संबंध में लोगों का कहना है कि शनिवार को गया जिले के शेरघाटी क्षेत्र अंतर्गत मिश्रा टोली मोहल्ला निवासी सुजीत पांडे का पूरा परिवार प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के लिए शुक्रवार को रवाना हुए थे। लगभग 12 सदस्य तीन वाहनों पर सवार होकर गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र से रवाना हुए थे।

रास्ते में उन लोगों को घंटों जाम का सामना करना पड़ा। वहीं शनिवार सुबह जब वे लोग यूपी के भदोही के औराई के पास पहुंचे, तो उनके एक गाड़ी का टायर पंचर हो गया। उसके बाद सभी वाहन पर सवार लोगों ने सड़क किनारे एक दुकान पर पंचर बनवाने लगे। इस दौरान सभी दूकान के पास खड़े थे। उसी समय अचानक तेज रफ्तार ट्रक विपरीत दिशा से आया और सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए खड़ी वाहन में टकरा गया। उक्त घटना में सुजीत पांडे के भाई दिलीप पांडे और उनकी भाभी आशा पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दिलीप की बहन अंजली इलाज के क्रम में अस्पताल में ही दम तोड़ दी। घटना में शामिल दिलीप पांडे की पत्नी की मौत कोरोना के दौरान हो गई थी। उनका 17 वर्षीय बेटा भी इस हादसे में जख्मी हो गया। आशा पांडे की बेटी की भी हालत गंभीर है। उक्त वारदात की जानकारी मिलते ही गया जिले में मातम छा गया। समाजसेवी विनय कुमार ने बताया कि यह हादसा परिवार के लिए दोहरी त्रासदी लेकर आया है। वारदात की सूचना मिलने के बाद गया जिले के साथ साथ शेरघाटी से अन्य परिजन वाराणसी में स्थित बीएचयू के लिए रवाना हो गए। फिलहाल पुलिस ट्रक को जब्त कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है। वहीं उनका पूरा परिवार अस्पताल में है।

पिस्टल साफ करने के दौरान चली गोली: पेट में लगी बुलेट

गोपालगंज। सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा गांव में शनिवार की रात पिस्टल की सफाई करने के अचानक गोली चल गया। जिससे उस व्यक्ति के पेट में गोली लग गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। जख्मी की पहचान सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहीमा निवासी शारदा तिवारी के बेटे सत्यपाल तिवारी के रूप में हुई है। बताया गया कि जख्मी सत्यपाल तिवारी एक पिस्टल खरीद कर शुक्रवार को घर लेकर आया था इसी बीच वह शनिवार की रात पिस्टल की सफाई कर चेक कर रहा था, जिसके बाद टाइगर अचानक दब गई और पिस्टल से फायर हो गया। फायर होने के बाद सत्यपाल के पेट में गोली लगा गई। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। गोली की आवाज सुन का घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और तत्काल उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए तत्काल गोरखपुर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। वही पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बिहार को राष्ट्रीय खेलों में मिला स्वर्ण पदक, लॉन बॉल में पश्चिम बंगाल को 15-14 से हराया

नालंदा। उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों के 12वें दिन बिहार के लिए एक नया सवेरा लेकर आया। राज्य के विभाजन के बाद से पहली बार, बिहार की बेटियों ने लॉन बॉल की महिला ट्रिपल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खुशबू कुमारी, निखत खातून और पायल प्रीति की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में पश्चिम बंगाल को 15-14 से पराजित कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान एक समय बिहार की टीम 1-11 से पिछड़ रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने साहस का परिचय देते हुए न केवल स्कोर को 11-11 की बराबरी पर लाया, बल्कि अंतिम क्षणों में विजय भी हासिल की। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण ने कहा कि यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं है, बल्कि बिहार की बेटियों के संकल्प और क्षमता का प्रमाण है, इस ऐतिहासिक क्षण में बिहार ओलंपिक एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्यों में डॉ. संजय सिन्हा, डॉ. अरुण ओझा और डॉ. पंकज ज्योति भी मौजूद थे। पुरुष वर्ग में भी बिहार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लॉन बॉल की एकल पुरुष स्पर्धा में चंदन कुमार ने रजत पदक जीता, हालांकि फाइनल में उन्हें झारखंड के सुनील से हार का सामना करना पड़ा।

माही के क्रिकेट कोच ने भारत-पाक चैंपियंस ट्रॉफी पर कही बड़ी बात

सारण। देश का एक ऐसा खिलाड़ी जो क्रिकेट के दुनियां में बेताज बादशाह होने के साथ ही बैडमिंटन, फुटबॉल, बिलियड्र्स, टेबल टेनिस के बाद अब लॉन टेनिस खेल रहा है। दुनिया में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं होगा जो एक साथ इतने खेल को खेल सकता है। क्योंकि खिलाड़ियों में खेल स्प्रिट होना चाहिए। उक्त बातें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी उर्फ.माही के कोच चंचल भट्टाचार्य उर्फ चंचल दा ने जिले की ऐतिहासिक धरती रिवीलगंज नगर पंचायत के गोदना गिरी टोला स्थित अरविंद गिरी के पुत्र अनिकेत गिरी के तिलकोत्सव में शामिल होने के दौरान कही। अपने एक दिवसीय निजी कार्यक्रम के दौरान छपरा पहुंचने के बाद प्रमंडलीय मुख्यालय सारण स्थित छपरा शहर के एक मात्र राजेंद्र स्टेडियम का भ्रमण किया। महेंद्र सिंह धोनी के प्रारंभिक दौर की चर्चा करते हुए कहा कि DAV स्कूल के अजय ओझा क्रिकेट टीम में कीपर हुआ करता था। लेकिन, किसी कारणवश मैच के दौरान वह नहीं आया। तो उसके स्कूल टीम के कोच बैनर्जी ने मुझे बताया तो मैंने बोला कि धोनी से विकेट कीपिंग करा लो। हालांकि धोनी उस समय उसी स्कूल में अपने फुटबॉल टीम का गोल कीपर था। तो उसको क्रिकेट टीम में विकेट कीपर के रूप शामिल कर लिया गया। इसके बाद उसका चयन हमेशा के लिए क्रिकेट टीम में हो गया। धोनी को एक सफल क्रिकेटर और अपने छात्र के रूप में आंकलन करते हुए कहा कि मैंने पहले भी बताया है कि 100 प्रतिशत अनुशासन के कारण ही वह आज इस मुकाम को हासिल किया है। उसके अंदर सीखने की ललक थी। सबसे खास बात यह भी है कि हर तरह की बात या कामों को ध्यान पूर्वक सुनने की आदत है। तभीं तो वह क्रिकेट की दुनियां में माही के रूप में कीर्तिमान स्थापित किया है। चंचल भट्टाचार्य ने कहा कि धोनी अगर माही बना है, इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। क्योंकि, इसमें उसकी कड़ी मेहनत, लगन और उसका ईमानदारी है। उसने जो भी किया पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ किया है। गुजरे दिनों की यादें को ताजा करते हुए कहा कि रांची में जब बारिश होती थी। तो टोटल ग्राउंड बंद रहता था। उस समय छपरा जैसे आधुनिक ग्राउंड भी नहीं था। तो वह उस समय रांची को छोड़ कर दिल्ली चला जाता था। क्योंकि उस दौरान दिल्ली में एक टूर्नामेंट होता है। इसका टेम्प्रेचर 42 डिग्री होता है। इसमें वह स्टेट खेलता था। लोग स्टेट खेलकर दो चार दिन आराम करते हैं, लेकिन वह थोड़ा सा भी आराम नहीं करता था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके अंदर डिसिप्लिन बहुत था। कोच द्वारा कही गई बातों को कभी भी टालता नहीं था। हालांकि पैसे की कमी होने के बावजूद भी दोस्तो से पैसा लेकर किसी तरह अपना काम

कर लेता था। शायद यही कारण है कि उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को 15 साल दिया है। वह भी वगैर किसी विवाद का रहा जो अपने आप मे अनुशासन का एक अनूठा प्रमाण है। वैसे तो हर किसी के जीवन में अंकों का खेल होता है, कुछ इसी तरह धोनी की ज़िंदगी में भी लक्की नंबर सात का होना बहुत कुछ कहता है। धोनी के जीवन में सात नंबर का बहुत महत्व है। क्योंकि धोनी का जन्म सात जुलाई को है। तो इसमें महीना और तारीख दोनों सात है। उसके बाद उसक भारतीय क्रिकेट अ टीम में सा जुलाई 2004 को ही चयन हुआ था। जिस कारण अपनी जर्सी क नंबर भी उसने सात ही रखा है चंचल भट्टाचार्य ने कि क्रिकेट वे परिपक्ष में भारतीय टीम को देख जाए तो ऋषभ पंत एक अच्छा औ प्रतिभावान खिलाड़ी है। यह बोलन बेमानी नहीं होगी कि जितना जल्द पंत ने अपने आप को वापसी किय है, शायद उतना जल्दी एक क्रिकेट ही वापसी कर सकता है। हाल वे दिनों के लिए निश्चित रूप से ऋषभ पंत स्टार क्रिकेटर है। हालांकि बहुत क्रिकेटर अभी आ रहे हैं, क्रिकेट के क्षेत्र में बहुत तरह की सुविधाएं बढ़ती जा रही है, तो निश्चित रूप से अच्छे-अच्छे क्रिकेटर आएंगे। धोनी पर आरोप लगता रहा है कि उन्होंने बिहार और झारखंड के खिलाड़ियों के लिए कुछ नहीं किया है, इस सवाल के जवाब में चंचल भट्टाचार्या ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। बड़ी बड़ी हस्तियों पर आरोप लगाना बहुत आसान होता है। कोई भी व्यक्ति किसी पर कभी भी आरोप देता है। जब भी समय मिलता है तो खेल के मैदान में वह नवोदित खिलाड़ियों को क्रिकेट का गुड बारीकियों के साथ सिखाता ही रहता है। हां लेकिन यह कह सकते हैं कि बिहार के लिए कुछ नहीं किया है। हालांकि उसने पहला मैच बिहार के रणजी टीम से वर्ष 1995 के आसपास में खेला था। जिसमें पूरे बिहार की टीम ने 365 रन बनाई थी और पंजाब की तरफ से अकेले युवराज सिंह ने 366 रन बनाकर मैच को जीता दिया था। हाल के दिनों में चैंपियन ट्रॉफी को लेकर हिंदुस्तान और पाकिस्तान में विवाद चल रहा है। जिस कारण भारतीय टीम पाकिस्तान में क्रिकेट मैच खेलने नहीं जा रही है। इस संबंध में उनका कहना है कि यह सब राजनीति है। ऐसा नहीं होना चाहिए। खेल और खिलाड़ियों के बीच खेल की भावना होनी चाहिए। लेकिन सरकार का निर्णय है तो उसको भी मानना चहिए। खिलाड़ी के रूप में वहां जाकर खेलने में कोई दिक्कत नहीं होना चहिए। किसी का वर्तमान खराब है तो कल फिर अच्छा होगा। लेकिन अनुभव तो टीम में रहना ही चाहिए। आप लोग बोलते है कि आज नही चला। ठीक है उसका खराब दिन चल रहा है, सबका दिन एक जैसा नहीं रहता है। समय का क्या वह तो आते जाते रहता है। शायद कुछ ऐसा ही विराट कोहली और रोहित शर्मा का दिन चल रहा है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। इन दोनों का एक बार फिर शानदार तरीके से वापसी होगी। क्योंकि रात के बाद सुबह होती है। धोनी के बारे में ही चर्चा किया जाए तो जब वह पहली बार टीम में आया था। तो उस समय किरण मोरे साहब मुख्य चयनकर्ता थे। उनके द्वारा धोनी को बैठाने की बात चल रही थी। तब हमारे अमिताभ चौधरी ने उनसे आग्रह किया था कि एक मौका उनको देकर देखना चाहिए। उसी एक मौके ने धोनी का शिखर की बुलंदियों तक पहुंचा दिया है। क्योंकि किसी भी इंसान या खिलाड़ी को एक मौका जरूर मिलना चाहिए। ताकि वह अपनी काबिलियत दिखा सके। जिस कारण उन्हें अपने जगह पर नए नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए। हालांकि धोनी ने अपने कप्तानी में नए-नए खिलाड़ियों को मौका देने का प्रचलन शुरू किया था। क्योंकि नवोदित खिलाड़ी 10 मैच वरीय खिलाड़ियों के साथ खेलता है तो उनका मनोबल बढ़ जाता है।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

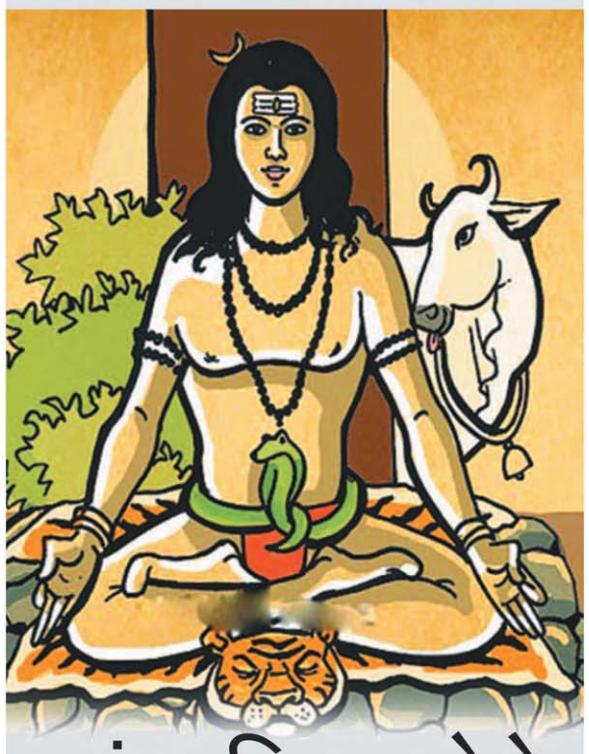

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो। साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्त् म मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सु ा ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटि क मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त णि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि ते मणि को धारण करने से क्या होता है। हालां क यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भ कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा ाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए त, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिक ना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखा देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्र त अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्र त अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वा , पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप ज न सकते हैं कि आपने जो सपने देखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

एफपीआई ने फरवरी के पहले सप्ताह में बाजार से 7,342 करोड़ निकाले

- दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू महीने के पहले सप्ताह में स्थानीय शेयर बाजारों से 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर बाजार की धारणा वैश्विक वृहद आर्थिक घटनाक्रमों, घरेलू नीतिगत उपायों और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से तय होगी। आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने सात फरवरी तक भारतीय शेयरों से 7,342 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई की निकासी का एक प्रमुख कारण वैश्विक व्यापार तनाव था, क्योंकि अमेरिका ने कनाडा, मेक्सिको और चीन जैसे देशों पर शुल्क लगाया है, जिससे व्यापार युद्ध की संभावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस अनिश्चितता की वजह से वैश्विक निवेशकों ने जोखिम न उठाने का विकल्प चुना है। इसके चलते वे भारत जैसे उभरते बाजारों से निकासी कर रहे हैं। भारतीय रुपया भी कमजोर होकर पहली बार 87 प्रति डॉलर से नीचे आ गया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का प्रतिफल घटता है और उनके लिए भारतीय संपत्तियां कम आकर्षक रह जाती हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध लिवाल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड में साधारण सीमा के तहत 1,215 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 277 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उल्लेखनीय है कि एफपीआई ने 2024 में भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध निवेश किया था।

इसकी तुलना में, 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच एफपीआई ने 1.21 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी।

विदेशों में आयातित खाद्य तेल महंगे होने से देश के तेल-तिलहन बाजार में सुधार के संकेत

- रुपया कमजोर होने तथा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेलों में सुधार को बल मिला

नई दिल्ली ।

विदेशों में आयातित खाद्य तेलों के भाव में बढ़ोतरी होने तथा आने वाले त्योहारों की वजह से आवक कम होने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम सुधार के साथ बंद हुए। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने तथा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेलों में सुधार को बल मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि इन सबके अलावा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेल कीमतों में मजबूती रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 6,100-6,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,265-2,365 रुपये और 2,265-2,390 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 500 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में अकेले मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,275-5,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। लेकिन इसके विपरीत, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 20 रुपये के सुधार के साथ 14,050 रुपये और 2,135-2,435 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 650 रुपये सुधरकर 12,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 650 रुपये मजबूत होकर 14,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 650 रुपये बढ़कर 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत में सेमीकंडक्टर मार्केट तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद

- अमेरिका और चीन को मिलेगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

भारत में सेमीकंडक्टर सेक्टर तेजी से उभर रहा है और अगले पांच सालों में इस बाजार की तस्वीर बदलने की संभावना है। इस मार्केट का विस्तार होने से भारत ने अमेरिका और चीन को टक्कर देने की तैयारी की है। सेमीकंडक्टर होते हैं छोटे इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, जिनका मुख्य उपयोग कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। भारत में उनकी मांग बढ़कर नौकरियों के नए अवसर भी उत्पन्न होने की संभावना है। भारतीय सेमीकंडक्टर मार्केट का आंकड़ा 2025 तक 103.4 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो एक अद्वितीय बाजार के उद्भव का संकेत है। इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सेमीकंडक्टर की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट को भी महत्वपूर्ण फायदा होगा। सेमीकंडक्टर के सेक्टर में आरएंडडी निवेश, सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं और उद्योग सहयोग के माध्यम से भारत ने आगे कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है। सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए रिपोर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं। उनमें विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पीएलआई की योजनाएं का रखा गया मूल्य है, जिससे स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाकर देश में और ज्यादा निर्माण हो सके। विश्व सेमीकंडक्टर बाजार में अमेरिका और चीन का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन भारत की भूमिका में भी ऐतिहासिक बदलाव की संभावना है। इस रुपये के दौर में सेमीकंडक्टर सेक्टर के विकास से देश को एक नया उद्योग क्षेत्र का दर्शन हो सकता है।

नया इनकम टैक्स बिल इस सप्ताह लोकसभा में किया जा सकता है पेश: वित्त मंत्री

- 60 साल पुराने आयकर कानून की लेगा जगह

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सांसदों को सतर्क करते हुए बताया कि इस सप्ताह में लोकसभा में नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जा सकता है। इस विधेयक से पुराने आयकर अधिनियम को स्थानांतरित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने समझाया कि हाल ही में घोषित बजट और मौद्रिक नीति समीक्षा के उपायों से खपत और निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर 0.25 प्रतिशत कम कर 6.25 प्रतिशत कर दी है। सीतारमण ने इस कदम की सराहना की और उद्योग जगत के लिए सकारात्मक संकेत माना। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच अच्छा समन्वय देखने के बाद सीतारमण ने कहा कि वे वृद्धि को गति देने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। जब सीतारमण से इस विधेयक को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि इसे अभी भी तीन महत्वपूर्ण चरणों से गुजरना है। उन्होंने पहली बार जुलाई 2024 के बजट में आयकर अधिनियम की समीक्षा का ऐलान किया था। सार्थक वार्तालाप और नए आयकर विधेयक की पेशकश से परिणामस्वरूप देश में निवेश और व्यापार की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी। मुझे उम्मीद है कि इसे आने वाले सप्ताह में लोकसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद यह संसदीय समिति के पास जाएगा। संसदीय समिति की इस पर सिफारिशों के बाद यह विधेयक फिर से मंत्रिमंडल के पास जाएगा। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद इसे दोबारा संसद में पेश किया जाएगा।

मुद्रास्फीति और अन्य वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई । इस सप्ताह आने वाले मुद्रास्फीति और अन्य वृहद आर्थिक आंकड़ों से घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार पर असर डालेंगी। साथ ही कंपनियों के तिमाही नतीजे और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह भारतीय और विदेशी बाजारों के लिए गतिविधियों वाला होगा। सप्ताह के दौरान महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। मुद्रास्फीति, औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे। बुधवार को जनवरी के लिए अमेरिकी के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर सभी का ध्यान रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत के मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े 12 फरवरी को जारी किए जाएंगे। गुरुवार को ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़े आएंगे। शुक्रवार को अमेरिका के जनवरी माह के खुदरा बिक्री के आंकड़े आएंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। सप्ताह के दौरान आयशर मोटर्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, वोडाफोन आइडिया, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक मुख्य निवेश रणनीतिकार ने कहा कि अच्छे बजट और मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा रेपो दर में कटौती से बाजार की धारणा में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से लघु अवधि में बाजार की धारणा पर सकारात्मक असर पड़ेगा। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि आगे चलकर निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही नतीजों और आगामी वृहद आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। इनमें औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ें शामिल हैं। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

भारत में बाइक शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन लॉन्च

नईदिल्ली। स्टायलिश बाइकों का निर्माण करने वाली कंपनी रॉयल इनफिल्ड ने अपनी लिमिटेड एडिशन बाइक शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन को भारत में लॉन्च कर दिया है। 13 फरवरी, सुबह 2 बजे से रॉयल इनफिल्डकी एप पर इसकी बुकिंग शुरू होगी। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 4.25 लाख रुपये रखी गई है। इस खास एडिशन की सिर्फ 100 यूनिट्स दुनियाभर में उपलब्ध होंगी, जिनमें से भारत के केवल 25 लकी ग्राहक इसे खरीद सकेंगे। शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन में 648सीसी का पाराले द्य ट्विन इंजन दिया गया है, जो 47 बीएचपी की पावर और 52.3 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है और किसी भी मौसम में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने का दावा करता है। इस बाइक को रेड, व्हाइट और गोल्डन कलर के शानदार कॉम्बिनेशन में पेश किया गया है। साथ ही, बाइक पर दिए गए रेसिंग ग्राफिक्स और गोल्डन व्हील इसे एक स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देते हैं। यह बाइक सिंगल सीटर और इसमें सुरक्षा के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस), डिस्क ब्रेक और वाइडर टायर्स दिए गए हैं, जो राइडिंग को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाते हैं।

बजाज ऑटो की चालू वित्त वर्ष में ई-रिक्शा बाजार में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के ओ खिरी तक घरेलू ई-रिक्शा बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि वह तेजी से बढ़ते, लेकिन काफी हद तक असंगठित ई-रिक्शा बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहती है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक ने विश्लेषकों को बताया कि कंपनी को अपने ई-रिक्शा के लिए चालू तिमाही के अंत तक नियामकीय मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिससे वह इस क्षेत्र में उतर सकेगी। ई-रिक्शा बाजार फिलहाल मासिक 45,000 इकाई का है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक हमारा इरादा एक आधुनिक 'ई-रिक्शा' पेश करने का है, जो इस खंड में बिल्कुल नया मानक स्थापित करेगा और मालिकों और यात्रियों दोनों को उच्च स्तर की संतुष्टि प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा खंड तिपहिया खंड जितना ही बड़ा है और नए ई-रिक्शा से नया कारोबार उत्पन्न होना चाहिए।

एलआईसी ने तीसरी तिमाही में कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते साल की समान तिमाही में 9,468.99 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी का कर के बाद मुनाफा 29,138 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,913 करोड़ रुपये पर था। यह सालाना आधार पर 8.27 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी ने 3,40,563 करोड़ रुपये का कुल प्रीमियम जुटाया है। इसमें सालाना आधार पर 5.51 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) सालाना आधार पर 10.29 प्रतिशत बढ़कर 54,77,651 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में एलआईसी की नए बिजनेस प्रीमियम आय (व्यक्तिगत) सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत बढ़कर 42,441 करोड़ रुपये रही है। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, हमारा ध्यान और रणनीति एक गतिशील वातावरण में अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद और चैनल मिश्रण को बदलने की दिशा में लगातार बना हुआ है। मोहंती ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस (वीएनबी) मार्जिन बेहतर होकर 17.1 प्रतिशत हो गया है, जो कि बीते साल समान अवधि में 16.6 प्रतिशत था। इस दौरान वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस 6,477 करोड़ रुपये रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,938 करोड़ रुपये थी। मोहंती ने बताया कि अब तक 1.25 लाख से अधिक महिलाओं को बीमा सखी योजना में पंजीकृत किया गया है और 70,000 से अधिक को बीमा सखी के रूप में नियुक्त किया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

- एचडीएफसी बैंक और एयरटेल को हुआ सबसे ज्यादा फायदा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष-10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,18,151.75 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। टॉप- 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, जबकि जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मूल्यांकन में गिरावट आई। इन चारों कंपनियों को कुल मिलाकर 1.15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 32,639.98 करोड़ रुपये बढ़कर 13,25,090.58 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल ने 31,003.44 करोड़ रुपये जोड़े और इसकी बाजार हैसियत 9,56,205.34 करोड़ रुपये हो गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 29,032.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,24,312.82 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 21,114.32 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,074.08 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 2,977.12 करोड़ रुपये बढ़कर 17,14,348.66 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 1,384.81 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,632.56 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत आईटीसी का मूल्यांकन 39,474.45 करोड़ रुपये घटकर 5,39,129.60 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 33,704.89 करोड़ रुपये घटकर 5,55,361.14 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 25,926.02 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,57,789.12 करोड़ रुपये और टीसीएस की 16,064.31 करोड़ रुपये घटकर 14,57,854.09 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

यूएएन एक्टिवेशन और बैंक अकाउंट लिंक करने की तारीख बढ़ी

- प्राइवेट जॉब में हैं तो 15 फरवरी तक निपटा लें कुछ जरूरी काम, वरना होगा नुकसान

नई दिल्ली । प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों और कंपनियों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिव करने और बैंक अकाउंट को आधार से लिंक करने की तारीख 15 फरवरी तक बढ़ा दी है। यह तारीख कई बार बढ़ाई गई है, जो ईपीएफओ की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) का लाभ उठाने के लिए महत्वपूर्ण है। यूएएन एक 12-अंकों की पहचान संख्या है, जिसका उपयोग प्रोविडेंट फंड अकाउंट को मैनेज करने के लिए किया जाता है। कर्मचारियों को फंड ट्रैक करने, उन्हें एक्सेस करने और वित्तीय लेन-देन को सरल बनाने के लिए यूएएन एक यूनिफाइड प्लेटफार्म प्रदान करता है। ईएलआई योजना का लक्ष्य फॉर्मल सेक्टर में नौकरियों की संख्या बढ़ाना है, और केंद्र सरकार ने 2024 के केंद्रीय बजट के दौरान तीन ईएलआई योजनाएं (एबीसी) शुरू कीं हैं। ईएलआई की योजना ए नए कर्मचारियों को एक माह के वेतन के रूप में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर प्रदान करती है, जो पीएफ में पहली बार रजिस्टर्ड होने वाले कर्मचारियों के लिए लागू है। योजना बी और स्कीम सी में नए रोजगारों को वित्तीय प्रोत्साहन देने का प्रावधान है, जो ईपीएफओ के माध्यम से पहुंचेगा। इस तरह ईपीएफओ ने कर्मचारी और नियोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो उन्हें आसानी से लाभान्वित करने की स्थिति में लाएगा।

आयात शुल्क कम होने के बाद सोने की तस्करी में आई कमी: सीबीआईसी प्रमुख

- जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने जुलाई, 2024 में कीमती धातु पर आयात शुल्क कम किया, जिसके बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही है। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सीमा शुल्क और डीआरआई अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। अे धिकारी ने कहा कि पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर नियमित निगरानी रख रहे हैं। तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है। यह आमतौर पर तब होता है जब सीमा शुल्क इतना अधिक होता है कि तस्कर ऐसे उत्पादों को चोरी-छिपे लाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। सीबीआईसी के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) भारत में तस्करी-रोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, अकेले डीआरआई अधिकारियों ने 1,319 किलोग्राम सोना जब्त किया था। यह 2023-24 में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी द्वारा जब्त किए गए 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है। वर्ष के दौरान सीबीआईसी द्वारा 1,922 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है। पश्चिम एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देश पारंपरिक रूप से इसके मुख्य उद्गम स्थल रहे हैं। हाल ही में नैरोबी और अदीस अबाबा जैसे अफ्रीकी हवाई अड्डे, साथ ही ताशकंद जैसे हवाई अड्डे भी तस्करी के के लिए प्रमुख स्थान बनकर उभरे हैं।

कोल इंडिया का सीएसआर पर खर्च अप्रैल-जनवरी में 36.5 फीसदी बढ़ा

- एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर खर्च 36.5 प्रतिशत बढ़कर 497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अधिकारी ने बताया कि घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी सीआईएल अपने सीएसआर कोष का 70 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सेवा, पेयजल, स्वच्छता एवं आजीविका पर खर्च करती है। कंपनी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) में वह सीएसआर पर सबसे अधिक खर्च करने वाली कंपनी रही है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में ही सीएसआर पर 572 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बयान में कहा गया है कि कंपनी की सीएसआर गतिविधियों से 3.5 करोड़ लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पिछले दशक के दौरान कोल इंडिया ने सीएसआर गतिविधियों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

भारत का वैल्यूएशन दुनिया के सबसे महंगे बाजारों में से एक

अमेरिकी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने दी निवेश से बचने की सलाह

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार ने पिछले एक साल में उतार-चढ़ाव दिखाया है, जिसमें सेंसेक्स के 1 लाख का आंकड़ा छूने की संभावना है। इस संकेत के बीच वैल्यूएशन गुरु ने भारतीय शेयर बाजार को बहुत रिस्की बताया है। उनका कहना है कि भारत का वैल्यूएशन दुनिया के सबसे महंगे बाजारों में से एक है। उन्होंने निवेशकों को सावधान रहने की सलाह दी है, के योंकि अधिक वैल्यूएशन जोखिम भरा हो सकता है। इसे हल करने के लिए वह मूल्यांकन की भूमिका और वैल्यू प्रमाणकों के मूल्यांकन की जरूरत है। इसके साथ हर बाजार की धाराप्रवाह, लाभ और नकदी प्रवाह की जांच की भी आवश्यकता है। एक सही मूल्य उन मामलों में अवसर प्रदान कर सकता है जहां प्रीमियम अधिक है और जोखिम कम है। सही कीमत पर निवेश करना उक्त देशों के अवसरों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। वैल्यूएशन के मामले में भारत का प्रीमियम सबसे अधिक हो रहा है, जिसे उसने एक गहरी दिशा के रूप में पेश किया है। हालांकि चीन और अमेरिका भी महंगे बाजारों में गिने जाते हैं, लेकिन दामोदरन के अनुसार भारत का प्रीमियम सबसे ज्यादा दिख रहा है।

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

ललित गर्ग

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है।

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरूआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरूआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही

संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरूआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहुल की दलित नीति

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जब भी कुछ कहते हैं तो वह बहुत से लोगों को बहुत तरह से सोचने का मसाला भी दे देते हैं। कभी-कभी इतना अटपटा बोल देते हैं कि वह गैर कांग्रेसियों के बीच मजाक बन जाते हैं और फिर पूरी कांग्रेस को क्षतिपूर्ति के अनुष्ठान में लग जाना पड़ जाता है। चाहे उनका लोक सभा चुनाव के दौरान दिया गया शक्ति वाला बयान हो या हरियाणा चुनाव के दौरान दिया गया जलेबी के कारखाने वाला बयान हो। वह प्रायः अपने बयानों की गंभीरता को बनाए नहीं रख पाते। इस बार उन्होंने एक बार फिर अपनी पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। दलित बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में आमंत्रित वक्त के रूप में उन्होंने कहा कि जब तक दलित और पिछड़े कांग्रेस के साथ थे तब तक आरएसएस सत्ता से दूर रहा, लेकिन 1990 के बाद यानी नरसिंह राव के शासनकाल में कांग्रेस दलित और पिछड़ों को अपने साथ जोड़कर नहीं रख सकी। अब वह कांग्रेस की इस गलती को सुधारना चाहते हैं। दलित और पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस के भीतर ही क्रांति करेंगे। आशा यह है कि दलित-पिछड़ों को अपनी पार्टी में जगह देकर दलित-पिछड़े समूह को अपनी पार्टी से जोड़ेंगे और अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करेंगे और उनके बल पर संघ और भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। इसके लिए उन्होंने यह आशंका भी जताई है कि अपनी पार्टी में विरोध भी सहना पड़ सकता है लेकिन वह इस इरादे को पूरा करने के लिए किसी की भी नहीं सुनेंगे। यह हास्यास्पद स्थिति है कि कांग्रेस का शीर्षस्थ नेता एक नीतिगत प्रश्न को एक सामान्य बैठक में इस तरह से प्रस्तुत करे। पहले उन्हें अपनी पार्टी के भीतर यह बात रखनी चाहिए थी पार्टी में दलित और पिछड़ों को क्या जगह दी जाए, कैसे दी जाए इसकी प्रक्रिया तय करनी चाहिए थी और जब एक स्पष्ट रणनीति निर्धारित हो जाती तो उसे जनता के सामने स्पष्टतः रखना चाहिए था। उन्हें यह भी समझना चाहिए था कि जो दलित और पिछड़े समूह स्वयं शक्तिशाली होकर इस या उससे गठजोड़.करने की स्थिति में हैं, वे राहुल गांधी की कृपा पर क्यों रहेंगे। लेकिन राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अब उनकी पार्टी तय करेगी कि उनके इस नीति वक्तव्य का वह क्या करे।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

बजट भाषण उपरांत शेयर बाजार गिरने के निहितार्थ

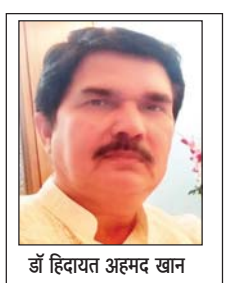

डॉ हिदायत अहमद खान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर दिया है। इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष खासा खुश है तो वहीं विपक्ष इसे आंकड़ों की जादूगरी बताकर इसकी आलोचना भी कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि यह बजट बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार केंद्रित कर दिया गया। ज्यादातर योजनाओं के जरिये बिहार को बहुत कुछ उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है। इससे पहले की बात करें तो संसद में बजट पेश होता उससे पहले शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला, लेकिन बजट भाषण जैसे ही खत्म हुआ इसमें गिरावट देखने को मिली। इससे संदेश यह गया कि बजट में शेयर बाजार और निवेशकों के लिए कुछ खास नहीं है। इस कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण बजट में रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम आवंटन बताया जा रहा है। एचएएल, बीईएल और बीएचईएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और निजी रक्षा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। इस बजट में सरकारी पूंजीगत व्यय में मामूली बढ़ोतरी की गई है, जिससे यह 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, यह निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे बाजार में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वहीं, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को इस बजट से सकारात्मक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों के शेयरों में मजबूती देखी जा सकती है। वैसे सत्ता पक्ष ने इस बजट को टैक्स सुधार की श्रेणी में रखते हुए आम जनता को राहत देने वाले बजट के तौर पर प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान नए इनकम टैक्स बिल का ऐलान किया है, जिसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। इस नए टैक्स स्ट्रक्चर के तहत, 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर सशर्त कोई टैक्स नहीं लगेगा। दरअसल बिना किसी निवेश के 0-4 तक की आय मे कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि 04-8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा, 8 से 12 लाख रुपये तक आमदनी पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। यदि निवेश किया जाता है तो 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं 12-16 लाख तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 16-20 लाख तक की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 20 से 24 लाख रुपये तक की आय पर 25 फीसदी टैक्स के साथ ही 24 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए टैक्स में राहत दी गई है, जिसमें टीडीएस की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है। वहीं टीसीएस की सीमा को भी 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इस प्रकार टैक्स में नयापन लाने और आमजन को लाभ पहुंचाने का प्रयास जरुर किया गया है। सरकार का उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टैक्स भुगतान के प्रति जागरूक हों। इन सुधारों से करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि बजट पेश किए जाने से पहले तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार नई टैक्स प्रणाली को अधिक बढ़ावा देगी और कर ढांचे में संभावित बदलाव कर सकती है। करदाताओं को उम्मीद थी कि नए स्लैब के तहत टैक्स दरों में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिससे उनकी कर देनदारी कम होगी और बचत बढ़ेगी। हालांकि, बजट के बाद शेयर बाजार की नकारात्मक प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि अनेक क्षेत्रों की सरकार से जो अपेक्षाएं थीं वो पूरी नहीं हो सकी हैं। बजट में घोषित इन बदलावों से जहां एक ओर बचत को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। खासतौर पर मध्यम वर्ग और कम आय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। हालांकि, निवेशकों को सरकार की नीतियों से और अधिक स्पष्टता की उम्मीद थी, खासकर रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में। बहरहाल कहा जा सकता है कि यह बजट कुछ क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है, जबकि कुछ अन्य सेक्टर इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगे। वित्त मंत्री सीतारमण का यह बजट आम जनता के लिए राहत देने वाला साबित हो सकता है, लेकिन शेयर बाजार में तुरंत इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा, जो वाकई चिंतनीय है। बाजार की दीर्घकालिक प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार बजट के क्रियान्वयन में कितनी प्रभावी साबित होती है।

राजनीतिः दिल्ली में किसकी सरकार

अमरेंद्र कुमार राय

दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान है, और आठ तारीख को नतीजों की घोषणा। तीन तारीख तक चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। बावजूद इसके कोई भी बताने की स्थिति में नहीं है कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। इसकी कुछ वजहें हैं। जो कुछ पिछले लोक सभा चुनाव, हरियाणा विधानसभा चुनाव और उससे भी बढ़ कर महाराष्ट्र चुनाव में हुआ, उसके बाद किसी की हिम्मत नहीं हो रही है कि खुल कर बता दे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। किसको कितनी सीटें मिल रही हैं।

इससे पहले आप ने देखा था कि चुनाव से बहुत पहले से कई सर्वे एजेंसियां बताने लगती थीं कि अमुक पार्टी या गठबंधन को बढ़त है, और फलां को इतनी सीटें मिल रही हैं। लोक सभा चुनावों में कुछ एजेंसियों ने बीजेपी के अकेले 350 से ज्यादा सीटें जीतने की घोषणा की लेकिन बीजेपी 240 पर ही अटक गई। बाद में यह भी सामने आया कि चुनाव आयोग ने खेल न किया होता, निष्पक्ष चुनाव हुए होते तो बीजेपी की सीटों की संख्या 180 पर सिमट गई होती। हरियाणा के चुनाव में कोई सर्वे एजेंसी नहीं कह रही थी कि बीजेपी जीत भी सकती है, बल्कि वे कांग्रेस की बंपर जीत और बीजेपी की बुरी हार का दावा कर रही थीं। लेकिन नतीजे बिल्कुल विपरीत आए। बीजेपी ने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। 2014 के चुनावों में जब नरेन्द्र मोदी की आंधी चल रही थी तब भी बीजेपी हरियाणा में 45 सीटें पार नहीं कर पाई थी। 2019 के चुनाव में तो वह 40 सीटों पर ही सिमट गई थी। लेकिन 2024 में उसकी निश्चित हार, वह भी बुरी तरह दिख रही थी, के आकलन के बावजूद उसने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। महाराष्ट्र में तो और भी बुरा हाल हुआ। कुछ महीने पहले हुए लोक सभा चुनाव में जिस कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी शरद पवार वाले गुट ने एनडीए को बुरी तरह पटखनी दी थी, वह विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हार गया। कहां तो इनके दो सौ सीटें जीतने की भविष्यवाणी की जा रही थी और कहां ये सब मिल कर पचास सीटें भी नहीं पा सके। इसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठे। माना जा रहा है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में जनता की जीत नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के खेल की जीत है। इसीलिए अब हर सर्वे एजेंसी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीती जाने वाली सीटों की संख्या घोषित करने में घबरा रही है।

बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर तीन बातें कही जा रही हैं। एक यह कि जमीन पर आम आदमी पार्टी (आप) मजबूत है और बाकी पार्टियों पर बढ़त बनाए हुए है। इसकी सीटों की संख्या पिछले दो विधानसभा चुनावों की तुलना में कम जरूर हो जाएगी लेकिन सरकार बनाने लायक बहुमत आसानी से पा जाएगी। दूसरी बात यह कही जा रही है कि पिछले दस साल सरकार चलाने के बाद लोगों में आप को लेकर नाराजगी है, और इस बार वे सरकार बदलने के मूड में हैं, और इसका लाभ बीजेपी को मिल सकता है। तीसरी बात यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पांच प्रतिशत से भी कम पर सिमट गई थी। इस बार वह जोर लगा रही है। इसलिए अपने वोटों का प्रतिशत बढ़ा कर दस के आसपास कर सकती है। इससे उसकी सीटों का खाता तो शायद न खुले लेकिन निराशा से वह जरूर बच सकती है। वह अपने कार्यकताओं को सपना दिखा सकती है कि इस बार हम वोट बढ़ा सकते हैं तो आगे जीत कर सरकार भी बना सकते हैं। कुछ लोग बीजेपी की जीत और आप की हार में कांग्रेस के वोटों में बढ़ोतरी ही देख रहे हैं।

कुछ कांग्रेस समर्थकों की यह भी सोच है कि मुस्लिम और दलितों में कांग्रेस के प्रति रुझान है। ये दोनों वर्ग मिला कर दिल्ली की आबादी में 30 प्रतिशत हैं। अगर इन दोनों वर्गों ने कांग्रेस का साथ दिया और राहुल गांधी ने आक्रामक प्रचार किया तो कांग्रेस 15 प्रतिशत के आसपास वोट भी पा सकती है, विधानसभा चुनाव में वह आठ-दस सीटें भी जीत सकती है, और ऐसा हुआ तो त्रिशंकु विधानसभा आएगी और फिर कांग्रेस दिल्ली में पुनर्जीवित हो उठेगी। हालांकि इसकी संभावना न के बराबर है। हर चुनाव के बाद खासकर बीजेपी की जीत का एक नरेशन गढ़ा जाता है। जैसे हरियाणा के नतीजों के बाद नरेशन गढ़ा गया कि लोक सभा चुनाव में संघ ने बीजेपी के लिए काम नहीं किया था। हरियाणा के चुनाव में उसने काम किया और हारी बाजी जीत में पलट दी। कांग्रेस की गुटबाजी को भी उसकी हार की वजह बताया गया। महाराष्ट्र के चुनावों में महिलाओं को बांटे जाने वाले रुपये को जीत का आधार बताया गया। उसे सही ठहराने के लिए झारखंड और मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाएं और उनके नतीजे सामने रखे गए। आपको याद होगा कि गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में बीजेपी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की थी। तब नरेशन गढ़ा गया कि वहां आप ने कांग्रेस के ज्यादातर वोट काट लिए। इसलिए ऐसा नतीजा आया। तो दिल्ली में भी इसकी संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

क्या एस एस राजामौली की फिल्म में नजर नहीं आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन?

सुपरस्टार महेश बाबू और एस एस राजामौली अपनी एक्शन एडवेंचर फिल्म को लेकर काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म का अस्थाई नाम एसएसएमबी 29 रखा गया है। फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर प्रियंका चोपड़ा नजर आ सकती हैं।

पृथ्वीराज को लेकर लग रहे कयास

जहां एक ओर इस फिल्म को लेकर फैंस में जबर्दस्त उत्साह है। वहीं, दूसरी ओर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के इस फिल्म में काम करने को लेकर भी तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने इस मुद्दे पर अपने खास अंदाज में जवाब दिया।

अभिनेता ने दी प्रतिक्रिया

पृथ्वीराज ने कहा, लगता है कि सभी लोग मुझसे ज्यादा इस फिल्म के बारे में जानते हैं। देखिए, अभी तक कुछ भी कंफर्म नहीं है। बहुत कुछ अभी तय होना बाकी है। जब सब कुछ तय हो जाएगा, तब हम देखेंगे। जॉन अब्राहम को लेकर भी हो रहे दावे बता दें कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एस एस राजामौली पृथ्वीराज की जगह जॉन अब्राहम को इस भूमिका के लिए कास्ट कर सकते हैं। इस खबर से फैंस के बीच हलचल बढ़ गई थी। अब सभी लोग इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म में जल्द दिखेंगे पृथ्वीराज

पृथ्वीराज सुकुमारन अपनी आने वाली फिल्म एल 2: एम्पुरान के निर्देशन की वजह से चर्चा में हैं। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2025 को रिलीज होने वाली है। निर्देशक ने साथ फिल्म में पृथ्वीराज अहम भूमिका में भी नजर आएंगे।

इडली कढ़ाई में नजर आएगी धनुष-नित्या मेनन की जोड़ी

धनुष अपनी आगामी फिल्म इडली कढ़ाई को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। फिल्म में धनुष के साथ नित्या मेनन की जोड़ी साथ नजर आएगी। जानिए धनुष की फिल्मइडली कढ़ाई को प्रशंसक कब देख सकेंगे।

फिल्म में नजर आएगी धनुष-नित्या मेनन की जोड़ी

साउथ अभिनेता धनुष की आगामी ड्रामा फिल्मइडली कढ़ाई, जिसे उन्होंने निर्देशित और लिखा भी है। शुरू में फिल्मइडली कढ़ाई 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। इडली कढ़ाई में धनुष के साथ नित्या मेनन मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म का निर्देशन और लेखन धनुष ने किया है

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,इडली कढ़ाई की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ाया जा सकता है। नई तारीख 24 अप्रैल, 2025 तय की जा सकती है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

धनुष निर्देशित फिल्मइडली कढ़ाई तमिल भाषा में रिलीज होगी। धनुष के प्रशंसक इस फिल्म को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। धनुष की फिल्मइडली कढ़ाई का पोस्टर भी रिलीज किया जा चुका है, जिसमें अभिनेता एक झोपड़ी की ओर जाते हुए नजर आए।

24 अप्रैल, 2025 को रिलीज हो सकती है इटली कढ़ाई?

इस बीच, धनुष द्वारा निर्देशित एक और फिल्म, नीलावुकु एन मेल एन्नाडी कोबाम (नीक) को भी स्थगित कर दिया गया है, इसकी मूल रिलीज तारीख 7 फरवरी, 2025 से आगे बढ़कर 21 फरवरी, 2025 कर दी गई है। धनुष के निर्देशन वाली फिल्मनीलावुकु एन मेल एन्नाडी कोबाम में प्रियंका नजर आएंगी। इस फिल्म से अभिनेत्री प्रियंका मोहन का पहला सिंगलगोल्डन स्पैरो अब यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक व्यूज के साथ धूम मचा चुका है।

इटली कढ़ाई के अलावा धनुष नीक में भी नजर आएंगे

दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ दो महीनों के अंदर में धनुष द्वारा निर्देशित दो फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित धनुष की फिल्म कुबेर भी इस साल के आखिर में रिलीज होने वाली है।

सैफ के लाडले इब्राहिम को लॉन्च करेंगे करण जौहर

नेपोटिज्म के आरोपों से घिरे रहने वाले करण जौहर एक और स्टारकिड को इंडस्ट्री में लॉन्च करने जा रहे हैं। इस बार वे सैफ अली खान के लाडले इब्राहिम अली खान पर दांव लगा रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुद इसका एलान किया है। करण जौहर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इब्राहिम की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लंबा नोट लिखा है और उनके डेब्यू की जानकारी दी है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए करण ने लिखा, मैं अमृता (इब्राहिम की मां) से पहली बार तब मिला था जब मैं सिर्फ 12 साल का था। उस वक्त वो मेरे पिता के साथ फिल्म दुनिया में काम कर रही थीं। मुझे याद है कि कैमरे पर उनकी एनर्जी और पकड़ दोनों ही बहुत मजबूत थे।

कई पीढ़ियों से चली आ रही दोस्ती

करण ने आगे लिखा, इस पहली मुलाकात में जो सबसे यादगार रहा वो यह था कि हमने चाइनीज डिनर किया था और उसके बाद जेम्स बॉन्ड की एक फिल्म देखी थी। हम जिस पल मिले उसी पल उन्होंने मुझे अपना महसूस कराया और यही उनकी ताकत थी। यही आदत उनमें आज भी है और उनके बच्चों में भी आई। अपनी इस पोस्ट में करण जौहर ने आगे लिखा, सैफ से मैं पहली बार अंजू महेंद्रू के ऑफिस में मिला था। वो बेहद यंग और खूबसूरत थे, बिल्कुल उसी तरह जैसे मैं पहली बार उनके बेटे इब्राहिम से मिला। कुछ इस तरह हमारी दोस्ती कई जनरेशन से चली आ रही है और अब खुशकिस्मती से हमारे बच्चों के बीच भी यह जारी है।

इब्राहिम के डेब्यू का किया एलान

करण आगे लिखते हैं, मैं इस परिवार को बीते 40 साल से जानता हूं। मैंने इनके साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है। अमृता के साथ दुनिया और 2 स्टेट्स में, सैफ के साथ कल हो ना हो और कुर्बान में, सारा के सिंबा में.., मैं इस परिवार को उनके प्यार की वजह से जानता हूं। फिल्में इनके खून में हैं। और इसी के साथ मैं एक नए टैलेंट के लिए रास्ता बनाना चाहता हूं, जिसे मैं दुनिया के साथ शेयर करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। तो इंतजार कीजिए इब्राहिम अली खान पटौदी का जो जल्द ही स्क्रीन के जरिए आपके दिलों तक का रास्ता तय करेंगे।

किरदारों में ढलने के लिए करना पड़ता है त्याग

शाहिद कपूर बॉलीवुड में वर्सटाइल एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। वह अपनी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं, साथ ही बड़े पर्दे पर अपने लुक के साथ भी काफी एक्सपेरिमेंट करते हैं। हाल ही में अपनी फिल्म 'देवा' के प्रमोशन के दौरान शाहिद कपूर ने अपने लुक चेंज से जुड़ी बातें भी साझा की। क्या लुक चेंज के दौरान उनके मन में किस तरह का डर भी बन रहता है, इस बारे में भी बताया। एक एक्टर को त्याग करना पड़ता है हाल ही में एएनआई को दिए एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद कपूर कहते हैं, ' अगर मैं अपने बाल मुंडवाने से डर जाऊंगा तो कैसे चलेगा? जब बचपन में बच्चे के बाल मुंडवाए जाते हैं तो कोई नहीं पूछता है कि बाल वापस आएंगे या नहीं।' शाहिद आगे कहते हैं, ' मुझे अपने बालों से बहुत प्यार है लेकिन एक एक्टर होने के नाते अपनी पसंदीदा चीजें त्याग करने की आदत होनी चाहिए।'

कॉन्फिडेंस के बारे में बात की

शाहिद कपूर अपनी बात को आगे बढ़ते हैं और कहते हैं, ' बाल, चेहरा ये सब चीजें हमारी पर्सनालिटी का बस एक पार्ट हैं, हमारी पर्सनालिटी हमारे कॉन्फिडेंस से अच्छी बनती है।इसलिए इन बाहरी बातों पर ज्यादा गौर नहीं करना चाहिए।' फिल्म 'हैदर' के लिए भी शाहिद ने अपने बालों के साथ एक्सपेरिमेंट किया था, अपना लुक चेंज किया था। दर्शकों को एक्टर का यह लुक पसंद आया और फिल्म भी हिट रही। इस तरह से शाहिद की मेहनत रंग लाई थी।

देवा को लेकर एक्साइटेड

शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' में उनके साथ पूजा हेगड़े नजर आएंगी। शाहिद फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में जो माफिया का सफाया करना चाहता है। फिल्म को लेकर एक्टर शाहिद कपूर भी काफी एक्साइटेड हैं। शाहिद कपूर ने अपने किरदार को रॉ एंड रियल बताया है। प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे शाहिद कपूर अपनी फिल्म 'देवा' के प्रमोशन के लिए दिल्ली भी पहुंचे हैं। राजधानी के एक कॉलेज में शाहिद और पूजा हेगड़े फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे, दोनों ने स्टूडेंट्स के लिए डांस भी किया, उन्हें खूब एंटरटेन किया।

प्रभास की पुलिस ड्रामा स्पिरिट में होगी पागलपन भरी पृष्ठभूमि

प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्मस्पिरिट को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का निर्देशन एनिमल फेम निर्देशक संदीप वागा रेड्डी करेंगे।स्पिरिट को ले कर कई जानकारियां सामने आई हैं, जिसे पढ़ने के बाद प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ जाएगा।

पुलिस अफसर में नजर आएंगी प्रभास

संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी पिछली फिल्म एनिमल की सफलता से दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं अब, वह प्रभास के साथस्पिरिट नाम की एक पुलिस ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है।

फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे

संदीप बैकग्राउंड स्कोर पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और जल्द ही इस प्रोजेक्ट के बारे में आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,स्पिरिट की कहानी की बात करें तो यह एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के बारे में है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित एक बड़ा काम सौंपा जाता है।

सैफ-करीना कपूर खान भी आ सकते हैं नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की पृष्ठभूमि बेहद दिलचस्प है।स्पिरिट ड्रग माफिया के इर्द-गिर्द घूमेगी और इंडोनेशिया में सेट की जाएगी। प्रभास इस फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसकी कहानी ड्रग लॉर्ड्स के खिलाफ उनकी लड़ाई पर आधारित होगी। फिल्म में सैफ अली खान और करीना कपूर की होने की बात भी सामने आई है, हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आदिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

हर्षवर्धन रामेश्वर करेंगे संगीत तैयार

एनिमल के लिए शानदार बैकग्राउंड स्कोर देने वाले हर्षवर्धन रामेश्वर एक बार फिर स्पिरिट के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। टी-सीरीज संदीप के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रही है। और रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद और जकार्ता में शूट किया जाएगा।

रणदीप हुड्डा से पहले इन भारतीयों ने किया हॉलीवुड में काम

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक कई भारतीय अभिनेता हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बन चुके हैं। भारतीय फिल्मों में अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करने के बाद इन्होंने हॉलीवुड में काम करते हुए प्रशंसा प्राप्त की। हाल ही में अभिनेता रणदीप हुड्डा एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की आगामी एक्शन थ्रिलरमैचबॉक्स से जुड़े। इसका निर्देशन 'एवेंजर्स एंडगेम' के एक्शन डायरेक्टर सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। निर्देशक के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह साल 2020 में नेटफ्लिक्सएक्सट्रैक्शन में साथ काम कर चुके हैं। आइए आज ऐसे ही भारतीय अभिनेताओं के बारे में जानते हैं, जो हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बन चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अभिनेत्री ने पॉप सिंगर निक जोनास से शादी की और विदेश जाकर बस गई हैं। हालांकि, वह समय-समय पर भारत का दौरा करती रहती हैं। साथ ही वह भारत में फिल्मों के निर्माण से भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने कई हॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में अभिनय किया है। अभिनेत्री ने हॉलीवुड सीरीजबेवॉच में निगेटिव किरदार निभाया। इसके अलावा वह साल 2020 में आई शॉर्ट फिल्म 'वी आर ओनली फैमिली', 'वी कैन बी हीरोज' और 'हैप्पीनेस कंटिन्यू' का हिस्सा रहीं। साल 2021 में 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', साल 2023 में 'लव अगेन' और 'टाइगर' में भी अभिनेत्री ने अदाकारी की। वह साल 2023 में हॉलीवुड वेब सीरीज 'सिटोडल' में भी अभिनय कर चुकी हैं।

दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय और खूबसूरती से सभी को इंप्रेस किया है। बॉलीवुड में वह सबसे ज्यादा पसंदी की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं। अभिनेत्री दीपिका भी हॉलीवुड फिल्म में अभिनय कर चुकी हैं। वह विन डीजल के साथट्रिपल एक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज में निगेटिव किरदार अदा कर चुकी हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड का ऐसा नाम है, जिसे बच्चा-बच्चा जानता है। अभिनेत्री की खूबसूरती और अदाकारी की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। बॉलीवुड फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाने के बाद वह हॉलीवुड फिल्म में भी नजर आईं। ऐश्वर्या ने साल 2012 में आई फिल्मद पिंक पैंथर 2 में विलन का रोल किया था। इसके अलावा अभिनेत्रीद लास्ट लीजन,प्रोवोक्ड,मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज में भी अभिनय कर चुकी हैं।

अनिल कपूर

अनिल कपूर हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लुक को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहते हैं, उनके बारे में कहा जाता है कि उनकी उम्र रुक चुकी है। वह बूढ़े नहीं हो रहे। हिंदी फिल्मों के सुपरहिट हीरो अनिल कपूर ने हॉलीवुड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' में नकारात्मक भूमिका अदा की है।

आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट भी हॉलीवुड फिल्म में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। उन्होंने साल 2023 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की। अभिनेत्री ने हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में अपने निगेटिव किरदार से सभी को प्रभावित किया।

अली फजल

'मिर्जापुर' सीरीज फेम अभिनेता अली फजल भी हॉलीवुड फिल्म में नजर आ चुके हैं। वह फिल्म 'डेथ ऑन द नाइल' में अभिनय कर चुके हैं। इसके अलावा अभिनेताविक्टोरिया ऐंड अबदुल,कंधार,रूल ब्रेकर्स में भी नजर आ चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट से जीता दूसरा टेस्ट, श्रीलंका को किया क्लीन स्वीप

गाले (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरा टेस्ट 9 विकेट से जीतकर दो मैच की श्रृंखला में श्रीलंका का 2-0 से सूपड़ा साफ किया। श्रीलंका के 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्नस लाबुशेन (नाबाद 26) ने चौथे दिन लंच से 15 मिनट पहले संन्यास ले रहे दिमुथ करुणारत्ने की गेंद को मिड विकेट पर एक रन के लिए खेलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 75 रन पर पहुंचाकर टीम को जीत दिलाई।

सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 27 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 2011 से श्रीलंका में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीती है। टीम ने तब रिकी पोंटिंग की अगुआई में श्रीलंका को 1-0 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया को 2016 में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में श्रीलंका में 3-0 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा जबकि 2022 में श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ रही। पैट कमिंस की जगह कप्तानी कर रहे स्मिथ ने इस तरह श्रृंखला जीतकर राहत की सांस ली होगी।

श्रीलंका ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 211 रन और सिर्फ 54 रन की बढ़त के साथ की। उप कप्तान कुसाल मेंडिस ने नाथन लियोन की गेंद को डीप कवर में खेलकर मैच का अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसी ओवर में शॉर्ट स्क्वायर लेग पर स्मिथ को कैच दे बैठे। यह स्मिथ का टेस्ट क्रिकेट में 200वां कैच था। उनसे पहले सिर्फ चार खिलाड़ियों जाक कैलिस, महेला जयवर्धने, राहुल द्रविड़ और जो रूट ने यह उपलब्धि हासिल की है। ब्यू वेबस्टर ने लाहिरू कुमारा (09) को बोल्ड करके श्रीलंका की पारी का अंत किया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमैन ने 63 जबकि लियोन ने 84 रन देकर चार-चार विकेट चटकाए। श्रीलंका के 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड (20) और ख्वाजा ने सात ओवर में 38 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत की। प्रबाथ जयसूर्या ने हेड को पवेलियन भेजा लेकिन ख्वाजा ने लाबुशेन के साथ 37 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार चौथी टेस्ट जीत और श्रीलंका की लगातार चौथी हार है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जून में होगा।

वरुण एकदिवसीय डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बने

कटक (एजेंसी)। 33 साल के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। इसी के साथ ही वरुण एकदिवसीय में डेब्यू करने वाले देश के सबसे अधिक उम्र के दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक उम्र में एकदिवसीय डेब्यू का फारुख इंजीनियर के नाम हैं। फारुख इंजीनियर ने 36 साल की उम्र में 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू किया था। वरुण को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण एकदिवसीय में जगह मिली। वरुण को अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने डेब्यू कैप सौंपी। इससे पहले नागपुर में सीरीज के शुरुआती मैच में यशस्वी जायसवाल और हर्षित राणा ने एकदिवसीय डेब्यू किया था।

भारतीय टीम की ओर से एकदिवसीय में सबसे अधिक उम्र में डेब्यू करने वालों में पूर्व कप्तान अजीत वाडेकर भी शामिल हैं। वाडेकर ने

33 वर्ष 103 वर्ष की उम्र में 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। वहीं दिलीप दोशी ने 32 वर्ष 350 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1980 में मेलबर्न में डेब्यू किया था।

रोहित शर्मा ने इस मामले में राहुल द्रविड़ को पछाड़ा, क्रिस गेल से भी निकले आगे

कटक (एजेंसी)। कटक में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कटक में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे हैं दूसरे वनडे मैच में दो बड़े काम किए हैं। रोहित इस मैच से पहले राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ने के करीब था। अपनी बल्लेबाजी से रोहित ने ये काम कर दिया है। इतना ही नहीं, रोहित ने वेस्टइंडीज के तूफानी बल्लेबाजी क्रिस गेल को भी पछाड़ दिया है।

रोहित वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ से आगे निकल गए हैं। राहुल के 344 वनडे मैचों में 10,889 रन हैं। इस मैच से पहले रोहित के 267 मैचों में 10,868 रन थे। वह 22 रन पीछे थे। कटक में रोहित ने इतने रन बना लिए और राहुल को पछाड़ दिया है।

रोहित ने पारी की शुरुआत में दो शानदार छक्के मारे। इसी के साथ वह वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में गेल से आगे निकल गए हैं। गेल के नाम वनडे में 331 छक्के हैं। रोहित इससे आगे निकल गए हैं। रोहित इस मैच में अपने पुराने रंग में नजर आ रहे हैं। उन्होंने दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर गस एटकिंसन पर छक्का लगाया। तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने साकिब महमूद की गेंद पर एक और बेहतरीन छक्का जड़ दिया।

रचिन रविंद्र के सिर लगी भयानक चोट पर अपडेट: न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताई खिलाड़ी की हालत

लाहौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने ऑलराउंडर रचिन रविंद्र के बारे में अपडेट दिया जिन्हें पाकिस्तान में त्रिकोणीय सीरीज के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण चोट लग गई। 8 फरवरी को सिर पर चोट लगने के बाद रचिन को मैदान से बाहर ले जाया गया था। डीप स्क्वायर लेग पर फील्डिंग करते समय वह कैच लेने की कोशिश में थे, लेकिन लाइट की वजह से गेंद उनकी नजर से ओझल हो गई और सिर पर चोट लग गई।

मैदान पर रचिन के शरीर से बहुत ज़्यादा खून बहने लगा और टीम का मेडिकल स्टाफ ने उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जा गया। न्यूजीलैंड ने खिलाड़ी के बारे में अपडेट जारी करते हुए कहा कि उन्होंने उसके सिर पर लगी चोट का इलाज कर दिया है और वह ठीक है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, '38वें ओवर में कैच लेने की कोशिश करते समय माथे पर गेंद लगने के बाद रविंद्र को मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनके माथे पर चोट लगी है जिसका इलाज मैदान पर ही किया गया है, लेकिन वह ठीक हैं। वह अपने पहले एचआईए (हेड इंजरी

असेसमेंट) से ठीक हो गए हैं और एचआईए प्रक्रियाओं के तहत उनकी निगरानी जारी रहेगी।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स जिन्हें शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, ने इस पल को 'भयानक' बताया, लेकिन प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि रवींद्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलिप्स ने कहा, 'उन्होंने रोशनी में गेंद नहीं दिखी और दुर्भाग्य से गेंद उन्हें लगी।' फिलिप्स ने कहा, 'लेकिन वह पूरे समय होश में रहे, जो शानदार है। उनकी निगरानी की जा रही है और मुझे यकीन है कि वह जल्द से जल्द खेलने के लिए तैयार होंगे।'

गौर हो कि इस त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड को लगी दूसरी चोट थी। इससे पहले तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को आईएलटी20 में लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। हालांकि रचिन रविंद्र की चोट खेल में एक बड़ा झटका थी, लेकिन न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करने के बाद न्यूजीलैंड ने अपने निर्धारित 50 ओवरों में 330/6 का विशाल स्कोर बनाया जिसमें ग्लेन फिलिप्स (74 गेंदों पर 106*) ने शानदार शतक बनाया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 47.5 ओवरों में 252 रनों पर ढेर हो गई जिसमें मिशेल सेंटनर (3/41) और मैट हेनरी (3/53) ने 3-3 विकेट लिए।

पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, सेना और अर्धसैनिक बल के हाथ कमान

लाहौर। पाकिस्तान सरकार ने देश में आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सैन्य और अर्धसैनिक रेंजरों का उपयोग करने को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघीय मंत्रिमंडल ने इस बड़े आयोजन के लिए मजबूत सुरक्षा की योजना को मंजूरी दे दी है जिसमें सेना और रेंजरों का उपयोग होगा। सरकार ने 19 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी के मैदानों और टीम होटलों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए पहले से ही कमांडो इकाइयों सहित 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी देश के गृह मंत्री भी हैं। वह व्यक्तिगत तौर पर टूर्नामेंट के लिए सभी सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख कर रहे हैं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। बोर्ड के एक सूत्र ने कहा कि नकवी ने सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा से समझौता किए बिना मैचों के लिए स्टेडियम में दर्शकों के सुचारू प्रवेश को सुनिश्चित करने के सर्वोत्तम तरीके पर भी चर्चा की।

श्रेयस की टीम में जगह पक्की न होने से हैरान रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने भी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टीम इंडिया में शामिल नहीं होने पर हैरानी जताई है। अय्यर ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में 11 मैचों में 530 रन बनाए और भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बावजूद बीसीसीआई ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया। लेकिन अय्यर ने आईपीएल 2024 में अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को चैंपियन बनाकर करारा जवाब दिया। वह सीमित ओवरों के ही नहीं, बल्कि टेस्ट फॉर्मेट में भी शानदार बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उन्हें टीम से अंदर-बाहर किया जाता रहा है। अय्यर ने नागपुर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 36 गेंदों पर 59 रन बनाकर अपनी काबिलियत का एक और उदाहरण पेश किया। वहीं, घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए दो शतक जड़कर उन्होंने साबित किया कि वह किसी भी स्थिति में रन बना सकते हैं। रिकी पोंटिंग भी अय्यर की अनदेखी से हैरान हैं। पोंटिंग ने कहा, मैं हैरान हूं कि वह पिछले कुछ सालों से भारतीय टीम से अंदर-बाहर हो रहे हैं। उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप में मध्यक्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और मुझे लगा था कि उन्होंने अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन फिर उन्हें चोट लग गई और वह टीम से बाहर हो गए। आईपीएल 2024 में श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा है, जो उनके कौशल और महत्व को दर्शाता है।

लाल रूमाल को सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं कई खिलाडी

नई दिल्ली। बीते दिनों हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सिर पर लाल रूमाल बांधकर बल्लेबाजी की और ताबड़तोड़ चौके-छक्कों की बरसात कर दी। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में सिर्फ बल्ले से ही नहीं, बल्कि गेंद से भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत की जीत में उनका अहम योगदान रहा। दिलचस्प बात यह रही कि अभिषेक शर्मा से पहले भी कई दिग्गज खिलाड़ी लाल रूमाल को अपने सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग, सौरव गांगुली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी लाल रूमाल का उपयोग कर चुके हैं। लाल किताब के अनुसार, सिर पर टोपी पहनना, पगड़ी बांधना या लाल रूमाल रखना सौभाग्य को बढ़ाता है। ज्योतिष के अनुसार, लाल रंग ऊर्जा, जोश और आत्मविश्वास का प्रतीक होता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। विशेष रूप से मेष राशि वालों के लिए लाल रंग अत्यधिक शुभ माना जाता है, क्योंकि इसका स्वामी ग्रह मंगल होता है। अभिषेक शर्मा का जन्म 4 सितंबर 2000 को हुआ था और उनकी राशि मेष है। ज्योतिष के अनुसार, मेष राशि के जातकों के लिए मंगल ग्रह का मजबूत होना सफलता दिलाने में मदद करता है।

पीवी सिंधू चोटिल, बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से हटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चीन में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है जिससे देश की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक का रंग सुधारने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। यह टूर्नामेंट 11 से 16 फरवरी तक किंगदाओ में खेला जाएगा।

भारतीय खिलाड़ी अभी गुवाहाटी में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। सिंधू के अलावा शिविर में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ-साथ सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी उस भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसने टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था।

सिंधू ने एक पोस्ट में कहा, 'मैं भारी मन से यह बता रही हूं कि मैं बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करूंगी। चार फरवरी को गुवाहाटी में ट्रेनिंग के दौरान मुझे अपनी पैर की मांसपेशियों में दर्द महसूस हुआ। अपने देश के लिए पट्टी लगाकर खेलने के प्रयास करने के बावजूद एमआरआई से पता चला है कि मुझे शुरुआत में जितना लगा था चोट के ठीक होने में उससे अधिक समय लगेगा।'

सिंधू बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला महिला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद से चोटों से जूझ रही हैं। इस स्टार खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था जिसके कारण वह 2022 में विश्व चैंपियनशिप और विश्व टूर फाइनल सहित सभी शेष प्रतियोगिताओं से बाहर हो गईं थी।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत को उपविजेता दक्षिण कोरिया और मकाऊ के साथ कठिन ग्रुप डी में रखा गया है। भारत अपना अभियान 12 फरवरी को मकाऊ के खिलाफ शुरू करेगा जिसके बाद 13 फरवरी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा मुकाबला होगा। सिंधू ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह टीम की हौसलाअफजाई करेंगी।

मैनचेस्टर सिटी कड़े मुकाबले में ओरिएंट को हराकर एफए कप के पांचवें दौर में

लंदन। रीयाल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियन्स लीग प्ले ऑफ से पहले मैनचेस्टर सिटी को एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरे टीयर की टीम लेटन ओरिएंट के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए जूझना पड़ा। शनिवार को मैनचेस्टर सिटी ने ओरिएंट को 2-1 से हराकर एफए कप के पांचवें दौर में जगह बनाई। ओरिएंट की टीम स्टीफन ओर्टेगा के 16वें मिनट में दागे आत्मघाती गोल से मध्यांतर तक 1-0 से आगे थी लेकिन दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी अब्दुकोदिर खुसानोव और केविन डि ब्रून ने गोल दागकर चार बार के गत प्रीमियर लीग चैंपियन सिटी की जीत सुनिश्चित की। सिटी की टीम मंगलवार को चैंपियन्स लीग के दो चरण के प्ले ऑफ के पहले चरण में मैड्रिड की मेजबानी करेगी। न्यूकासल ने भी बर्मिंघम को 3-2 से हराकर एफए कप के अगले दौर में प्रवेश किया लेकिन आठ बार के चैंपियन चेल्सी की टीम पांचवें मिनट में बढ़त बनाने के बावजूद ब्राइटन के खिलाफ 1-2 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। बोर्नमाउथ ने भी एवर्टन को 2-0 से हराकर एफए कप के पांचवें दौर में जगह बनाई जबकि इपस्विच ने कोवेंट्री को 4-1 से शिकस्त दी। फुलहम ने विगान को 2-1 से हराया जबकि लीड्स की टीम मिलवाल के खिलाफ 0-2 की शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

सनराइजर्स को हराकर राशिद खान की एमआई केपटाउन बनी एसए 20 चैम्पियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोहानिसबर्ग, 09 फरवरी (वेब वार्ता)। पिछली दो बार आखिरी स्थान पर रही एमआई केपटाउन ने राशिद खान की कप्तानी में तीसरे सत्र में चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए दो बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप को वांडरर्स पर खेले गए फाइनल में बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 76 रन से हराकर एसए 20 खिताब अपने नाम किया। कैगिसो रबाडा ने जैसे ही 19वें ओवर की चौथी गेंद पर रिचर्ड ग्लीसन को आउट किया, मैदान पर आये 22000 से ज्यादा दर्शकों के बीच एमआई के नीले झंडे लहराते दिखाई देने लगे। पूरा स्टेडियम अपने स्थानीय नायक 'रबाडा रबाडा' के शोर से गूंज उठा जिन्होंने 3.4 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये। वहीं ट्रेंट बोल्ट ने चार ओवर में सिर्फ नौ रन देकर दो विकेट लिये। जीत के लिये 182 रन का पीछा करते हुए सनराइजर्स 105 रन पर आउट हो गए। पिछले दो मैचों में जोबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स पर लगातार जीत दर्ज करके आई एडेन मार्करम की टीम उस लय को कायम नहीं रख सकी और टॉम एबेल (30) और टोनी डि जोर्जी (26) को छोड़कर उनका कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। एमआई के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट चटकाये। पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक ले जाकर क्रिकेट जगत को चौंकाने वाले दिग्गज लेग स्पिनर राशिद ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह इससे पहले इसी टूर्नामेंट में टी20 प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे।

एमबापे और अल्वारेज ने गोल दागे, एटलेटिको मैड्रिड और रीयाल मैड्रिड का मैच ड्रॉ

मैड्रिड। काइलियान एमबापे के गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को यहां स्पेनिश फुटबॉल लीग में एटलेटिको मैड्रिड को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया और अंक तालिका के शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा। जूलियन अल्वारेज ने 35वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर एटलेटिको को 1-0 की बढ़त दिलाई लेकिन एमबापे ने 50वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया जो अंत तक बराबर रहा। इस ड्रॉ के बाद रीयाल मैड्रिड की टीम 23 मैच में 50 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है। एटलेटिको इतने ही मुकाबलों में 49 अंक के साथ दूसरे पायदान पर है। रीयाल मैड्रिड की टीम अब मंगलवार को चैंपियन्स लीग नॉकआउट दौर प्ले हाफ के पहले चरण में मैनचेस्टर सिटी से उसके मैदान पर खेलेगी। अन्य मुकाबलों में एथलेटिक बिलबाओ ने गिरोना को 3-0 से जबकि सेल्टा विगो ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रीयाल बेटिस को 3-2 से हराया। विलारीयाल ने लास पालमास को 2-1 से शिकस्त दी।

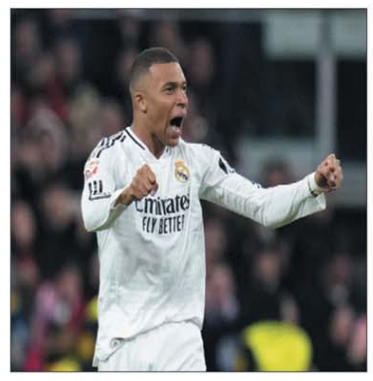

दो बार चूकने के बाद डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतना चाहती हैं जेमिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे, 09 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स पिछले दो सत्र में उपविजेता रहने के बाद महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सत्र में खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली की टीम को 2023 में पहले सत्र और 2024 में दूसरे सत्र में फाइनल में क्रमश~ मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ हार के साथ उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। इस बार जेमिमा को एक कदम आगे जाने की उम्मीद है।

जेमिमा ने दिल्ली कैपिटल्स की विज्ञप्ति में कहा, ''हमने एक टीम के रूप में पिछले दो सत्र में बहुत अच्छा और निरंतर प्रदर्शन किया है। बेशक, हम फाइनल की बाधा को पार नहीं कर पाए जिसे मुझे यकीन है कि हम पार कर लेंगे और ट्रॉफी को अपने हाथ में थामेंगे। लेकिन हम सही चीजें कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आप परिणाम को नियंत्रित नहीं कर सकते। हम टीम के रूप में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और जीतने के लिए खेलते रहेंगे।''

आगामी डब्ल्यूपीएल की तैयारियों के बारे में जेमिमा ने कहा, ''मेरी तैयारी बहुत सरल है। मैच में मुझे जिन चीजों का सामना करना होगा, मैं उन परिस्थितियों को अभ्यास में दोहराने की कोशिश करूंगी। चाहे वह आक्रामक तरीके से खेलना हो या एक छोर से पारी को संभालना हो।''

उन्होंने कहा, ''इसमें बहुत अधिक पावर-हिटिंग भी है क्योंकि यह टी20 है। इसलिए मैं भारी गेंदों का इस्तेमाल करती हूं जिससे मुझे अपने बल्ले को तेजी से घुमाने में मदद मिलती है और अधिक ताकत मिलती है।'' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने 18 डब्ल्यूपीएल मैचों में 143.82 के स्ट्राइक रेट से 381 रन बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल टेलीकॉम के पूर्व एमडी समेत दो के विरुद्ध केस दर्ज

कंचनपुर, एजेंसी। नेपाल के कंचनपुर में नेपाल टेलीकॉम के पूर्व प्रबंध निदेशक और राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक सुनील पौडेल के खिलाफ केंद्रीय जांच आयोग ग (सीआईए) ने भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। आयोग ने ठेकेदार कंपनी से मिलीभगत कर सामान रिश्वत लेने के आरोप में स्पेशल कोर्ट में केस दर्ज कराया। सीआईए ने कहा, 12.428 करोड़ रुपये के सामान की खरीदारी में 3.085 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई। सीआईए ने रिश्वत देने वाली कंपनी के निर्देशक दीपक आनंद को भी प्रतिवादी बनाया है।

खुफिया मुहिम में 12 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अळांक उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक खुफिया-आधारित मुहिम में 12 आतंकवादियों को मार गिराया है। उत्तरी वजीरिस्तान के हसन खेल इलाके में 5-6 फरवरी की रात को हुए अभियान में एक सुरक्षाकर्मी भी मारा गया। अभियान में सुरक्षा बलों ने आतंकी ठिकाने को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। विद्रोहियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए, जो सुरक्षा बलों के साथ-साथ नागरिकों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। मालूम हो कि पाकिस्तान में आए दिन आतंकी हमले होते रहते हैं। इन दिनों तहरीक-ए-तालिबान के आतंकियों ने सेना का जीना मुश्किल कर रखा है। आए दिन पाकिस्तानी सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ होती रहती है।

नेतन्याहू ने ट्रंप को गिफ्ट किया गोल्डन पेजर

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गोल्डन पेजर गिफ्ट किया। मंगलवार को व्हाइट हाउस में अपनी मीटिंग के दौरान नेतन्याहू से गोल्डन पेजर प्राप्त करने के बाद ट्रंप ने इसे शानदार ऑपरेशन बताया। बता दें कि 17 सितंबर, 2024 को पेजर धमाके में हिजबुल्ला के 37 लड़ाके मारे गए थे और करीब 3,000 घायल हुए थे। घायल होने वाले कई आम नागरिक भी थे। टाइम्स ऑफ इस्राइल ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के हवाले से पुष्टि करते हुए कहा कि यह उपहार प्रधानमंत्री के उस फैसले का प्रतीक है, जिसने युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया और आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला की इच्छाशक्ति को तोड़ने की शुरुआत की थी।

सपनों के लिए सब दांव पर ! अमरीका जाने के लिए डंकी रूट का नया हब बना दुबई

दुबई, एजेंसी। पंजाब के कई परिवार अपने बच्चों को अमरीका भेजने के लिए जमान-जायदाद व पशु धन तक दांव पर लगा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद उनके सपने अधूरे रह गए हैं। पंजाब कई युवक दिल्ली, दुबई और यूनाइटेड किंगडम जैसे स्थानों से सक्रिय एजेंटों के नेटवर्क में फंस गए, जो अवैध रूप से अमरीका भेजने का दावा करते हैं। पंजाब सरकार की टीमें गुरुवार को विभिन्न जिलों में पहुँचीं ताकि डिपोर्ट किए गए युवाओं की यात्रा और उनके अनुभवों की जानकारी इकट्ठा कर सकें। इन युवाओं ने उन एजेंटों के नाम भी बताए, जिन्हें उन्होंने अमरीका पहुँचाने के लिए बड़ी रकम दी थी। सरकारी जांच के मुताबिक, दुबई अब अमरीका जाने वाले 'डंकी' रूट का मुख्य केंद्र बन चुका है। पंजाब में कुछ लोग दुबई के एजेंटों से जुड़े हुए हैं, और उनके नेटवर्क की गहन जांच की जाएगी। पंजाब सरकार ने डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए हैं कि वे डिपोर्ट किए गए युवाओं को सही दिशा दिखाने और वैकल्पिक करियर विकल्पों की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। सरकार युवाओं को कौशल विकास योजनाओं, निजी क्षेत्र में नौकरियों और यहाँ तक कि सेना में भर्ती होने के लिए आवेदन करने की सलाह दे रही है।

ब्रिटिश नौसेना में महिला अधिकारी वर्दी के रूप में पहन सकेंगी साड़ी

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नौसेना ने अपने औपचारिक ड्रेस कोड को अधिक समावेशी बनाने के लिए महिला अधिकारियों को वर्दी के एक भाग के रूप में साड़ी पहनने की अनुमति दी है। नए ड्रेस कोड के तहत महिला अधिकारी औपचारिक अवसरों पर मेस जैकेट के नीचे साड़ी सहित अन्य सांस्कृतिक परिधान पहन सकती हैं।

लिंक्डइन पर दी जानकारी: इंटरनेट मीडिया लिंक्डइन पर रॉयल नेवी रेस डायवर्सिटी नेटवर्क के अध्यक्ष लांस कार्पोरल जैक कनानी ने एक फोटो साझा कर इसकी जानकारी दी। कनानी की तस्वीर में कैप्टन दुर्दाना अंसारी वर्दी जैकेट के नीचे साड़ी पहने दिख रही हैं। कनानी ने कहा कि यह नीति वर्दी में शामिल सांस्कृतिक कपड़ों के क्रमिक विस्तार के अनुरूप है।

नीति में बदलाव से पहले ली गई राय: रिपोर्ट के अनुसार, कनानी ने बताया कि मौजूदा नीति में पहले से स्कॉटिश, आयरिश, वेल्श, कार्निश और मैनक्स विरासत को किल्ट्स और टार्टन ड्रेस पहनकर प्रदर्शित करने की अनुमति है। अब रॉयल नौसेना में सेवा देने वाली अन्य ब्रिटिश संस्कृतियों को भी शामिल किया गया है। कनानी ने बताया कि नीति में संशोधन से पहले महिलाओं से राय ली गई थी। इससे समझा गया कि सांस्कृतिक मेस ड्रेस पर मौजूदा नीति को व्यापक बनाने से उन्हें अपनी रॉयल नौसेना और सांस्कृतिक विरासत दोनों का जश्न मनाने का मौका मिलेगा। पिछले मेस नियम अभी भी लागू हैं, जिसमें अधिकारियों को सांस्कृतिक पोशाक या साड़ी पहनने के बाद भी उसके ऊपर से कमर से ऊपर मेस जैकेट, शर्ट और बो-टाई पहननी होगी।

इंसान को लगाई गई सुअर की किडनी, सफल रहा प्रत्यारोपण; जीन में बदलाव करके विज्ञानियों ने किया कमाल

बोस्टन एजेंसी। विज्ञानियों ने सुअर के जीन में बदलाव कर उसकी किडनी इंसान में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित की है। अभी मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आ गया है। इस कामयाबी से भारत समेत दुनिया भर में किडनी फेल्योर का सामना कर रहे लाखों मरीजों के लिए उम्मीद की एक किरण जगी है कि उनको प्रत्यारोपण के लिए बहुत लंबा इंतजार नहीं करना होगा। सर्जनों ने जनवरी माह में सुअर की किडनी को 66 वर्षीय व्यक्ति में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया है। यह किडनी ऐसे सुअर की है जिसके जीन में बदलाव किया गया था। मरीज की किडनी फेल हो गई थी। मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।

सुअर की किडनी लगाने के लिए टिम एंड्रयूज की जनवरी के अंत में सर्जरी हुई थी और उनको एक सप्ताह बाद हास्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अमेरिका में सुअर की किडनी का यह चौथा प्रत्यारोपण था। वहीं, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मंजूर किए गए क्लीनिकल ट्रायल के तहत सुअर की किडनी का यह पहला प्रत्यारोपण था। क्लीनिकल ट्रायल के तहत तीन किडनी प्रत्यारोपण किए जाने हैं। इससे पहले प्रत्यारोपण के बाद दो मरीजों की कम समय में ही मौत हो गई थी। इनमें से एक मरीज प्रत्यारोपण से पहले गंभीर रूप से बीमार था। अमेरिका में एक लाख से अधिक व्यक्ति प्रत्यारोण अंगों के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों को किडनी का प्रत्यारोण कराना है। मगर मानव दाता अंगों की किल्लत है और यह माना जा रहा है कि वेटिंग में ही बहुत से लोगों की मौत हो जाएगी। प्रत्यारोपण अंगों की कमी को दूर करने के लिए कई बायोटेक कंपनियां सुअरों के जीन में बदलाव कर रही हैं, जिससे उनके अंगों को मानव शरीर आसानी से रिजेक्ट न करे। नया क्लीनिकल ट्रायल जीन में बदलाव किए गए पशु अंगों पर किए गए दो अध्ययनों में से एक है, जिनको इस सप्ताह की शुरुआत में रेग्युलेटर से मंजूरी मिली है। क्लीनिकन ट्रायल में बायोटेक कंपनी इंजेनेसिस द्वारा तैयार किए गए अंगों का इस्तेमाल हो रहा है। दूसरा क्लीनिकल ट्रायल इसी वर्ष आने वाले महीनों में छह मरीजों के साथ शुरू होगा। बाद में मरीजों की संख्या बढ़ कर 50 पहुंच जाएगी।

शी चिनफिंग के सामने जरदारी ने अलापा कश्मीर राग, चीन बोला- कश्मीर मुद्दा शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए

दोनों देश प्रशिक्षण, अभ्यास और सैन्य प्रौद्योगिकी में बढ़ाएंगे सहयोग

चीन-पाक के बीच खुफिया जानकारी साझा करने पर भी सहमति

बीजिंग एजेंसी। आधिकारिक यात्रा पर चीन आए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ हुई बातचीत में कश्मीर मुद्दे को उठाया। वार्ता में दोनों देशों ने क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में अपने रक्षा सहयोग के महत्व को दोहराया। मंगलवार को पांच दिन की यात्रा पर बीजिंग पहुंचे जरदारी ने बुधवार को शी चिनफिंग से मुलाकात की। शुक्रवार को जरदारी ने हार्बिन में नौवें एशियाई शीतकालीन खेलों में भाग लिया। चिनफिंग ने शीतकालीन खेलों का उद्घाटन किया। जरदारी की बीजिंग यात्रा के बाद गुरुवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू-कश्मीर की स्थिति के नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराया। चीनी पक्ष ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर विवाद इतिहास की देन है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित एवं शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। रक्षा संबंधों पर संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक रक्षा और सुरक्षा सहयोग क्षेत्र में शांति, स्थिरता और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष संयुक्त प्रशिक्षण, अभ्यास और सैन्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। जरदारी की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना में कार्यरत चीनी कर्मियों के विरुद्ध बार-बार होने वाले आतंकी हमलों से निपटने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है।

चार जजों ने चीफ जस्टिस को लिखा पत्र, नई न्यायिक नियुक्तियों में देरी की अपील की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने चीफ जस्टिस (सीजेपी) याह्या अफरीदी को पत्र लिखा और विवादित 26वें संविधान संसोधन पर फैसला होने तक नए जजों की नियुक्ति में देरी करने का अनुरोध किया। इस संविधान संसोधन को पिछले साल पारित किया गया था। इसमें सरकार को सीजेपी और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति में अधिक अधिकार दिए गए थे।

26वें संविधान संशोधन के बाद की गई नियुक्तियों को लेकर आरोप लगे हैं कि यह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपने पसंदीदा जजों को नियुक्त करने का प्रयास है। इस संशोधन को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं आया है।

जिन चार जजों ने यह पत्र लिखा है, उनमें जस्टिस मंसूर अली शाह, जस्टिस मुनीब अख्तर, जस्टिस आयशा मलिक और जस्टिस अतहर मिनल्लाह शामिल हैं। इस पत्र को न्यायिक आयोग के अध्यक्ष को भेजा गया गया। इसमें कोर्ट में न्यायिक नियुक्तियों और चल रहे संविधान संशोधन पर फोकस करने के लिए पूर्ण कोर्ट बनाने की अपील की गई है। पत्र में इस बात पर चिंता जताई गई है कि आने वाली न्यायिक नियुक्तियां विवाद पैदा कर सकती हैं और संविधान संशोधन मामले पर इसका असर पड़ सकता है। जजों ने यह भी कहा कि अगर नए जजों की नियुक्ति की जाती है तो इससे पूर्ण कोर्ट ढांचे पर विवाद हो सकता है। इन जजों ने कहा कि संविधान संशोधन मामले की सुनवाई कर रही संविधान पीठ का विस्तार किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि इस मामले में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। पत्र में यह भी कहा गया कि मामले में पहले ही देरी हो चुकी है और आगे किसी भी जल्दबाजी में नियुक्तियां न की जाएं। जजों ने यह भी चिंता जताई कि इस समय की जाने वाली नियुक्तियों न्यायिक प्रक्रिया पर जनता के भरोसे को कमजोर कर सकती है। पत्र में हाल ही में तीन जजों के इस्लामाबाद हाईकोर्ट (आईएचसी) में तबादले किए जाने पर हुए विवाद का भी जिक्र किया गया है। इनमें से एक जज, जो लाहौर हाईकोर्ट से ट्रांसफर हुए थे, पहले वरिष्ठता की सूची में 15वें स्थान पर थे, लेकिन अब वह चीफ जस्टिस के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ जज बन गए हैं। इस ट्रांसफ ने भी विवाद खड़ा कर दिया है और प्रभावित पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में दखल की मांग की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अमेरिका में एच-1बी वीजा के लिए पंजीकरण हो रहा शुरू

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका की नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने घोषणा की है कि फिस्कल ईयर 2026 के लिए एच-1बी वीजा पंजीकरण प्रक्रिया 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। इस बार 24 मार्च 2025 तक इच्छुक आवेदक पंजीकरण करा सकते हैं। यूएससीआइएस ने बताया कि इस बार चयन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए नई सुधारात्मक प्रणाली अपनाई गई है। एच-1बी वीजा की अमेरिका में उच्च मांग रहती है, खासकर आइटी और इंजीनियरिंग क्षेत्र में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए। हर साल हजारों भारतीय इस वीजा के जरिए अमेरिका में नौकरी के अवसर तलाशते हैं। यूएससीआइएस के अनुसार, इस बार की चयन प्रक्रिया 2026 फिस्कल ईयर के लिए होगी। अमेरिका में कई टेक कंपनियां और बहुराष्ट्रीय संस्थान भारतीय पेशेवरों पर काफी निर्भर हैं, जिससे यह वीजा खासकर आईटी और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यूएससीआइएस ने बताया कि इस बार पंजीकरण शुल्क 215 डॉलर होगा, जो पिछले वर्षों की तुलना में अधिक है।

समय से पहले ही धरती पर लौटेंगी सुनीता विलियम्स, नासा ने तय कर दी तारीख

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके अंतरिक्ष के साथी विल्मोर बुच पिछले साल जून से ही अंतरिक्ष में हैं। दोनों की वापसी लगातार टल रही है। मार्च के आखिरी या फिर अप्रैल के पहले हफ्ते में दोनों की वापसी की संभावना जताई गई थी, लेकिन अब इससे पहले ही सुनीता और विल्मोर वापस धरती पर आ सकते हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री की वापसी के लिए नासा अब 19 मार्च की तारीख पर विचार कर रहा है। डेली मेल ने नासा के सूत्रों के हवाले से बताया है कि स्पेस एजेंसी सुनीता और विल्मोर को 19 मार्च के आसपास ही पृथ्वी पर वापस ले आएगी। यह पहले घोषित समय सीमा से लगभग दो हफ्ते पहले है। दोनों के चाहने वालों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं है।

सुनीता विलियम्स और विल्मोर की वापसी के लिए हो रहा यह बदलाव स्पेसएक्स के क्रू-10 मिशन के अंतरिक्ष यान असाइनमेंट में बदलाव से जुड़ा हुआ है। सुनीता जून के पहले हफ्ते में सिर्फ एक हफ्ते के लिए अंतरिक्ष पर गई थीं, लेकिन उनके अंतरिक्ष यान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी, जिससे दोनों की वापसी लगातार टलती रही। बाद में एलन मस्क के स्पेसएक्स से दोनों की वापसी का ऐलान हुआ।

विल्मोर और विलियम्स स्पेसएक्स क्रू-9 के कैप्सूल से वापसी करेंगे। यह 29 सितंबर से स्पेस स्टेशन में मौजूद है, लेकिन नासा ने तय किया है कि जब तक क्रू-10 स्पेस स्टेशन नहीं पहुंच जाता, तब तक क्रू-9 वहां से धरती के लिए रवाना नहीं हो सकता। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क से कहा था कि वे सुनीता और विल्मोर को जल्द अंतरिक्ष से वापस लेकर आएं। इसके साथ ही, ट्रंप ने बाइडन पर दोनों अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में फंसाने का भी आरोप लगाया था। नासा के सूत्रों ने आर्स टेक्निका को बताया कि यह आकस्मिक योजना ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से पहले ही शुरू हो गई थी और हाल ही में इसे हरी झंडी दी गई है। गुरुवार की घोषणा को राष्ट्रपति की राजनीतिक जीत के रूप में देखा जा सकता है। मस्क ने 28 जनवरी को एक्स पर पोस्ट किया था कि ट्रंप ने स्पेसएक्स से कहा है कि वे जल्द से जल्द अंतरिक्ष में फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को वापस घर ले आएं। अरबपति ने कहा कि उनकी कंपनी ऐसा करेगी, उन्होंने कहा कि यह भयानक है कि बाइडन प्रशासन ने उन्हें इतने लंबे समय तक वहां छोड़ दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में योजना की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, मैंने अभी एलन मस्क और स्पेसएक्स से कहा है कि वे उन दो बहादुर अंतरिक्ष यात्रियों को वापस ले आएं जिन्हें बाइडन प्रशासन ने अंतरिक्ष में लगभग छोड़ दिया है। वे कई महीनों से इंतजार कर रहे हैं। एलन जल्द ही अपने रास्ते पर होंगे।

पंजाब में किसानों से बिजली बिल वसूलने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, गवर्नर का सरकार पर आरोप

लाहौर , एजेंसी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में किसानों के खिलाफ की जा रही सरकारी कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पंजाब के गवर्नर सरदार सलीम हैदर खान ने सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार पर आरोप लगाया है कि वह किसानों पर अत्यधिक दबाव बना रही है और जबरन बिजली बिल वसूलने के लिए उनके घरों पर छापे डलवा रही है।

गुरुवार को लाहौर स्थित गवर्नर हाउस में विभिन्न किसान संगठनों के 80 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान गवर्नर खान ने कहा कि किसानों के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार शहरों में खाद्य कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए किसानों को उनकी आजीविका से वंचित कर रही है, जो पूरी तरह से गलत है। गवर्नर का यह बयान तब आया जब खबरें सामने आईं कि सरकार ने गांवों में बिजली बिलों की जबरन वसूली के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स सहित सुरक्षा बलों को तैनात किया है। कई किसानों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस कार्रवाई का विरोध किया तो उनके खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर दी।

किसानों के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए गवर्नर खान ने संघीय सरकार और किसानों के बीच बातचीत को आसान बनाने के लिए तीन सदस्यीय विशेष समिति गठित करने की घोषणा की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस समिति के माध्यम से किसानों की समस्याओं को हल करने की कोशिश की जाएगी। बैठक में पाकिस्तान किसान इत्तेहाद (पीकेआई) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) दक्षिण पंजाब के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई और कृषि क्षेत्र की अनदेखी के कारण किसानों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। प्रतिनिधियों ने कहा कि खाद, बीज और कृषि रसायनों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, जबरन वसूली व हथियारों की करते थे तस्करी

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पाम्बेई) के दो उग्रवादियों को शनिवार को जिले के नारनकोन्जिल इलाके से गिरफ्तार किया है। दोनों उग्रवादी जबरन वसूली की गतिविधि और हथियारों व गोला-बारूद की अवैध तस्करी में भी शामिल थे। उनके कब्जे से एक .32 पिस्तौल और 3,120 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक उग्रवादी को शनिवार को कांगजाबी लीराक माचिन इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

एयरपोर्ट पर केन्याई यात्री को रोका, जांच में पेट से निकले 67 कोकीन कैप्सूल

-इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 14.94 करोड़ आंकी गई

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क (कस्टम्स) अधिकारियों ने ड्रग तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया है। यहां अदीस अबाबा (इथियोपिया) से आए केन्याई नागरिक को संदेह के आधार पर रोका गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने कोकीन से भरी 67 कैप्सूल खा रखी है, जिसे भारत में तस्करी के लिए लाया गया था। जानकारी के मुताबिक कस्टम्स अधिकारियों ने यात्री की गतिविधियों पर संदेह होने पर उसे टर्मिनल-3 पर रोक कर जांच की गई। केन्याई नागरिक को टर्मिनल-3 पर प्रिवेंटिव कस्टम्स ऑफिस ले जाया गया और पूछताछ की। पहले तो वह गुमराह करता रहा, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल निगल रखे हैं। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में यात्री के पेट से 67 कैप्सूल निकाले गए। जब इन्हें काटकर देखा गया, तो उनमें 996 ग्राम हाई-प्योरिटी कोकीन मिली। शुरुआती जांच में पुष्टि हुई कि यह कोकीन है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 14.94 करोड़ आंकी गई है। इसकी मात्रा को देखते हुए कहा गया है कि यह बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का हिस्सा था, जो भारत में ड्रग्स लेकर आया था। यात्री को 7 फरवरी को एनडीपीएस एक्ट के तहत तस्करी और प्रतिबंधित सामान रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ जब्त कोकीन को सुरक्षित कर लिया है। ड्रग तस्करी में तस्कर प्लास्टिक या लेटेक्स से बने छोटे कैप्सूल में नशीला पदार्थ भरकर उन्हें निगल लेते हैं, ताकि एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच में पकड़े न जाएं। यह तरीका जानलेवा भी हो सकता है, क्योंकि अगर पेट के अंदर कैप्सूल फट जाए, तो तस्कर की मौत भी हो सकती है।

यौन शोषण मामले में जबरियां टेस्ट नहीं कराई जा सकती मर्दानगी : न्यायालय

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि यौन उत्पीड़न के आरोपी पुरुषों को अनिवार्य रूप से 'मर्दानगी परीक्षण' या 'पोटेंसी टेस्ट' से नहीं गुजरना होगा। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश और जस्टिस सुंदर मोहन की बेंच ने चिदंबरम में एक पुरुष छात्र और नाबालिग लड़की से जुड़े मामले सहित कई मामलों की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जिला स्तर के सत्र न्यायालयों को यौन उत्पीड़न के मामलों में गिरफ्तार पुरुषों के लिए पोटेंसी टेस्ट का आदेश नहीं देना चाहिए। राज्य की ओर से पेश हुए अभियोजक ने अदालत को बताया किया कि अधिकारी टू-फिंगर टेस्ट पर प्रतिबंध लगाने के अदालत के आदेशों का ईमानदारी से पालन कर रहे हैं। हालांकि, एक अन्य आदेश, जिसमें आपराधिक मामले के निपटारे तक भ्रूण को संरक्षित रखने की बात कही गई थी, सभी सरकारी अस्पतालों में ऐसी सुविधाओं की कमी के कारण ठीक से पालन नहीं किया जा सका। इस पर, हाईकोर्ट ने सरकार को सरकारी अस्पतालों में ऐसी सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी खुद को निर्दोष साबित करने के लिए पोटेंसी टेस्ट कराना चाहता है तो वह अदालत का रुख कर सकता है, लेकिन किसी को भी इस परीक्षण के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि इस आदेश को सभी पुलिस स्टेशन निरीक्षकों तक पहुंचाया जाए। कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पुरुषों को पोटेंसी टेस्ट के लिए मजबूर न किया जाए।

कोर्ट परिसर में पति ने पत्नी के सामने कर ली आत्महत्या

- महाराष्ट्र के पुणे का मामला, पति नहीं चाहता था तलाक हों

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में हाल ही में शिवाजीनगर अदालत परिसर में एक व्यक्ति ने पत्नी के सामने आत्महत्या कर ली। उसका पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। पत्नी ने कोर्ट में उसके खिलाफ केस किया था। पति कोर्ट में सुनवाई पर आया और यहां पत्नी से उसकी बहस हुई। उसने वहीं जहर खा लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान पशान निवासी सोहेल येनिघुरे (28) के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि सोहेल का उनकी पत्नी के साथ झगड़े होते थे। बीते दिनों उसकी पत्नी मायके चली गई और पति के खिलाफ केस कर दिया। सोहेल और उसकी पत्नी के बीच तलाक का केस चल रहा था। पुलिस ने बताया कि सोहेल पत्नी को तलाक नहीं देना चाहता था जबकि वह उसके साथ रहने को तैयार नहीं थी। दोनों के बीच काउंसलिंग के प्रयास किए गए लेकिन असफल रहे। फैमिली कोर्ट में बने काउंसलिंग सेंटर में दोनों को बुलाया गया था। यहां उनके बीच फिर से बहस हुई। इस दौरान सोहेल ने वहीं पत्नी के सामने ही जहर खा लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोहेल के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

केजरीवाल के सामने पार्टी को एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती

– आम आदमी पार्टी में मचेगी भगदड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्ना आंदोलन से निकले अरविंद केजरीवाल ने 2 अक्टूबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनाई थी। 2013 के अंत में उन्होंने दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ा। पहली ही बार में 28 विधानसभा की सीटें जीतकर कांग्रेस और भाजपा को ठिकाने लगा दिया था। पहले सरकार 49 दिन की रही। कांग्रेस के समर्थन से बनी थी। उसके बाद 2015 का चुनाव दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से उन्होंने 67 सीटों के भारी बहुमत से जीती। 2020 का चुनाव 62 सीटों के साथ जीता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होते हुए दिल्ली की जीत ने केजरीवाल को राष्ट्रीय स्तर का नेता बना दिया था। उसके बाद से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल राष्ट्रीय पार्टी बनकर सारे देश में धूम-धड़ाका कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहे थे।

2020 के बाद से भाजपा ने आम आदमी पार्टी को नेस्त नाबूत करने के लिए हर संभव प्रयास शुरू कर दिए थे। भारतीय जनता पार्टी को इसमें सफलता मिली। एक्साइज घोटाले में मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। केंद्र सरकार ने सत्येंद्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा विधायकों और मंत्रियों को जेल भेजा। दिल्ली सरकार के पर कतरने के लिए अध्यादेश लाये। मुख्यमंत्री के ऊपर एलजी को बैठा दिया। केजरीवाल की इमेज भ्रष्टाचारी और झूठे नेता के रूप में बना दी। पिछले कई वर्षों से कोई काम नहीं करने दिया। केंद्र और राज्य सरकार के झगड़े में मतदाताओं ने भी केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। जिसके कारण दिल्ली के इस चुनाव में करारी पराजय अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को झेलना पडी।

चुनाव के पहले ही आम आदमी पार्टी के 7 विधायक भारतीय जनता पार्टी में चले गए थे। इस पराजय के बाद आम आदमी पार्टी में भगदड़ मचना तय है।अरविंद केजरीवाल ने अपने 11 साल के राजनीतिक जीवन में दुश्मनों की बहुत बड़ी लाइन खड़ी कर ली है। जिसके कारण आम आदमी पार्टी का अस्तित्व बना रहेगा,या नहीं। यह उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने पिछले 5 वर्षों में आम आदमी पार्टी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए जो राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रयास किए हैं। केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल के पिछले 10 सालों के कामकाज की जांच कराकर और आने वाले कुछ ही महीनो में पंजाब सरकार को ठिकाने लगाकर, आम आदमी पार्टी को तगड़ी चुनौती देने की तैयारी कर रही है। ऐसी स्थिति में अब आम आदमी पार्टी के अस्तित्व और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी में पकड़ बनी रहेगी या नहीं। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पार्टी को एकजुट रखने की है। जितनी तेजी के साथ आम आदमी पार्टी ने देश के कई राज्यों में अपनी पहचान बनाई थी। एक ही झटके में आम

आदमी पार्टी का अस्तित्व खत्म होते नजर आ रहा है।ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी यदि बनी रह जाए। यह बहुत बड़ी बात होगी।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने इशारों ही इशारों में बता दिया दिल्ली के सीएम का नाम

नई दिल्ली। दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा। इस पर पूरे देश की नजर है। सियासी गलियों में लोग सीएम के नाम की टोह लेते नजर आ रहे है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, इस संबंध में किसी भी अटकलों पर ध्यान न दें। लगभग तीन दशकों से पार्टी सत्ता में नहीं थी। हमें आने वाले पांच वर्षों के लिए एक चेहरा देना है। यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। इस पर फैसला लेने के लिए काफी आत्ममंथन की जरूरत है। कोई भी इस पोस्ट के लिए यूं ही दावा नहीं कर सकता। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस बारे में फैसला करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, हरदीप पुरी ने एक इंटरव्यू में कहा-यह जनादेश सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं है। यह उससे कहीं बड़ा है। क्योंकि यह एक ऐसे मॉडल को ध्वस्त करके मिली है, जो धोखे ओर धोखाधड़ी पर बेस्ड था। बिजली सब्सिडी दी गई, वह तो ठीक हैजिन्हें इसकी जरूरत है, उन्हें मिलना भी चाहिए। लेकिन बढ़े हुए बिजली बिलों के बारे में बात क्यों नहीं गई, जिनके जरिए धोखाधड़ी की जा रही थी। बीजेपी की सरकार सारी योजनाओं को लागू रखेगी लेकिन भ्रष्टाचार को खत्म करके रहेंगे।

आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने बंगाल के सिस्टम में सड़न को उजागर किया: प्रधान

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना यह साबित करती है कि राज्य का सिस्टम पूरी तरह सड़ चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में गुंडों को नागरिक पुलिस जैसी सामाजिक पहलों में शामिल किया गया है। उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस तरह की घटना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, जो कुछ आर. जी. कर में हुआ, वह गंभीर चिंता का विषय है। समाज की सुरक्षा के लिए बनाए गए तंत्र में गुंडों की भर्ती इस बात का संकेत है कि यह व्यवस्था सड़ चुकी है। यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। प्रधान का इशारा कोलकाता पुलिस के सिविक

वॉलंटियर संजय रॉय की ओर था। संजय राय को नौ अगस्त 2023 को प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की घटना में दोषी ठहराया गया था। पीड़िता के परिवार और प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का दावा है कि इस अपराध में अकेला संजय रॉय शामिल नहीं था। यह एक बड़ी साजिश थी जिसमें घटना की रात आसपास मौजूद कई अन्य लोग भी शामिल थे। प्रधान ने कहा, हम चाहते हैं कि पीड़िता के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। उनकी बेटी देश की हर एक महिला का प्रतिनिधित्व करती है। हमें सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) पर भरोसा है और धैर्य रखना होगा।

बीजेपी की जीत पर खुश हुईं कंगना रनौत, दिल्ली को दी बधाई

-अनुपम खेर ने केजरीवाल की हार का कनेक्शन कश्मीर पंडितों के साथ किया

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद, अभिनेत्री और लोकसभा क्षेत्र मंडी की सांसद कंगना रनौत ने अपनी खुशी व्यक्त की। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने दिल्ली को बधाई दी। इस पर पूर्व नट अनुपम खेर और फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। अनुपम खेर ने केजरीवाल की हार द्वपर युक्तिसंगत टिप्पणी की और उन्होंने बताया कि किसी की पीड़ा का मजाक उड़ाना ठीक नहीं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से हार का कनेक्शन कश्मीर पंडितों के साथ किया और श्राप के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने विवेक रंजन अग्निहोत्री की पोस्ट का समर्थन भी किया। विवेक रंजन ने भी केजरीवाल की हार पर करारा व्यंग्य किया और बताया कि हर हिसाब यहीं पर होने की बात। वे उन्होंने भी दिल्ली चुनाव के

मामले में करारा सामना किया। इसके साथ ही उन्होंने वैकल्पिक तरीके से समर्थन दिया और अनुपम खेर के नारे का समर्थन किया। इस प्रकार, राजनैतिक और सांस्कृतिक घटनाओं की चर्चा जारी रहेगी और सोसाइटी में यह नए सोच और विचार के साथ जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। अभिनेता अनुपम खेर ने अरविंद केजरीवाल की एक पुरानी तस्वीर को एक्स हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, वैसे तो किसी को भी पीड़ा पहुंचाना ठीक नहीं, लेकिन जिनके साथ गहरा अन्याय हुआ हो! उन पर हंसना, उनकी पीड़ा का मजाक उड़ाना, उनकी आत्मा को दुःख पहुंचाना, ये इंसानियत की सभी हदों को पार करना होता है और फिर उस दुखी आत्मा से ना चाहते हुए भी एक आह निकलती है और वही आह आगे जाकर एक श्राप का रूप धारण कर लेती है। शेयर की गई तस्वीर की ओर इशारा करते हुए अभिनेता ने आगे लिखा ?कि इस तस्वीर के लोगों के साथ शायद ऐसा ही हुआ है! यह विधि का विधान है! जिस दिन दिल्ली की विधानसभा में इन लोगों ने ठहाके लगाए थे, उस दिन लाखों कश्मीरी पंडितों ने खून के और बेबसी के आंसू बहाए थे। अनुपम खेर से पहले फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने भी एक पोस्ट शेयर किया था, जिस पर वह केजरीवाल की हार पर करारा व्यंग्य करते नजर आए थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की हार पर विवेक रंजन ने व्यंग्य भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने हर हिसाब यहीं पर होने की बात कही।

मनीष का छलका द ़र्द बोले- आज नहीं तो कल जनता फिर देगी मौका

नई दिल्ली। मैं दिल्ली की जनता का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मु ो 12 वर्षों तक उनकी सेवा करने का और बच्चों का भविष्य संवारने का अवसर दिया। अगर शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है, तो राजनीति ही उसका जरिया है। इसलिए मैंने अपना जीवन शिक्षा को समर्पित किया है और अ गे भी इसके लिए काम करता रहूँगा। जय हिन्द .... ये शब्द आप नेता मनीष सिसोदिया के हैं जिन्होंने एक वीडियो शेयर कर दिल्ली की जनता के लिए लगातार काम करने का भरोसा दिलाया है। वीडियो में सिसोदिया ने कहा, मस्कार, मैं दिल्ली के लोगों का बहुत शुक्रगुजार हूं कि 12 साल तक मुझे, आम आदमी पार्टी को अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में राजनीति करने के लिए अवसर दिए, काम करने के लिए अवसर दिए। मैंने कभी सोचा भी नह था कि मैं राजनीति में आऊंगा। एमएलए बनना, मंत्री बनना, ये सब तो बहुत दूर की बात थी, कभी सोचा भी नहीं था, लेकिन आपने मौका दिया, राजनीति में आने का मौका दिया, एमएलए बनने का मौका दिया, मंत्री के रूप में का करने का मौका दिया। बता दें कि मनीष सिसोदिया ने इस बार पटपड़गंज सीट छोड़कर जंगपुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। जहां उन्हें भाजपा उम्मीदवार तरविंदर सिंह मारवाह के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भा जपा के मारवाह ने सिसोदिया को 675 मतों के मामूली अंतर से हरा दिया। मारवाह को 38,859 वोट मिले, जबकि सिसोदिया को 38,184 वोट मिले।

आप की हार से उद्धव और शरद पवार दुखी, केजरीवाल को मानते थे मजबूत नेता

-बीजेपी का दिल्ली चुनाव में जीत का महाराष्ट्र में भी मन रहा उत्सव

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की हार से महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को झटका लगा है। दिल्ली चुनाव में बीजेपी की जीत ने न केवल राजधानी में बल्कि महाराष्ट्र में भी उत्सव का माहौल बना दिया है। महाराष्ट्र में हालांकि आप का कभी चुनावी आधार नहीं रहा है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद गुट) ने केजरीवाल में एक मजबूत और प्रतिबद्ध नेता देखा था। जो बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाने का साहस रखता था। उद्धव ठाकरे, शरद पवार और आप नेता अक्सर इंडिया गठबंधन में एक साथ दिखते थे, ताकि अपने-अपने राज्यों में बीजेपी का मुकाबला कर सकें।

अरविंद केजरीवाल का महाराष्ट्र से जुड़ाव 2011-12 में देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से जुड़ा है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने पुणे जिले के रालेगांव से इसका नेतृत्व किया था। उस समय अरविंद केजरीवाल, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, किरण बेदी, मेधा पाटकर, स्वामी अग्निवेश, और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे और लोकपाल विधेयक को पारित करने की मांग कर रहे थे।

अब अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल के बीच मतभेद बढ़ चुके हैं। अन्ना ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप के खिलाफ वोट डालने की अपील की थी। उन्होंने कहा था, कि एक नेता को हमेशा निस्वार्थ और ईमानदार होना चाहिए। अगर आपको लोगों का समर्थन चाहिए तो ये जरुरी गुण हैं। केजरीवाल को शिवसेना और एनसीपी ने एक मजबूत और प्रतिबद्ध नेता के रूप में देखा था। कई मौके पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने आप की मदद की और इसके नेताओं ने भी बीजेपी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रैलियों में भाग लिया था। जब बीजेपी ने ऑपरेशन लोटस के तहत शिवसेना और एनसीपी को तोड़ा, आप नेता केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगहों पर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोलने आगे आए थे। केजरीवाल ने जब केंद्र द्वारा एक कानून लाकर ग्रुप-ए अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग को नियंत्रित करने की कोशिश की तब वह उद्धव ठाकरे से समर्थन मांगने के लिए मातोश्री भी गए थे।

आप की दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को न केवल चौंका दिया, बल्कि यह उन दोनों दलों के लिए निराशा का कारण बन गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि बीजेपी ने दिल्ली चुनावों में वही रणनीति अपनाई जो उसने महाराष्ट्र में अपनाई थी, जैसे केंद्रीय एजेंसियों के जरिए केजरीवाल को परेशान करना, पार्टी नेताओं को गिरफ्तार करना और फर्जी मतदाता सूची बनाना। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हार के बाद क्षेत्रीय दलों ने उम्मीद जताई थी कि आप अब बीजेपी के खिलाफ मजबूत होगी, लेकिन दिल्ली में हार के बाद वह उम्मीद टूट गई। अब मुंबई और महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनावों, विशेष रूप से बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर उद्धव ठाकरे के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। यह चुनाव उनके राजनीतिक नेतृत्व और पार्टी की पहचान के लिए 'करो या मरो' स्थिति होगी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा दिल्ली में जीत का साफ संकेत है कि लोग पार्टी के नेतृत्व में विश्वास करते हैं। हम बिहार विधानसभा चुनाव भी जीतेंगे।

तेजस्वी के लिए चुनौती: अब तो बिहार में कांग्रेस को तवज्जो देना ही होगा

पटना (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने क्षेत्रीय दलों को एक बड़ा सबक सिखा दिया है। दिल्ली में कांग्रेस भले ही शून्य पर रही, लेकिन उसके वोटों ने आम आदमी पार्टी की हार में अहम भूमिका निभाई। इससे साफ है कि बीजेपी विरोधी क्षेत्रीय दलों के लिए कांग्रेस से गठबंधन कितना जरूरी है। अगर रीजनल पार्टियां कांग्रेस को भाव नहीं दिए तो केजरीवाल बनने में देर नहीं लगेगी। दिल्ली से कांग्रेस ने लालू यादव और तेजस्वी यादव को साफ-साफ संकेत दे दिया है कि बिहार चुनाव में हर हल में भाव देना होगा।

दिल्ली में कांग्रेस ने हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे वाली कहावत चरितार्थ कर दी। अब सवाल उठता है कि आखिर कांग्रेस जरूरत भी क्यों है और मजबूरी भी? इसका जवाब हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिलता है। आप ने कांग्रेस से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन को पहला झटका लगा। कांग्रेस और आप अलग-अलग लड़े। नतीजा, दोनों को नुकसान हुआ। कांग्रेस की हार की एक बड़ी वजह आप बनी। दिल्ली चुनाव से पहले बिहार में आरजेडी, कांग्रेस को भाव नहीं देती थी। हालांकि बिहार में कांग्रेस और आरजेडी के बीच ज्यादा अनबन नहीं है। लेकिन राहुल गांधी के जातिगत जनगणना वाले बयान ने राजद को असहज कर दिया है। राहुल गांधी के बयान से तेजस्वी यादव बैकफुट पर हैं। इधर कांग्रेस हर हाल में 2020 वाली सीट आरजेडी से चाहती है। दूसरी ओर लालू यादव अभी तक कांग्रेस को 70 सीट देने के मूड में नहीं थे। अंदरखाने से खबर थी की लालू-तेजस्वी कांग्रेस को 50 से भी कम विधानसभा सीट देना चाहते हैं। लेकिन दिल्ली रिजल्ट के बाद साफ हो गया है कि अगर कांग्रेस महागठबंधन से बाहर हो जाती है तो लालू परिवार को अरविंद केजरीवाल तो बिहार में बना ही सकती है। दिल्ली के चुनाव नतीजों ने क्षेत्रीय दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है। कांग्रेस की अनदेखी करना उनके लिए नुकसानदेह हो सकता है। सियासी पंडितों का भी मानना है कि बीजेपी विरोधी गठबंधन में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसकी उपेक्षा करके रीजनल पार्टियां अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारेंगे। हालांकि अब यह देखना होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी कांग्रेस को कितना भाव देती है।

कांग्रेस ने दिल्ली में आप का सूपड़ा साफ किया, अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी की बारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। फिर भी खुश नजर आ रही है। वजह ये है कि कांग्रेस का विरोध करने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से बदला ले लिया। आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ करवा दिया है। अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की नजर पश्चिम बंगाल में टीएमसी पर है। ये वही टीएमसी है जिसने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर सवाल उठाए थे। कुल मिलाकर कांग्रेस भले ही चुनाव जीतने में कामयाब न हो पाए पर दिल्ली चुनाव के बाद यह माना जाने लगा है कि विरोधियों को धूल चटाने में कांग्रेस सफल हो रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की हार के बाद और समाजवादी पार्टी तथा नेशनल कांफ्रेंस द्वारा कांग्रेस पर आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनौती देने की योजना बनाई जा रही है। यहां ममता बनर्जी की पार्टी ने कांग्रेस को बार-बार नजरअंदाज किया है।सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस ने यह स्पष्ट किया है कि राज्य स्तर पर सहयोगियों के खिलाफ संघर्ष का मतलब राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन खत्म करना नहीं है, बल्कि यह सिर्फ पार्टी की महत्त्वाकांक्षाओं का हिस्सा है। इसे उसके अन्य सहयोगी आसानी से पचा नहीं पा रहे हैं। राहुल गांधी ने इस विचार को स्वीकार किया कि अगर कांग्रेस ने राज्य दर राज्य हार मान ली, तो इसका राष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ेगा और बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस एक ठोस विकल्प नहीं बन पाएगी। इस समय राहुल गांधी का मानना ह कि कांग्रेस के सभी राज्य इकाइयों को एक ई दिशा की आवश्यकता है और यही उनके अ गले कदम का उद्देश्य है।

कांग्रेस ने आप से बदला लिया ब ममता की बारी, राहुल गांधी ने सेट किए ांग्रेस के नए टारगेट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अंततः अपनी राजनीति की राह पर चलने लगे हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद अब कांग्रेस की नजर श्चिम बंगाल पर है। पार्टी वहां ममता बनर्जी की णमूल कांग्रेस (टीएमसी) से मुकाबला करने के लिए तैयार है। राहुल गांधी ने 2004 में सक्रिय रा नीति में कदम रखा था और उन्हें युवाओं के मा लों का प्रभारी नियुक्त किया गया था। तब उन्होंने ए ला चलो रे के सिद्धांत पर विश्वास किया था, यानी पार्टी को अकेले ही खड़ा होना चाहिए। यह सिद्धांत सोनिया गांधी के नेतृत्व में बने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) से बिल्कुल अलग था। हालांकि यह कांग्रेस के लिए गठबंधन राजनीति का एक प्रयोग था। राहुल का हमेशा मानना था कि पार्टी तब ही बढ़ सकती है जब वह अकेले चुनाव लड़े।

राहुल गांधी ने अपनी पार्टी के नेताओं से यह अक्सर कहा था कि अकेले खड़े होने से लंबी अवधि में फायदा होगा, भले ही चुनाव हार जाएं। लेकिन कई चुनावी विफलताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने की इच्छा ने उन्हें गठबंधन राजनीति को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को यह एहसास हुआ कि जहां इंडिया गठबंधन के अन्य दल मजबूत हो रहे हैं, वहीं

कांग्रेस पिछड़ती जा रही है। सीधे मुकाबले में बीजेपी के साथ कांग्रेस का जीतना अब संभव नहीं लग रहा था। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद राहुल गांधी ने यह विचार किया कि अब कांग्रेस को अकेले ही चुनावी मैदान में उतरना होगा और अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप को चुनौती देने का इरादा बनाना पड़ा।